PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, शुक्रवार
12.12.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 53
RNI : JHAHIN/2014/54374
हिन्दी दैनिक
Raashtriya Mukhyadhaaraa

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
https://rashtriyamukhyadhara.com/
mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं!

कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से किया समझौताः नड्डा

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्य सभा में गुरुवार को वंदे मातरम पर चर्चा का जवाब देते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम गीत की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि, शुरू से ही कांग्रेस ने भारत की संस्कृति, सोच और मूल्यों से समझौता किया। संसद में 'वंदे मातरम्' पर हुई चर्चा के समापन वक्तव्य में जेपी नड्डा ने कहा यह चर्चा दर्शाती है कि वंदे मातरम कितना प्रासंगिक और हमारे दिलों के कितना करीब है। यह बहस उन युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम की एक झलक देती है जिन्होंने उन दिनों को अपनी आँखों से नहीं देखा है। यह गीत कई ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी है और इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम से उत्पन्न भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। यह हमें प्रेरित करता है और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति हमारे अंदर जोश भर देता है। जब अंग्रेजों ने हमारे स्कूलों में अपना राष्ट्रगान 'गॉड सेव द क्वीन' थोपना

चाहा, तब बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने हमें वंदे मातरम गीत दिया, जिसका असर पूरे देश में हुआ। नड्डा ने कहा कि वंदे मातरम् को वह सम्मान और स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था और उस समय के नेता इसके लिए जिम्मेदार थे। नड्डा ने नेहरू द्वारा 1937 में लिखे गए एक पत्र का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि गीत में कठिन शब्द हैं और यह आधुनिक राष्ट्रवाद के अनुरूप नहीं है। वह उस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे। नेहरू के नेतृत्व में साम्प्रदायिक तत्वों के दबाव में उन्होंने इस पवित्र गीत को बदला और उन अंतरों को हटा दिया जिनमें भारत माता को माँ दुर्गा के रूप में स्वतंत्रता के अस्त्र-शस्त्र धारण किए हुए चित्रित किया गया था। 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 1937 तक की कांग्रेस कार्यसमिति की रिपोर्टों का हवाला देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि उस समय में प्रस्ताव में कहा गया था कि अन्य अंतरे कम जाने जाते हैं और शायद ही कभी गाए जाते हैं; उनमें ऐसे संकेत और धार्मिक विचारधाराएँ हैं जो भारत के अन्य धार्मिक समूहों की विचारधाराओं के अनुरूप नहीं हो सकतीं। समिति ने अपने मुस्लिम मित्रों की आपत्तियों को स्वीकार किया और निर्णय लिया कि जब भी यह गीत गाया जाए, केवल पहले दो अंतरे ही गाए जाएँ, वे पढ़ते हैं। सदन के नेता जे.पी. नड्डा ने अपने भाषण का समापन करते हुए कहा कि चर्चा तभी सार्थक होगी जब वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय ध्वज के समान सम्मान दिया जाएगा। राष्ट्रीय गीत का दर्जा समान है।

ई-20 पेट्रोल से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि ई-20 यानी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि व्यापक परीक्षणों में यह ईंधन पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है और इससे प्रदूषण कम करने तथा विदेशी मुद्रा बचाने में भी मदद मिलती है। लोकसभा में गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की प्रभावशीलता पर उठे सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार द्वारा कराए गए विस्तृत परीक्षणों में ई-20 पेट्रोल से वाहनों

की ड्राइवबिलिटी, स्टार्टबिलिटी, धातु और प्लास्टिक संगतता पर कोई नकारात्मक असर सामने नहीं आया है। ई-20 के प्रयोग से देश को महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ मिल रहे हैं। एथनॉल मिश्रण से अब तक 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक विदेशी मुद्रा की बचत हुई है, जबकि कच्चे माल के रूप में गन्ना और मक्का उपलब्ध कराने वाले किसानों को 40 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। गडकरी ने कहा कि एक अप्रैल 2023 से पहले बेचे गए वाहन ई-10 के अनुकूल हैं, जबकि इसके बाद बेचे गए वाहन ई-20 सामग्री-अनुपालन के मानकों पर खरे उतरते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पुराने वाहन को चरणबद्ध तरीके से हटाने या रेट्रोफिटिंग की आवश्यकता नहीं है और सामान्य घिसावट को नियमित सर्विसिंग में आसानी से संभाला जा सकता है।

पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों को डिनर मीटिंग पर बुलाया

आगामी विधानसभा चुनावों पर हो सकती है चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार शाम अपने दिल्ली स्थित आवास पर एनडीए के सभी सांसदों को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में जीत के बाद गठबंधन की यह पहली बड़ी मुलाकात मानी जा रही है। यह डिनर मूल रूप से पिछले संसद सत्र में होना था, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे टाल दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, इस डिनर मीटिंग में एनडीए के अधिकतर सांसदों की मौजूदगी तय मानी जा रही है। विभिन्न क्षेत्रों के सांसदों के समन्वय की जिम्मेदारी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों को दी गई है। सूत्र बताते हैं कि डिनर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित बनाने के लिए 54 टेबल लगाए गए हैं। हर टेबल पर भाजपा व गठबंधन सहयोगी दलों के आठ सांसद बैठेंगे। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार ओडिशा–पश्चिम बंगाल के सांसदों के लिए तैयारी संभाल रहे हैं, जबकि किरेन रिजिजू को उत्तर–पूर्व के सांसदों

से संपर्क का दायित्व दिया गया है। प्रत्येक टेबल पर एक केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहेगा और उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी हर टेबल पर जाकर सांसदों से बातचीत करेंगे।

सरकार के 'रोडमैप' और आगे की रणनीति पर चर्चाः सप्ताह की शुरुआत में हुई एक बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सरकार के व्यापक रोडमैप और लोक-कल्याण केंद्रित प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी थी। माना जा रहा है कि डिनर मीटिंग में प्रधानमंत्री आगे की कार्ययोजना और विधायी प्राथमिकताओं पर भी दिशा-निर्देश साझा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, यह रात्रि भोज सिर्फ औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि एनडीए घटकों के बीच खुली, रचनात्मक और राजनीतिक बातचीत का मंच साबित होने वाला है। इस बातचीत में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की प्रारंभिक रणनीति पर चर्चा होने की भी संभावना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रणब मुखर्जी विशाल व्यक्तित्व वाले राजनेता थे, जिनकी विद्वत्ता और स्पष्ट चिंतन ने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि प्रणब मुखर्जी का बौद्धिक योगदान और गहन सोच ने भारत की लोकतांत्रिक यात्रा को समृद्ध किया। उनके साथ वर्षों तक हुए संवाद से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला, जो सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

संसद पहुंचे रक्षा मंत्री को जयराम रमेश ने रोका तो बोले– मुझे गुजराती नहीं आती

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के नौवें दिन की कार्रवाई में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा मंत्री को जयराम रमेश ने रोक कर उन्हें पुस्तक देनी चाहिए, तो वे मुस्कुरा दिए और बोले- मुझे तो गुजराती आती ही नहीं है। राजनाथ सिंह ने उनसे कहा, अंग्रेजी में दीजिए...। दरअसल सुबह लोकसभा पहुंचते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कांग्रेस सांसद जयराम रमेश से सामना हो गया। जयराम ने उन्हें 'सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरीः मणिबेन पटेल की डायरी' नामक पुस्तक देते हुए कहा— ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा। यह सुन राजनाथ सिंह मुस्कुराकर बोले— अंग्रेजी में दीजिए, मुझे गुजराती नहीं आती। यह कहते हुए राजनाथ सिंह आगे बढ़ गए। बहरहाल शीतकालीन सत्र के नौवें दिन गुरुवार को भी एसआईआर और वोट चोरी जैसे मामलों पर दोनों सदनों में हंगामें के आसार बन सकते हैं। दरअसल इस मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच कल बुधवार को टकराव हुआ था, जिसका असर आज भी दिखाई दे सकता है। यहां बताते चलें कि बुधवार को चुनाव सुधारों पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को खुली बहस की चुनौती दे दी थी। इससे पहले शाह ने कहा था कि चुनाव सुधार पर चर्चा से बीजेपी भागती नहीं है।

मेलोनी ने पीएम मोदी को इटली आने का भेजा न्योता, हां में मिला जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

इटली के डिप्टी प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी भारत के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार शाम उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई। तजानी ने इस बैठक को बेहद पॉजिटिव और उपयोगी बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की ओर से 2026 में इटली आने का निमंत्रण भी दिया। तजानी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी की ओर से इस आमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, हालांकि यात्रा की तारीख अभी तय नहीं की गई है। तजानी ने कहा कि भारत और इटली के रिश्ते एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सहयोग और तेजी से बढ़ेगा। उनके

अनुसार भारत और इटली एक-दूसरे के लिए महत्वपूर्ण साझेदार हैं और भविष्य में द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। जब तजानी से पूछा गया कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी भारत कब आएंगी, तो उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा की तारीख अभी निर्धारित नहीं हुई है और इस पर बाद में फैसला लिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और तजानी की मुलाकात के दौरान इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, सांस्कृतिक सहयोग, व्यापार, तकनीक और कूटनीतिक साझेदारी पर विस्तृत चर्चा हुई।

इंडिगो उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को देगी 10 हजार रुपये मूल्य के यात्रा वाउचर

एजेंसी। नई दिल्ली

परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को राहत देने की घोषणा की है। कंपनी डीजीसीए के मानदंडों के तहत दी जाने वाली धनराशि के अतिरिक्त प्रभावित यात्रियों को 10 हजार रुपये का यात्रा 'वाउचर' देगी। एयरलाइन ने खेद जताते हुए कहा कि 3, 4 और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10 हजार रुपये

मूल्य के यात्रा 'वाउचर' प्रदान करेंगे। इन यात्रा 'वाउचर' का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि यह वाउचर मौजूदा सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत की गई प्रतिबद्धता के अतिरिक्त है, जिसके अनुसार इंडिगो उन ग्राहकों को उड़ान के 'ब्लॉक' समय के आधार पर 5,000 रुपये से 10 हजार रुपये तक का मुआवजा प्रदान करेगी, जिनकी उड़ानें प्रस्थान समय से 24 घंटे के भीतर रद्द कर दी गई थीं।

इंडिगो के परिचालन संकट से भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर उड़ानें ठप, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

भुवनेश्वर। इंडिगो एयरलाइन के लगातार जारी परिचालन संकट का असर बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी गंभीर रूप से दिख रहा है। पिछले एक सप्ताह से उड़ानें प्रभावित हो रही हैं और गुरुवार सुबह तक भुवनेश्वर से निर्धारित आठ उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। वर्ष के अंत में टिकटों के महंगे होने से यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को भुवनेश्वर–कोलकाता, भुवनेश्वर–देहरादून, भुवनेश्वर–चेन्नई, भुवनेश्वर–गोवा, भुवनेश्वर–मुंबई, भुवनेश्वर–बेंगलुरु, भुवनेश्वर–हैदराबाद और भुवनेश्वर–नई दिल्ली रूट की सभी उड़ानें दिनभर के लिए रद्द कर दी गईं। यात्रियों को जानकारी देने और सहायता पहुंचाने के लिए एयरपोर्ट ने 24 घंटे संचालित होने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। यात्री अपनी उड़ान, दोबारा बुकिंग और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 8280749239 पर संपर्क कर सकते हैं।

अनुराग ठाकुर ने टीएमसी सांसद पर लोस में ई-सिगरेट पीने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को उस समय हंगामे के हालात बन गए, जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद पर सदन के भीतर ई-सिगरेट पीने का गंभीर आरोप लगाया। ठाकुर ने बिना नाम लिए कहा कि पूरे देश में ई-सिगरेट प्रतिबंधित है, ऐसे में लोकसभा परिसर में इसका इस्तेमाल संसदीय मर्यादा का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला से पूछा कि क्या सदन में ई-सिगरेट के उपयोग की कोई अनुमति दी गई है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद को पिछले कई दिनों से लोकसभा के अंदर ई-सिगरेट पीते हुए देखा गया है और मांग की कि इस मामले की जांच करवाई जाए।

मजदूरों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा, 17 मजदूरों की मौत

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हुआ। हैयूलियांग-चगलागाम इंडो-चीन बॉर्डर रोड पर मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रक अचानक संतुलन खोकर गहरी खाई में गिरा। ट्रक में 21 मजदूर सवार थे और शुरुआती जानकारी के अनुसार 17 मजदूरों की मौत हो चुकी है। जिला प्रशासन ने हादसे की गंभीरता को देखकर तुरंत राहत और बचाव टीमें भेज दी हैं। यह घटना 8 दिसंबर की है। अंजाव डिप्टी कमिश्नर मिलो कोजिन ने पुष्टि की कि हादसा बेहद खतरनाक पहाड़ी मोड़ पर हुआ। उन्होंने बताया कि सड़क बहुत संकरी है और कई हिस्सों में ढलान काफी तेज है। ट्रक में सवार मजदूर इस इलाके में चल रहे बॉर्डर रोड निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों ने सबसे पहले मौके पर पहुंचकर मदद शुरु कर दी।

कृषि आयात पर मतभेदः अमेरिकी अधिकारी बोले- डील तो बेहतर पर भारत चुनौतियों वाला देश

नई दिल्ली। दो दिन की व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दिल्ली पहुंचते ही वॉशिंगटन में संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर ने कहा कि इस बार भारत की ओर से अब तक का "सबसे बेहतर प्रस्ताव" मिला है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात को लेकर भारत का रुख अब भी कठोर है और यही मुद्दा दोनों देशों के बीच सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है। ग्रीयर ने अमेरिकी सीनेट की एक समिति के समक्ष कहा कि उनकी टीम दिल्ली में बातचीत कर रही है और भारत कई कृषि उत्पादों—विशेषकर अनाज और मांस—पर आयात प्रतिबंध या कठोर शर्तें बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि भारत बातचीत में कठिन साबित होता है, लेकिन इस बार उसका रुख पहले की तुलना में अधिक सकारात्मक दिखा है।

मध्यप्रदेश के शहडोल में पारा पहुंचा 3 डिग्री, केदारनाथ-बद्रीनाथ का तापमान माइनस 15 डिग्री नीचे

एजेंसी। नई दिल्ली

पहाड़ी राज्यों की बर्फबारी और हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ बनने से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मध्य प्रदेश में पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर 13 दिसंबर से दिखना शुरू होगा इससे और तेजी से तापमान गिरेगा। वहीं राजस्थान में भी पारा गिरने लगा है। राज्य के 20 से ज्यादा जिलों में मिनिमम टेम्प्रेचर 10 डिग्री से नीचे चला गया। फतेहपुर सबसे ठंडा रहा, यहां तापमान 3.7डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जानकारी के मुताबिक पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में झरने जमने लगे हैं। चमोली-पिथौरागढ़ में पाइपलाइन में पानी जम गया। केदारनाथ में तापमान -15, बद्रीनाथ में -13 डिग्री चला गया। इधर हरियाणा में 4 जिलों में तापमान 7 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। 12 जिले ऐसे रहे जहां मिनिमम टेम्प्रेचर 10डिग्री से कम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 12 दिसंबर से राज्य में सर्दी बढ़ेगी। मध्य प्रदेश में पूरे दिसंबर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। इसकी वजह हिमालयी क्षेत्र में लगातार पश्चिमी विक्षोभ का आना है। नया सिस्टम 13 दिसंबर से बनेगा। इस वजह से बर्फीली हवाएं लगातार चलेंगी। प्रदेश में सबसे ठंडा शहडोल का कल्याणपुर रहा। यहां सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 3डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बिहार में सर्दी बढ़ रही है। पटना में न्यूनतम तापमान 12.6डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 1.1डिग्री कम है। जबकि 8.1 डिग्री सेल्सियस के साथ बक्सर सबसे ठंडा जिला रहा। पटना में बढ़ती सर्दी को देखते हुए सभी स्कूलों का समय बदल दिया गया है। झारखंड की बात करें तो मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 16 दिसंबर तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह के समय घना कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है। कोहरे के कारण दृश्यता में कमी आ सकती है, जिससे सुबह के समय सड़क और ट्रेन परिचालन प्रभावित हो सकता है। वहीं हरियाणा में हवाओं की दिशा और गति बदलने से ठंड में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आईएमडी ने राजस्थान से सटे 6 जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखीदादरी और नारनौल में शीतलहर का यलो अलर्ट जारी किया था।

we will make your
Epaper & NEWS PORTAL
MAXIMUM PERFORMANCE
आपकी डिजिटल और प्रिंट पहचान एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर
हम तैयार करते हैं:
✔ प्रिंट-रेडी ई–पेपर व न्यूज़लेटर (PDF अख़बार)
✔ साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक व त्रैमासिक पत्र/पत्रिका
✔ किताबों व रिपोर्ट की PDF
✔ ब्रोशर, फ्लायर, कैटलॉग व ई-सोवीनियर
✔ रिसर्च जर्नल व डॉक्यूमेंट सेटअप
✔ News Portal (Making to News Uploading)
किसके लिए:
• मीडिया हाउस
• संस्थान व स्कूल
• लेखक व कवि
• कार्यक्रम आयोजक
• शोधकर्ता
• Web Journalists/Publishers
PDF PRESS SERVICES
✔✔ क्यों चुनें ?
• प्रोफेशनल लेआउट • आकर्षक डिज़ाइन
• समय पर डिलीवरी • बजट फ्रेंडली पैकेज
• आपकी जरूरत के मुताबिक कस्टम काम
संपर्क करें आज ही
pdfpresssolutions@gmail.com
+91 928831915, 9576159316

LICENCE NUMBER : CHARTERED ENGINEER (INDIA) - AM1964669, ICAS - 13072/18, UDYAM-BR-26-0014910
30+ वर्षों का अनुभव और हजारों लोगों का विश्वास
Acharya Santosh
चार्टर्ड अभियंता (सिविल) एवं ज्योतिष विशारद, हस्तरेखा प्रवीण तथा वास्तु आचार्य
[द इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजिनियर (भारत) एवं भारतीय ज्योतिर्विज्ञान परिषद, चेन्नई]
@astrosntosha
क्या आप समस्याओं से परेशान हैं ?
क्या बनते काम बिगड़ रहे हैं ?
विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है ?
कैरियर की चिन्ता सता रही है ?
वास्तुशास्त्र के अनुसार घर बनाने की सोच रहे हैं ?
अनेकों ऐसे सवाल जिनका
जन्म-पत्रिका, हस्तरेखा, वास्तुशास्त्र के अनुसार पूजन, रत्न, रुद्राक्ष तथा यंत्र-मंत्र द्वारा समस्याओं का समाधान
नोट : ग्रह शांति, पूजन सामग्री तथा सभी प्रकार के प्रमाणित रत्न एवं उपरत्न सस्ते दामों में उपलब्ध है.
जन्म पत्रिका निर्माण तथा विश्लेषण, वर-वधू कुंडली निर्माण, मिलान एवं विश्लेषण, हस्तरेखा परीक्षण, वास्तु सलाह, रत्न, रुद्राक्ष, यंत्र इत्यादि के लिए संपर्क करें
ज्योतिर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान
वास्तु शुद्धि और जन्मकुंडली जागरण के लिए संपर्क करें
+91 9576 159 316
DELHI | PATNA | ARA | BOKARO | RANCHI
acharyasantosh.com

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

उपायुक्त ने किया पतरातू प्रखंड का दौरा

» कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू सहित अन्य परियोजनाओं का किया निरीक्षण

» पतरातू प्रखंड में निर्मित 100 बेड के प्री फैब्रिकेटेड अस्पताल को हैंडोवर करने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला : गुरुवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने पतरातू प्रखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण किया।दौरे के क्रम में सर्वप्रथम उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने बालिकाओं से सीधा संवाद करते हुए उन्हें विद्यालय के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों से भी बच्चों के शिक्षा संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस दौरान उपायुक्त के द्वारा विद्यालय में फिल्ट्रेशन प्लांट लगाने का निर्देश दिया गया।कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पतरातू के उपरांत उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त के द्वारा केंद्र के माध्यम से आम जनों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वहीं उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित मरीजों से भी कई विषयों पर चर्चा की एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए।दौरे के क्रम में उपायुक्त के द्वारा पतरातू प्रखंड कार्यालय के समीप नवनिर्मित 100 बेड के प्रीफैबरीकेटेड अस्पताल का निरीक्षण किया गया। मौके पर उपायुक्त के द्वारा भवन का निरीक्षण करते हुए भवन को हैंडोवर करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया वहीं अस्पताल का संचालन शुरू कर आम जनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इन सबके अलावा दौरे के दौरान उपायुक्त के द्वारा प्रखंड सह अंचल कार्यालय पतरातू का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय के कमरों का निरीक्षण करते हुए कार्यालय के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विभिन्न कार्यों से आने वाले आम जनों को लाभान्वित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू मनोज कुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

कर्ण महासभा झारखंड इकाई की बैठक में 'कर्ण कुंभ 2026' को सफल बनाने पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : कर्ण महासभा झारखंड इकाई की बैठक साउथ ऑफिस पाड़ा, डोरंडा स्थित सेंट जेवियर स्कूल के पीछे आयोजित की गई। इस बैठक का संचालन रमेश कुमार, धीरेंद्र कुमार दास और निर्मला कर्ण द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रांची जिला की कार्यकारिणी भी शामिल हुई। बैठक की शुरुआत में धीरेंद्र कुमार दास ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और बैठक आयोजन में सहयोग देने के लिए केकेएम के संरक्षक सदस्य अभय कुमार चौधरी को धन्यवाद दिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य दिसंबर 2026 में झारखंड में होने वाले केकेएम के द्विवार्षिक महाआयोजन कर्ण कुंभ की तैयारियों पर चर्चा करना था। यह आयोजन देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों के कारण काफी बड़े पैमाने पर होता है, इसलिए इसके सफल संचालन के लिए विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। रांची जिला कार्यकारिणी सहित सभी सदस्यों ने आयोजन को भव्य बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

बैठक में रांची जिले में केकेएम की सदस्य संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया गया, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक संस्था की पहुँच सुनिश्चित हो सके और अधिक से अधिक लोग संस्थागत कार्यों से लाभान्वित हों। महासचिव ने सुझाव दिया कि सदस्यता अभियान के साथ-साथ वास्तविक जरूरतमंद लोगों की पहचान भी की जाए, जिन्हें संस्था तत्काल सहायता दे सके। संरक्षक सदस्य अभय कुमार चौधरी ने संस्था की वित्तीय स्थिति मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता मिलती रहे।

निर्णय लिया गया कि रांची में प्रतिमाह समाज के कम से कम पाँच लोगों को केकेएम की सदस्यता दिलाई जाएगी। बैठक के दौरान अमरेंद्र कुमार लाभ ने संरक्षक सदस्यता ग्रहण की, जबकि विजय कुमार दास संस्था के नए सदस्य बने।

बैठक का समापन उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया। कार्यक्रम में रमेश कुमार, धीरेंद्र कुमार दास, निर्मला कर्ण, अभय कुमार चौधरी, शशि भूषण कंठ, सुरेश मलिक, प्रशांत दास, प्रभात कुमार, विजय कुमार दास, अमरेंद्र कुमार लाभ और किरण कर्ण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 के सफल आयोजन हेतु बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : संजीत कुमार, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, रामगढ़ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 के सफल आयोजन हेतु जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ (समाहरणालय, भवन छत्तरमाण्डू, रामगढ़) में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक 19.12.2025 को महार्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (कोठार) रामगढ़ में जिला स्तरीय युवा महोत्सव के प्रतियोगिता सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, कविता लेखन, चित्रकला, भाषण का आयोजन किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में वैसे प्रतिभागी जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच हो भाग ले सकते हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी प्रमण्डल स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे, एवं राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 16.12.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक निर्धारित है। प्रतिभागी ऑनलाइन गूगल लिंक

पर जाकर पंजीकरण कर सकते है। प्रतियोगिता एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ के मो॰ 8709816456, महेश प्रसाद मो॰ 9801121528, नितेश कुमार मोदी मो॰ 9135973356 नेहरू युवा केन्द्र, रामगढ़ से सम्पर्क किया जा सकता हैं। उक्त बैठक में रूद्र शेखर, प्रभारी जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, रामगढ़ राहुल सिंह, डॉ॰ अशोक राम एन0एस0एस0, नितेश कुमार मोदी एवं महेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

8 डिग्री सेल्सियस की ठिठुरती रात में गरीबों का हाल जानने सड़कों पर उतरे डीसी

» कहीं भी अलाव की व्यवस्था न देख विफरे, लापरवाही पर सीओ को किया शोकॉज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो: बोकारो में कड़ाके की ठंड और सर्द रात के बीच, जहां तापमान लगभग 8 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है, वहीं जिला प्रशासन की संवेदनशीलता की परीक्षा भी हो रही है। आम जनता के प्रति अपनी सहानुभूति और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए, उपायुक्त अजय नाथ झा बुधवार की देर रात अचानक बोकारो और चास की सड़कों पर निकल पड़े। उनका उद्देश्य था उन गरीबों, मुसाफिरों और रात भर ठिठुरने वाले लोगों का हाल जानना, जिनके लिए उन्होंने एक सप्ताह पहले ही सभी चौक-चौराहों पर अलाव जलाने का निर्देश जारी किया था।

ठंड के कहर और निर्देशों की अनदेखी की शिकायत जब उपायुक्त तक पहुंची, तो उन्होंने प्रशासनिक सुस्ती पर गहरी नाराजगी जताई और खुद जमीनी हकीकत का जायजा लेने का फैसला किया। उपायुक्त ने सेक्टर 1-सी, राम मंदिर, 12 मोड़, दुंदीबाद मोड़, नया मोड़ बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, आईटीआई मोड़ और चास के धर्मशाला मोड़ तक का सघन दौरा किया।

निरीक्षण के दौरान, उपायुक्त ने पाया कि चास निगम क्षेत्र के धर्मशाला चौक को छोड़कर कहीं भी अलाव जलता हुआ नहीं मिला। यह स्थिति देखते ही उपायुक्त अजय नाथ झा ने तुरंत एक्शन लेते हुए चास सीओ रामसेवक साहू को शोकॉज जारी कर दिया। बोकारो शहरी क्षेत्र में भी लापरवाही पाए जाने पर, उन्होंने बीएसएल के नगर सेवा विभाग को 24 घंटे के अंदर सभी महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया।

इस औचक निरीक्षण के बाद उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट संदेश दिया कि आम जनता को राहत पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि इस बाबत सभी अंचलों, नगर निगम चास व नगर परिषद फुसरों को राशि और निर्देश पहले ही उपलब्ध कराए जा चुके हैं, बावजूद इसके अलाव की व्यवस्था न होना अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाता है।

उपायुक्त ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि वे केवल शहरी क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने-अपने प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात के समय दौरा कर अलाव जलाने की स्थिति का वास्तविक जायजा लें और व्यवस्था को तत्काल प्रभावी बनाएं। इस मानवीय एवं सराहनीय पहल के दौरान उपायुक्त के साथ अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह और जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे।

CBA इस रविवार रांची में 'कायस्थ संवाद' शिखर सम्मेलन के लिए तैयार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची :चित्रान्श बिज़नेस एसोसिएशन ट्रस्ट (CBA) ने रविवार, 14 दिसंबर 2025 को सेलिब्रेशन बैंक्वेट्स में अपने नेतृत्व शिखर सम्मेलन कायस्थ संवाद का आयोजन करेगा। अक्टूबर 2021 में स्थापित CBA का उद्देश्य व्यवसायिक नेटवर्किंग और रेफरल के माध्यम से कायस्थ समाज को एक पेशेवर मंच प्रदान करना है। 'कायस्थ के लिए कायस्थ के द्वारा' और For Better Unity, Help Your Community की भावना पर आधारित यह सम्मेलन पेशेवर तालमेल, नेतृत्व विकास, उद्यमशीलता और सामुदायिक प्रगति पर केंद्रित होगा। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 200–250 प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति की उम्मीद है। पंकज पीयूष ने कहा कि यह आयोजन समुदाय के लिए उच्च-विश्वास वाला पेशेवर इकोसिस्टम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर देव सिन्हा, मनीष वर्मा, डॉ के पी सिन्हा, विकाश सहाय, अभिमन्यु, राज वर्मा, जीतेन्द्र सिन्हा, प्रशांत श्रीवास्तव, रंजन सिन्हा, विशाल कुमार, डॉ रजनीश बरियार, विवेक, आनंद और अविनाश भी मौजूद रहे।

इस्पातनगरी बोकारो से चमकेंगे निशानेबाजी के सितारे

» डीपीएस बोकारो में खुला झारखंड का पहला विद्यालयी अत्याधुनिक शूटिंग रेंज

राष्ट्रीय मुख्यधारा : दीपक झा

बोकारो: शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक गढ़ने वाले दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो ने अब खेल के मैदान में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम उठाया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों की हर विधा को निखारकर उनके समग्र विकास के उद्देश्य से विद्यालय ने जिले में पहली बार एक उच्चस्तरीय शूटिंग रेंज की स्थापना की है। प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार की दूरदर्शी पहल के तहत स्थापित यह अनूठी सुविधा, छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ निशानेबाजी के क्षेत्र में अपना हुनर निखारने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगी। यह अत्याधुनिक शूटिंग रेंज पूरे झारखंड में अपनी तरह का सबसे खास और पहला है। इसे अगले शैक्षणिक सत्र से विद्यार्थियों के लिए विधिवत शुरू कर दिया जाएगा। प्रेरणा और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में, इस रेंज को देश के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और महान निशानेबाज अभिनव बिन्द्रा के नाम पर समर्पित किया गया है।

विश्वस्तरीय प्रशिक्षण की सुविधाएं हैं मौजूद–यह शूटिंग रेंज पूर्णतया वातानुकूलित है और प्रशिक्षुओं की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यहां एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वाली एक से बढ़कर एक राइफल और पिस्टल उपलब्ध हैं। ये अत्याधुनिक तकनीकयुक्त संसाधन बच्चों का निशानेबाजी कौशल निखारने में अत्यधिक सहायक होंगे। विद्यार्थी पूर्णतया स्वचालित 10 मीटर की शूटिंग मशीन के माध्यम से सटीक निशाना साधने का अभ्यास कर सकेंगे। विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करने के लिए विशेष प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की गई है। स्कूली स्तर पर इस प्रशिक्षण का लाभ बहुआयामी है। यह पहल बच्चों में गहन एकाग्रता, मानसिक अनुशासन और लक्ष्य पर फोकस करने के कौशल को विकसित करेगी, जिसका सीधा लाभ उनके शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी पड़ेगा। विद्यालय की योजना है कि बच्चों को शूटिंग में इस तरह से तैयार किया जाए कि वे आगे चलकर राज्य और राष्ट्र स्तर की प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

राज्यपाल ने किया था उद्घाटन, तो रेल डीजी ने साधा था निशाना–गौरतलब हाल ही में विद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह में पहुंचे सूबे के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने इस शानदार शूटिंग रेंज का उद्घाटन किया था, जिसकी सराहना सभी गणमान्य व्यक्तियों ने की। इसके बाद द्वैवार्षिक सदनोत्सव के मुख्य अतिथि झारखंड के रेल महानिदेशक अनिल पालटा ने भी स्वयं राइफल थामकर निशाने साधे और विद्यालय की इस दूरदर्शी पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने इसे विद्यार्थियों को बहुकौशल बनाने की दिशा में विद्यालय का महत्वपूर्ण व अग्रणी प्रयास बताया।

बोकारो को मिलेंगे राष्ट्रीय निशानेबाजः डॉ. गंगवार–इस अनूठी पहल पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने कहा कि हमारा विद्यालय छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हमारी प्राथमिकता है, किंतु हमारा लक्ष्य है कि हमारे विद्यार्थी हर विधा में पारंगत हों। उन्होंने आगे कहा कि निशानेबाजी का अभ्यास छात्रों में जिस गहन एकाग्रता और मानसिक अनुशासन का विकास करता है, वह सीधा उनकी अकादमिक सफलता को बढ़ाता है। यह पहल उन्हें अनुशासन, दृढ़ संकल्प और जीवन में लक्ष्य साधने का अमूल्य पाठ सिखाएगी। इस सुविधा से बोकारो को भविष्य के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज मिलेंगे। यह सुविधा डीपीएस बोकारो को शिक्षा के साथ खेल-कूद में उत्कृष्टता प्रदान करने वाले विद्यालयों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा करती है।

उधवा में — 2015 के बाद पहली बार दिखी पलास गल पक्षी की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज :उधवा पक्षी आश्रयणी से पक्षी-प्रेमियों के लिए उत्साहजनक खबर आई है। यहां दुर्लभ प्रवासी पक्षी - पलास गल को देखा गया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रजाति की पिछली उपस्थिति साल 2015 में दर्ज की गई थी। लगभग एक दशक बाद इसकी वापसी उधवा झील की जैव-विविधता के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

यह प्रजाति दक्षिणी रूस से मंगोलिया तक दलदलों और द्वीपों में कॉलोनियों में प्रजनन करती है । यह प्रवासी पक्षी है , जो सर्दियों में पूर्वी भूमध्य सागर , अरब और भारत में निवास करता है। यह गल जमीन पर घोंसला बनाता है और दो से चार अंडे देता है।

गौरतलब है की सभी प्रवासी पक्षी वन्यजीव अधिनियम के तहत संरक्षित है एवं इन्हें या इनके आवास क्षेत्र को किसी भी प्रकार की क्षति, अधिनियम के तहत संज्ञेय ग़ैर जमानतीय अपराध है, जिसमे 7 वर्ष तक की सज़ा का प्रावधान है।

पक्षी विशेषज्ञों के अनुसार, पलास गल का दिखना बताता है कि झील का पर्यावास प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित, अनुकूल और आकर्षक है। हर साल हज़ारों की तादाद में विदेशी पक्षी यहां शीतकालीन प्रवास पर आते हैं, जिससे यह क्षेत्र पूर्वी भारत के महत्वपूर्ण बर्ड हॉटस्पॉट्स में भी शामिल है।

मॉडल कॉलेज राजमहल में साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : मॉडल कॉलेज राजमहल में 11 दिसंबर 2025 को "अनुशासन, साइबर अपराध और सकारात्मक आचरण" विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह द्वारा अमित कुमार सिंह और अन्य अतिथियों को अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर स्वागत से हुई। प्राचार्य ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा और नैतिक आचरण की जानकारी युवाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अमित कुमार सिंह ने छात्रों को अनवेरिफाइड लिंक, वीडियो कॉल, मैसेज और फेक प्रोफाइल से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि बैंक कभी OTP, PIN या पासवर्ड नहीं मांगता और 'डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड' जैसे नए अपराधों से सतर्क रहना जरूरी है।

उन्होंने आपात स्थिति में 112 हेल्पलाइन के उपयोग की जानकारी दी। एसपी ने नशा और मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की और युवाओं को इससे दूर रहने की अपील की। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, जागरूकता और सकारात्मक सोच को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ रमजान अली ने किया। स्वागत भाषण डॉ विवेक कुमार महतो ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमित कुमार ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में एसडीपीओ बिमलेश कुमार त्रिपाठी, तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडे, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी सहित कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सैकड़ों छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस पर वन विभाग द्वारा 11 पेड़ लगाए गए और राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अंत में प्राचार्य ने कॉलेज के फॉसिल संग्रहालय का परिचय कराया, जिसकी पुलिस अधीक्षक ने सराहना की और कहा कि यह संग्रहालय राजमहल पहाड़ियों पर भू-वैज्ञानिक अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

चंदनकियारी में ही होगी नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा

बोकारो : आगामी 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय ने एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। यह सूचना चन्दनकियारी प्रखंड के अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में परीक्षा केन्द्र के नाम में हुई एक तकनीकी मुद्रण त्रुटि से संबंधित है।

डीईओ कार्यालय के अनुसार चन्दनकियारी प्रखंड के लिए निर्धारित वास्तविक परीक्षा केन्द्र होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी है। हालांकि, तकनीकी त्रुटि के कारण कुछ अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर परीक्षा केन्द्र होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चास चन्दनकियारी मुद्रित हो गया है।

परीक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक प्रिंटिंग त्रुटि है और वास्तविक परीक्षा केन्द्र में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जिन अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र में गलत केन्द्र दर्शाया गया है, वे भी होलीक्रास पब्लिक स्कूल, चन्दनकियारी में ही निर्धारित समय पर परीक्षा देने के लिए पहुंचें।

जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए संबंधित विद्यालय और प्रशासनिक टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा न हो। अभिभावकों और छात्रों से अपील की गई है कि वे सही परीक्षा केन्द्र की जानकारी से अवगत रहें और समय से उपस्थित हों, ताकि परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

विधायक ने बोकारो में आईएमसी प्रोजेक्ट में विलंब पर जताई कड़ी आपत्ति, मंत्री संग विधायक और सेल की बैठक आज

बोकारो : झारखंड विधानसभा के सत्र में गुरुवार को बोकारो की विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने एक गैर सरकारी संकल्प के माध्यम से अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) का निर्माण कार्य अविलंब प्रारम्भ कराने की मांग जोरदार तरीके से उठाई।

संकल्प पर जवाब देते हुए उद्योग मंत्री संजय यादव ने बताया कि भारत सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए बोकारो स्टील सिटी में 740 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। उन्होंने वर्तमान स्थिति बताते हुए कहा कि उपायुक्त बोकारो से भूमि हस्तांतरण का अनुरोध किया गया है और भूमि लागत (जो नगर प्रशासन, बोकारो स्टील प्लांट ने पहले 1450 करोड़ रुपये बताई थी) का उच्च स्तरीय समिति द्वारा पुनर्निर्धारण किया गया है, जिसकी संशोधित लागत से संबंधित रिपोर्ट सेल के पास लंबित है।

मंत्री के इस उत्तर पर विधायक श्वेता सिंह ने कड़ी आपत्ति जताते हुए विभाग के बार-बार एक जैसे जवाब देने के रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा- बोकारो जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के लिए विभाग का यह रवैया ठीक नहीं है।

राज्य सरकार और विभागों का दायित्व है कि वे समाधान दें, न कि केवल सेल के पास लंबित है, जैसी पंक्तियां दोहराएं। विधायक ने बोकारो के विकास से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर ठोस और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की।

विधायक की कड़ी आपत्ति के बाद उद्योग मंत्री संजय यादव ने सदन में तत्काल आश्वासन दिया कि कल ही विधायक, विभागीय अधिकारियों और सेल प्रतिनिधियों की एक संयुक्त बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आईएमसी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सभी कदम तत्काल लिए जाएंगे।

विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने मंत्री के आश्वासन का स्वागत करते हुए कहा कि आईएमसी बोकारो के भविष्य और हजारों युवाओं के रोजगार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और वह इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को रूटीन की तरह नहीं, बल्कि समर्पण से करें : उपायुक्त अजय नाथ झा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत संचालित योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण व कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार और सिविल सर्जन डॉ. ए बी प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की कि वे अपने कार्य को केवल रूटीन की तरह न लें, बल्कि समर्पण और पैशन के साथ करें, क्योंकि उनकी भूमिका सीधे आमजन की जिंदगी से जुड़ी है। उन्होंने टीम भावना, समय पालन और गुणवत्तापूर्ण सेवा को अनिवार्य बताते हुए सेवा भाव से कार्य करने पर ज़ोर दिया।

एएनसी और संस्थागत प्रसव पर विशेष ध्यान-उपायुक्त ने मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी एएनसी (एंटिनेटल केयर) जांच के प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड चिकित्सा प्रभारी पदाधिकारी (एमओआइसी) को नियमित बैठकें आयोजित कर सभी एएनएम, आंगनबाड़ी कर्मियों व स्वास्थ्य सहिया की समीक्षा और मॉनिटरिंग करने को कहा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एमओआइसी केवल चिकित्सा अधिकारी नहीं, बल्कि पूरे प्रखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए प्रशासक की भूमिका निभाएं। उन्होंने जिले में हर गर्भवती का शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया।

हेल्थ कार्ड तैयार करने के निर्देश-उपायुक्त ने एमओआइसी को प्रखंडवार गंभीर रोग ग्रस्त मरीजों की मैपिंग करने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति का हेल्थ कार्ड तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निगरानी और उपचार की प्रक्रिया और मजबूत हो सके। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि निजी अस्पतालों में जन्मे शिशुओं को शत-प्रतिशत जीरो डोज सुनिश्चित किया जाए, जिसके लिए इन अस्पतालों में प्रचार-प्रसार और डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। उन्होंने जिले के चिह्नित 2275 टीबी मरीजों को फूड बास्केट योजना का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए सीएसआर नोडल पदाधिकारी श्री शक्ति कुमार को आवश्यक कार्रवाई और समन्वय करने का निर्देश दिया।

एएनएम को दें व्यावहारिक प्रशिक्षण-उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार ने एएनएम की कार्यकुशलता में सुधार के लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन वाले स्वास्थ्य केंद्रों में व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण देने हेतु एक कैलेंडर तैयार करने को कहा। उन्होंने कम प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। साथ ही, यह भी निर्देश दिया गया कि जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सब-सेंटर में संस्थागत प्रसव की व्यवस्था अनिवार्य रूप से शुरू की जाए।

बेहतर व्यवहार के साथ करें सटीक रिपोर्टिंग-बैठक में टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीबी उन्मूलन, मलेरिया, कुपोषण, आयुष्मान, मेंटल हेल्थ, दवा उपलब्धता, मैनपावर, रिपोर्टिंग सिस्टम समेत एनएचएम के सभी प्रमुख कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जमीनी स्तर पर सेवा का प्रभाव देखने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों से समय पर ड्यूटी, फील्ड विजिट और सटीक रिपोर्टिंग करने को कहा। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों के साथ अच्छा व्यवहार करने की अपील भी की, जिससे स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बीएसएल में लाइम क्रशर यूनिट का शुभारंभ, इस्पात उत्पादन को मिलेगी गति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने अपने रॉ मटेरियल प्रबंधन (आरएमपी) प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में 100 टन प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता वाली एक नई लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की गई है। इस यूनिट का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री रंजन ने कहा कि यह नई लाइम क्रशर यूनिट इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को अधिक गतिशील और दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और एफएसएनएल कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए इसे बीएसएल की उत्पादन क्षमताओं में वृद्धि की दिशा में एक अहम कदम बताया।

यह यूनिट सिंटर प्लांट के लिए फ्लक्स उत्पादन में योगदान देगी। कैल्शियम-समृद्ध लाइम के उपयोग से सिंटर की बाइंडिंग स्ट्रेंथ बढ़ेगी और रिटर्न सिंटर की मात्रा में कमी आएगी। इसका सीधा परिणाम सिंटर प्लांट की उत्पादकता में वृद्धि और ब्लास्ट फर्नेस को उच्च गुणवत्ता वाला सिंटर उपलब्ध होने के रूप में सामने आएगा, जिसका ब्लास्ट फर्नेस के उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, यह यूनिट आरएमपी विभाग के रोटरी किल्न को लेस ऑफ-टेक की स्थिति से बचाते हुए किल्न की उत्पादकता और रिफ्रैक्टरी लाइनिंग लाइफ में भी उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करेगी।

सतत विकास और सेवा जारी रखते हुए डालमिया भारत ने मनाया सेवा दिवस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सतत विकास और निःस्वार्थ सेवा के मूल सिद्धांतों को प्रखर करते हुए, भारत के अग्रणी सीमेंट और चीनी कारोबार समूह डालमिया भारत ग्रुप ने हाल ही में देश भर में सेवा दिवस समारोह उत्साह और समर्पण के साथ मनाया। यह विशेष आयोजन ग्रुप के दूरदर्शी संस्थापक जय दयाल डालमिया जी की 121वीं जयंती के अवसर पर किया गया, जिनका जीवन सच्चाई, ईमानदारी और परोपकार के अटूट आदर्शों पर आधारित था।

4 से 11 दिसंबर तक चले इस सेवा सप्ताह के दौरान भारत में स्थित ग्रुप के 25 स्थानों पर, जिनमें मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स, रीजनल ऑफिसेस और कॉर्पोरेट ऑफिसेस शामिल थे, विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष समारोह का विषय स्थिरता रखा गया, जो श्री डालमिया के जिम्मेदार विकास और पर्यावरण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इस दौरान करुणा, विनम्रता और समाज सेवा के उनके उच्च आदर्शों को जीवंत श्रद्धांजलि दी गई।

कर्मचारियों, साझेदारों और स्थानीय समुदाय के लोगों ने मिलकर कई रचनात्मक पहलों में हिस्सा लिया। प्रमुख गतिविधियों में व्यापक पौधारोपण और सफाई अभियान, रीसाइक्लिंग के बारे में सामुदायिक जागरूकता, अनाथालय और वृद्धाश्रम का दौरा, अन्न दान के माध्यम से सहायता पहुंचाना और आसपास के क्षेत्रों में विकास और सुधार के कार्य करना शामिल था। साथ ही, नुक्कड़ नाटक और संवादात्मक बातचीत के जरिए लोगों में जिम्मेदार नागरिकता और नैतिक जीवन जीने की समझ को भी मजबूत किया गया।

सेवा दिवस के तहत डालमिया सीमेंट ने अपनी बोकारो यूनिट में कई महत्वपूर्ण सामुदायिक पहल की, जिससे 7,165 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला। इस अवसर पर, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, बोकारो के यूनिट हेड सुनील कुमार के. भुसारी ने कहा कि डालमिया भारत में सेवा दिवस केवल हमारे संस्थापक को श्रद्धांजलि देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों का जीवंत रूप है। इस हफ्ते की गई हर पहल यह दर्शाती है कि हम जिम्मेदारी से काम करते हैं, पूर्ण रूप से ध्यान रखते हैं और अपने समुदाय व पर्यावरण में असली योगदान देते हैं।

झुग्गी बस्तियों में छात्रों का सर्वेक्षण, सामाजिक वास्तविकताओं से रूबरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4 के कक्षा 12वीं (कला संकाय) के छात्रों ने राजनीतिक विज्ञान परियोजना के हिस्से के रूप में नज़दीकी झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों का विस्तृत क्षेत्र सर्वेक्षण किया। इस शैक्षणिक दौरे का उद्देश्य पाठ्यपुस्तकों से परे जाकर उन सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को समझना था, जिनमें झुग्गी बस्तियों में रहने वाले परिवार प्रतिदिन जीवन यापन करते हैं। छात्रों ने यहां के निवासियों की जीवनशैली, दैनिक चुनौतियों और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का गहराई से अवलोकन किया।

सर्वेक्षण के दौरान छात्रों ने स्थानीय महिलाओं, बच्चों और परिवारों के अन्य सदस्यों से सीधे बातचीत की। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, स्वच्छता, आवास, स्वास्थ्य और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता से जुड़े प्रश्न पूछकर वास्तविक स्थिति को समझने की कोशिश की। सभी प्रतिक्रियाओं और विचारों को छात्रों ने अपनी सर्वेक्षण नोटबुक में सावधानीपूर्वक दर्ज किया ताकि आगे चलकर उनका विश्लेषण किया जा सके।

इस अनुभव के माध्यम से छात्रों को कक्षा में पढ़ाई जाने वाली अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप में समझने का अवसर मिला। उन्होंने स्वयं देखा कि किस तरह बुनियादी स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल की कमी, शिक्षा में बाधाएँ और रोजगार के सीमित अवसर आज भी इन बस्तियों की बड़ी समस्याएँ हैं। यह अनुभव उन्हें सामाजिक मुद्दों के प्रति अधिक जागरूक, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाता दिखा।

सर्वेक्षण के आधार पर छात्रों ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की, जिसे राजनीतिक विज्ञान परियोजना के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह अध्ययन न केवल उनकी शैक्षणिक समझ को गहरा करने वाला रहा, बल्कि उन्हें समाज के कमजोर वर्गों की समस्याओं के समाधान और सरकारी नीतियों की भूमिका पर विचार करने के लिए भी प्रेरित किया।

विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने इस पहल को विद्यार्थियों की शिक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, जागरूकता और विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझ देश में सामाजिक समरूपता और समानता की भावना को आगे बढ़ाने में सहायक होगी।

डीवीसी के महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में महिलाओं को मिला पोषण सुरक्षा कवच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के गोविंदपुर ई पंचायत सचिवालय में गुरुवार को दामोदर वैली कॉर्पोरेशन (डीवीसी) के सीएसआर विभाग और हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में एक बृहद महिला स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनमें व्याप्त पोषण संबंधी कमियों, विशेषकर एनीमिया को दूर करना था।

शिविर का उद्घाटन हॉस्पिटल की डीजीएम हेल्थ डॉ. संगीता रानी, डॉ. सतीश कुमार, जिला परिषद सदस्य शहजादी बानो, मुखिया विश्वनाथ महतो, पंचायत समिति सदस्य अनिता देवी और सीएसआर के वरीय प्रबंधक मनीष कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

डीजीएम हेल्थ डॉ. संगीता रानी ने अपने संबोधन में महिला स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाएं परिवार की धुरी होती हैं और उनका स्वस्थ रहना पूरे समाज के लिए आवश्यक है। उन्होंने ज़ोर दिया कि डीवीसी केवल बिजली उत्पादन ही नहीं, बल्कि समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए भी प्रतिबद्ध है। डॉ. सतीश कुमार ने एनीमिया (खून की कमी) के लक्षणों और इसके निवारण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सही पोषण और नियमित जांच से इस समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिप सदस्य शहजादी बानो और मुखिया विश्वनाथ महतो ने डीवीसी की इस पहल की सराहना की और स्थानीय महिलाओं से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

शिविर में महिलाओं के लिए निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच की व्यवस्था थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी जांच करवाई।

जांच के आधार पर ज़रूरतमंद महिलाओं को आयरन की सिरप और ज़रूरी दवाइयां भी वितरित की गईं। डॉक्टरों की टीम ने व्यक्तिगत रूप से महिलाओं को स्वच्छता, गर्भावस्था के दौरान देखभाल और संतुलित आहार के बारे में महत्वपूर्ण सलाह दी। इस मौके पर सीएसआर के भैरव महतो, हेल्थ निरीक्षक कृष्णा कुमार, कलीम अंसारी, गौतम मंडल, विकास कुमार यादव सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

विधायक के प्रयास से एनएच-32 सड़क मरम्मत का कार्य शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो विधायक श्रीमती श्वेता सिंह के लगातार पत्राचार और प्रयासों का संज्ञान लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 32 (एनएच-32) की मरम्मती और सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। वर्तमान में यह कार्य आई. टी.आई. मोड़, चास से प्रारम्भ किया गया है।

विधायक श्रीमती सिंह ने 17 जनवरी 2025 को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और 02 जून 2025 को बोकारो जिला उपायुक्त को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया था कि बालीडीह टोल प्लाज़ा से तेलीडीह मोड़ तक का राष्ट्रीय राजमार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में है और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिससे आमजन के लिए आवागमन अत्यधिक कठिन हो गया है।

मरम्मती के साथ-साथ विधायक ने उकरीद मोड़ पर उपयुक्त गोलंबर निर्माण की मांग भी रखी थी, क्योंकि यह स्थान तीन सड़कों के तिर्यक रूप से मिलने के कारण एक दुर्घटना प्रवण क्षेत्र बन चुका है और वहां ट्रैफिक नियंत्रण का कोई स्पष्ट ढांचा नहीं है।

एनएचएआई द्वारा सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू करने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने और कई राज्यों को जोड़ने में यह पहल मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद है।

डीएवी तेनुघाट में विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूली बच्चों ने बनाए उत्कृष्ट मॉडल

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान बनाने के साथ-साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु संकल्पित शिक्षा का व्यावहारिक उपयोग करके सीखने की उद्देश्य से तेनुघाट स्थित डीएवी विद्यालय परिसर में गुरुवार को 'विज्ञान-प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुकेश कुमार मछुआ अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रश्मि अग्रवाल अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी सिविल कोर्ट तेनुघाट एवं डॉ जीएन ख़ान सहायक क्षेत्रीय निदेशक, झारखंड जोन-आई, तेनुघाट ओपी थाना प्रभारी भजन लाल महतो एवं डी बनर्जी प्राचार्या डी ए वी स्वांग, आरके सिंह, प्राचार्य बीआरएल डीएवी, तन्मय बनर्जी प्राचार्य डीएवी ललपनिया सहित भजन लाल महतो प्रभारी तेनुघाट ओ. पी. एवं सैकड़ों की संख्या में सम्मानित अभिभावक उपस्थित हुए। बच्चों द्वारा मुख्य अतिथि का तिलक लगाकर स्वागत किया गया एवं प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने आए हुए अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट की। तत्पश्चात् डी ए वी परंपरा का पालन करते हुए मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया एवं सामूहिक रूप से डीएवी गान गाया गया।

इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों द्वारा नृत्य एवं भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से जुड़े एक लघु नाटक की प्रस्तुति की गई। प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि के द्वारा फीता काट कर शुभारंभ किया गया।

जिसमें विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं चित्रकला जैसे विषयों में छात्रों द्वारा उत्कृष्ट मॉडल बनाए गए, जिसे देखकर सभी प्रसन्न हुए। मुख्य अतिथि मुकेश मछुआ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्र-छात्राएँ उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़े एवं विद्यालय का नाम रोशन करें। विशिष्ट अतिथि डॉ जीएन खान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के पठन-पाठन में अभिभावक का बहुत बड़ा योगदान होता है। डीएवी शिक्षण संस्थान अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए जाना जाता है। भजन लाल महतो ने भी अपने संबोधन में बच्चों का हौसला बढ़ाया। प्राचार्या स्तुति सिन्हा ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंट की। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी शिक्षक संदीप कुमार के द्वारा किया गया।

हिन्दी दैनिक
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

बीआईटी सिंदरी में एमटेक विद्यार्थियों को दी गई भावपूर्ण विदाई

सिंदरी (धनबाद): गुरुवार को बीआईटी सिंदरी के विद्युत अभियंत्रण विभाग में एमटेक विद्यार्थियों के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभाग के शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह विदाई उनके परिश्रम, अनुशासन और निरंतर सीखने की प्रतिबद्धता का सम्मान है।

शिक्षकों ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी सीखी हुई तकनीकों और मूल्यों को वास्तविक जीवन में ईमानदारी, उत्कृष्टता और जिम्मेदारी के साथ लागू करें। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग लगातार विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रयासरत रहता है और उनकी उपलब्धियाँ संस्थान के लिए गौरव का विषय हैं।

कार्यक्रम में प्रो.(डॉ.) पंकज राय, निदेशक, बीआईटी सिंदरी, डॉ.वी. मुखर्जी (सहप्राध्यापक, आईआईटी–आईएसएम धनबाद एवं बाह्य परीक्षक),

डॉ. मोहम्मद अबुल कलाम, विभागाध्यक्ष, साथ ही प्रो(डॉ.) डीके तांती, प्रो.रेखा झा, डॉ.राजेंद्र मुर्मू, प्रो.शशि मिंज, डॉ.सुमन रंजन, डॉ.राहुल कुमार, डॉ.हरि चरण वर्मा, प्रो.मणिमाला, प्रो.मुखलसुर रहमान, डॉ.बिश्वरणजन मिश्रा, प्रो.राकेश रोहन, डॉ.अमित कुमार चौधरी, प्रो.प्रवीण कुमार समेत अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

खुले में कोयला पोड़ा देख भड़कीं जिप अध्यक्ष, फैक्ट्री में नियमों की अनदेखी पर लगाई फटकार

बोकारो थर्मल : प्रदूषण के व्यापक खतरे की शिकायत मिलने के बाद गुरुवार को बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी नावाडीह प्रखंड के पेंक नारायणपुर थाना अंतर्गत ऊपरघाट स्थित मां जगदंबा कोल फैक्ट्री की औचक जांच करने पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने पाया कि फैक्ट्री परिसर के अंदर खुले मैदान में कोयले की भट्ठी लगाकर पोड़ा (कोयला पकाने) करने का काम व्यापक पैमाने पर किया जा रहा है। उन्होंने देखा कि इस खुले दहन से व्यापक पैमाने पर धुआँ निकल रहा है, जिसकी चपेट में आकर आसपास के ग्रामीण प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। खुले में कोयला पोड़ा होता देखकर जिला परिषद अध्यक्ष गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए मौके पर मौजूद फैक्ट्री कर्मियों को फटकार लगाई। उन्होंने तत्काल खुले मैदान में लगाई गई भट्ठी को पानी डालकर बुझाने का निर्देश दिया। जिप अध्यक्ष ने कहा कि फैक्ट्री को भट्ठी के अंदर कोयला जलाकर पोड़ा बनाने का निर्देश है, परंतु मां जगदंबा फैक्ट्री नियमों को ताक पर रखकर खुले मैदान में पोड़ा बनाने का काम कर रही है, जिससे गांव में गंभीर प्रदूषण फैल रहा है।

सुनीता देवी ने मौके पर ही घोषणा की कि इसकी शिकायत बेरमो एसडीएम सहित जिला के वरीय पदाधिकारियों से की जाएगी। जांच के बाद, जिला परिषद अध्यक्ष ने बेरमो एसडीएम से मिलकर सारी बातों से अवगत कराया। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नावाडीह सीओ को तुरंत मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। इस दौरान ऊपरघाट जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी, चितरंजन साव, आजसू नेता टिकैत कुमार महतो, सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल, कृष्णा, कुंदन साव, दीपक मंडल सहित कई लोग मौजूद थे।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले बिजली कटौती का कहर
अंधेरे में डूबे छात्र, बढ़ी अभिभावकों की चिंता

बोकारो थर्मल : कथारा सहित जेवीएनएल की बिजली सप्लाई वाले क्षेत्रों में विगत् एक पखवारे से जारी अनियमित बिजली कटौती ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों की चिंता गंभीर रूप से बढ़ा दी है। जैसे-जैसे बोर्ड परीक्षाएं नज़दीक आ रही हैं, शाम होते ही होने वाली लगातार बिजली कटौती छात्रों और अभिभावकों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। शाम के समय लगातार बिजली जाने से छात्रों की पढ़ाई बाधित हो रही है, जिससे उनकी तैयारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कक्षा 10वीं की छात्रा लक्ष्मी कुमारी ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए रात का समय पढ़ाई हेतु सबसे उपयुक्त होता है, लेकिन प्रतिदिन शाम से ही बिजली चली जाने के कारण पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि मोमबत्ती या मोबाइल की टॉर्च में पढ़ना काफी थकाने वाला होता है।

छात्रा लाडली कुमारी का कहना है कि इन दिनों सेल्फ स्टडी (स्व-अध्ययन) बहुत ज़रूरी है, लेकिन बिजली न होने से न तो ऑनलाइन नोट्स पढ़ पाते हैं और न ही प्रैक्टिस सेट पूरा हो पाता है। कार्मेल उच्च विद्यालय के शिक्षक विश्वनाथ का कहना है कि परीक्षा-पूर्व अवधि विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण होती है और ऐसे समय में बिजली कटौती उनकी तैयारी को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। उन्होंने अनुमंडल एवं जिला प्रशासन से तुरंत स्थिर एवं स्थाई रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। शिक्षक ने चेतावनी दी कि लगातार बिजली कटौती के कारण उत्पन्न तनाव विद्यार्थियों की मानसिक तैयारी पर भी असर डाल रहा है, और यदि स्थिति में शीघ्र सुधार नहीं हुआ, तो इसका प्रत्यक्ष प्रभाव बोर्ड परीक्षा के परिणामों पर पड़ेगा।

डुमरा में पान दुकान से नकदी समेत कागजात की चोरी

दो दुकानों में चोरी का प्रयास विफल, ताला तोड़ते चोर सीसीटीवी में कैद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

कतरास (धनबाद): बाघमारा थाना क्षेत्र के डुमरा मोड़ में बुधवार देर रात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाया, लेकिन एक में चोरी करने में सफल हो गए जबकि दो दुकानों में प्रयास असफल हो गया। गुरुवार सुबह जब दुकानदार दुकान खोलने पहुंचे तो टूटा ताला देख होश उड़ गये। डुमरा दक्षिण मुखिया जीवन लाला महतो की सूचना पर थाना प्रभारी अजीत कुमार सदल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने दुकानदारों से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली। वही पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज को भी खंगाला। जांच के दौरान सीसीटीवी फूटेज में रात 2 बजकर 27 मिनट पर एक व्यक्ति दुकान का ताला तोड़ते हुए नजर आया है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

डुमरा मोड़ स्थित बबलू पान दुकान का शटर तोड़कर चोरो ने नगद 1200 सौ रूपये, आधार कार्ड सहित जरुरी कागजात चोरी कर लिया। साथ ही बगल में रामप्रसाद पान दुकान का शटर का ताला तोड़ा गया, कुछ नहीं ले जा पाया। वही अनमोल वस्त्रालय का आधा शटर को उखाड़ कर चोरी का प्रयास किया लेकिन नाकाम साबित हुए।

आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय दुकानदारों में भय का माहौल बना हुआ है। दुकानदारों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है। उनका कहना है की हाल ही में डुमरा पोस्ट ऑफिस स्थित कृष्णा ज्वेलर्स दुकान का शटर उखाड़ कर चोरों ने चोरी का प्रयास किया था। डुमरा मेन चौक होने के वावजूद यहां चोर बड़ी आसानी से चोरी की घटना को अंजाम दे रहा है।

राजगंज में ट्रक-ट्रेलर की भिड़ंत, चालक घायल

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

राजगंज (धनबाद): गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे राजगंज थाना क्षेत्र स्थित कोलकाता-दिल्ली मुख्य मार्ग पर महेशपुर के नजदीक एक ट्रक और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक चालक विनोद कुमार ऊँज, निवासी भदोनी (उत्तर प्रदेश), गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल चालक विनोद कुमार ने बताया कि वह धनबाद में ट्रक खाली कर यूपी की ओर लौट रहा था। महेशपुर में उसने अपना वाहन सड़क किनारे खड़ा करने का प्रयास किया, इसी दौरान दूसरी लेन से आ रही एक ट्रेलर जो गोविंदपुर से सामान लेकर भिवंडी, राजस्थान जा रही थी ने ट्रक के चालक वाली ओर जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर में विनोद के सिर और कंधे पर चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत राजगंज स्थित एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जप्त कर लिया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

रेल संबंधित मांगो को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल ने रेल मंत्री से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

» सांसद ढुल्लू महतो के नेतृत्व में धनबाद जिला चैंबर एवं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल की हुई थी मुलाकात

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / नई दिल्ली: गुरुवार को रेल मंत्रालय में धनबाद जिला चैंबर एवं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स का एक प्रतिनिधिमंडल सांसद ढुल्लू महतो के नेतृत्व में रेल मंत्री अश्विन वैष्णव से मिला एवं धनबाद की रेल संबंधित मांगो पर एक ज्ञापन सौंपा।

रेल मंत्री ने मिट्ठू रोड भूली अंडरपास एवं जोड़ाफाटक दक्षिणी क्षोर रेलवे स्टेशन मार्ग पर अपनी सहमति प्रदान कर त्वरित इस पर कार्य करने का आश्वासन दिया, साथ ही साथ अन्य मांगों पर भी खास कर नई ट्रेन और साप्ताहिक ट्रेनों को भी नियमित करने का आश्वासन दिया।

बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने चैंबर के तरफ से रेल मंत्री एवं सांसद को उनके सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल में जिला महासचिव अजय नारायण लाल, बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष प्रमोद गोयल, महासचिव लोकेश अग्रवाल, नितिन भट्ट, संजय झा, खाद्यान्न अध्यक्ष विनोद गुप्ता, सचिव विकाश कंधवे, बरामुरी चैंबर अध्यक्ष देवाशीष पॉल सहित अन्य सामाजिक लोग शामिल थे।

राज सिन्हा ने एसीबी जांच में लंबित 38 सड़कों के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांची: धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने सड़कों के निर्माण में हो रही देरी के मामले को लेकर गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर ज्ञापन सौंपा। विधायक ने धनबाद नगर निगम के 52 वार्डों में से 38 प्रमुख सड़कें भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जांच लंबित रहने के कारण छह वर्षों से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़े रहने के मामले से सीएम को अवगत कराते हुए कहा कि इससे आमजन के आवागमन में भारी कठिनाइयाँ और दुर्घटना जैसी समस्याएँ लगातार बढ़ रही हैं।

उन्होंने बताया कि एसीबी धनबाद के पुलिस अधीक्षक द्वारा पत्रांक 844 दिनांक 21.11.2025 के माध्यम से पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, झारखंड रांची से पी.ई. संख्या 01/2020 (दिनांक 07.08.2020) का अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। जिसके अभाव में अब तक इन सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। उक्त पत्र की प्रति भी मुख्यमंत्री को सौंपी गई।

विधायक ने यह भी कहा कि वे स्वयं पूर्व में तत्कालीन पुलिस महानिदेशक, एसीबी झारखंड रांची को विषय की गंभीरता से अवगत करा चुके हैं, परंतु

निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी न होने के कारण 38 सड़कों का निर्माण अटका हुआ है। विधायक ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि जनता की परेशानी को देखते हुए एसीबी जांच से संबंधित प्रक्रिया को शीघ्र निष्पादित करते हुए धनबाद नगर निगम क्षेत्र की इन सभी 38 महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य को अविलंब शुरू कराएं। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को विस्तृत लिखित पत्र भी सौंपा।

13 दिसंबर से कलश यात्रा के साथ होगा सात दिवसीय भव्य 'हर के आँगन में हरि कथा' का शुभारंभ

आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ अंतिम चरण में हैः हित नयन कुमार

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः स्टीलगेट स्थित दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर प्रांगण में आगामी 13 दिसंबर से सात दिवसीय भव्य 'हर के आँगन में हरि कथा' का शुभारंभ होने जा रहा है। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। वहीं यह जानकारी आयोजन समिति के हित नयन कुमार ने दी।

आयोजन समिति ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान 13 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होगा। श्रद्धालु प्रत्येक दिन कथा श्रवण कर सकेंगे। वही बताया कि 13 दिसंबर को झांकी के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह कलश यात्रा न्यू बैंक कॉलोनी से कार्यक्रम स्थल तक निकाली जाएगी। कार्यक्रम में वृंदावन के सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्य श्री हित ललितवल्लभ नागार्च अपने मुखारविंद से श्रीकृष्ण लीलाओं एवं हरि कथा का रसपान कराएँगे। आयोजन को लेकर भक्तों में उत्साह देखा जा रहा है। कथा के समापन

के अगले दिन 20 दिसंबर (शनिवार) को भव्य महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इस धार्मिक आयोजन के मुख्य यजमान न्यू बैंक कॉलोनी, स्टीलगेट निवासी मोहन गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी किरण देवी हैं। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से सपरिवार कथा में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

प्रेस वार्ता में सरायढेला चेंबर अध्यक्ष श्रवण सिन्हा, कोषाध्यक्ष संजय सोनी, अरुण गुप्ता, मंटू, राजु गुप्ता, अशोक विश्वकर्मा, योगेश गुप्ता, निताई कुंभकार, कुश भारती, मुकेश कुमार, मुकुल पांडेय, अमृत मंडल, अशोक विश्वकर्मा, प्रकाश गुप्ता मौजूद थे।

समाहरणालय में कार पर्किंग निर्माण कार्य प्रगति पर, 64 कार व 80 दुपहिया हो सकेंगे खड़े

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर समाहरणालय आने वाले आगंतुकों के लिए समाहरणालय के पूर्वी हिस्से में विशाल पार्किंग शेड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पार्किंग का फ्रेमवर्क पूरा हो चुका है। शीघ्र शेड लगाने का कार्य आरंभ होगा।

इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी तादाद में आम लोग अपने विभिन्न कार्यों से समाहरणालय आते हैं। आम जनों के साथ पदाधिकारी, मीडिया कर्मी भी समाहरणालय आते हैं। अक्सर उनके वाहन खुले में खड़े रहते हैं। इसलिए चार पहिया और दुपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग शेड युक्त विशाल पार्किंग एरिया बन रहा है। पार्किंग शेड बन जाने के बाद उसमें 64 चार पहिया तथा 80 से अधिक दुपहिया वाहनों को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा।

उपायुक्त ने बताया कि पार्किंग शेड के साथ-साथ आगंतुकों के लिए सिटिंग व वेटिंग एरिया एवं पार्क का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है।

13 व 14 दिसंबर को "इमर्जिंग झारखंड" बिजनेस कॉन्क्लेव का होगा आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबादः धनबाद के गोविंदपुर स्थित राजविलास लग्जरी रिसोर्ट में आगामी 13 और 14 दिसंबर को भव्य पैमाने पर इमर्जिंग झारखंड बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। यह कॉन्क्लेव झारखंड इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड एसोसिएशन और एल्यूर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद नॉलेज पार्टनर एवं डॉ.शालिनी गौतम माइनिंग सेशन के रूप में अहम भूमिका निभाएगी।

गुरुवार को यूनियन क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान झारखंड इंडस्ट्री एंड ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने मीडिया को संबोधित किया। दोनों ने बताया कि इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य झारखंड के सर्वांगीण विकास के

लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर गहन चर्चा और मंथन करना है। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण, शिक्षा एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, उद्योग एवं व्यवसाय, तथा खनन क्षेत्र जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों को इसलिए चुना गया है क्योंकि झारखंड की आर्थिक प्रगति और औद्योगिक विकास में इन क्षेत्रों का प्रत्यक्ष योगदान है।

अध्यक्ष अमितेश सहाय एवं महासचिव राजीव शर्मा ने बताया ने बताया कि इस कॉन्क्लेव से उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, खनन क्षेत्र के विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित होगा, जिससे राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को नई दिशा व गति मिलेगी। वहीं महासचिव राजीव शर्मा ने कहा कि यह आयोजन झारखंड को 'इमर्जिंग इंडस्ट्रियल हब' बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 13 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे से शुरू होगा। इस सत्र में मुख्य अतिथि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मनोज अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि डॉ सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी (आइएसएम), डायरेक्टर, डीजीएमएस, कन्वेनर डा.शालिनी गौतम टेक्निकल सेशन होगा।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उद्योगपति, स्टार्टअप फाउंडर, सामाजिक संगठन, वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों का मानना है कि इस कॉन्क्लेव से राज्य में निवेश और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

दिनांक 14 दिसंबर को 10.30 बजे से सांय 6 बजे तक शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं उद्योग व्यवसाय पर चर्चा होगी।

प्रेस वार्ता में एल्यूर सोसाइटी की तरफ से देव जिंदल एवं राहुल नारंग उपस्थित हुए।

विधानसभा में राज सिन्हा ने थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों की चिकित्सा व्यवस्था का उठाया मामला

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजीव रंजन

धनबाद / रांचीः विधायक राज सिन्हा ने धनबाद में थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों की चिकित्सा व्यवस्था से जुड़े गंभीर मुद्दों को जोरदार तरीके से सदन में उठाया। विधायक ने कहा कि धनबाद जिले में डे केयर यूनिट, विशेष चिकित्सक तथा गर्भावस्था के दौरान बच्चों में थैलेसीमिया जांच हेतु आवश्यक तकनीक—जैसे एमनियोसेंटेसिस, कॉरियोनिक विल्लस सैंपलिंग और सीबीएस परीक्षण—का उपलब्ध न होना अत्यंत चिंताजनक है।

उन्होंने सदन को अवगत कराया कि इन सुविधाओं के अभाव में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों एवं उनके परिवारों को धनबाद से बाहर इलाज के लिए जाना पड़ता है, जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों

प्रकार का बोझ बढ़ता है।

विधायक ने यह भी बताया कि धनबाद के कई निजी संस्थान थैलेसीमिया—सिकल सेल पीड़ित बच्चों को बिना डोनर और बिना शुल्क के रक्त उपलब्ध नहीं करा रहे हैं, जिससे मरीजों के सामने अत्यंत कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं। यह स्थिति मानवीय एवं स्वास्थ्य सेवा मानकों के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि धनबाद में थैलेसीमिया–सिकल सेल डे केयर यूनिट की तत्काल स्थापना की जाए।

गर्भवती महिलाओं के लिए उन्नत जांच सुविधाएँ धनबाद मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध कराई जाएँ।

निजी अस्पतालों द्वारा रक्त उपलब्ध कराने में हो रही मनमानी पर कड़ी निगरानी एवं सख़्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

थैलेसीमिया एवं सिकल सेल पीड़ित बच्चों के लिए निःशुल्क एवं नियमित रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किए जाने की मांग की।

विधायक ने कहा कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मासूम बच्चों को समय पर उपचार एवं रक्त उपलब्ध कराना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई करेगी।

संक्षिप्त समाचार

कार्मेल स्कूल का वार्षिक खेलकूद समारोह आज, सीआईएसएफ असिस्टेंट कमांडेंट करेंगे उद्घाटन

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित कार्मेल स्कूल का बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कल, 12 दिसंबर को स्कूल मैदान में किया जाएगा। स्कूल की प्राचार्य सिस्टर एम डीलिया ने इस संबंध में जानकारी दी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट दिव्यांश भारद्वाज द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डीवीसी के भू-संपदा अधिकारी सुरजीत सरकार और पुलिस निरीक्षक पिंकू कुमार यादव भी मौजूद रहेंगे। इस आयोजन के लिए स्कूल प्रबंधन और छात्र उत्साह से तैयारियों में जुटे हैं, जो छात्रों में खेल भावना और अनुशासन को प्रोत्साहित करेगा।

सड़क दुर्घटना में कुंजला के युवक की मौत

खूंटी। खूंटी- सिमडेगा मुख्य मार्ग पर अंगराबारी स्वास्थ्य उप केंद्र के पास बुधवार की देर रात हुई सड़क दुर्घटना में दिलीप कुमार नामक 24 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक मुरहू थाना क्षेत्र के कुंजला गांव का रहने वाला। वैसे मूल रूप से उसका परिवार कर्रा थाना क्षेत्र के घासीबारी गांव का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार दिलीप कुमार अपने दोस्तों के साथ कृष्णा ढाबा में किसी का जन्मदिन मना कर वापस अपनी बाइक से कुंजला लौट रहा था। बाबा आमरेश्वर धाम के पहले स्वास्थ्य उप केंद्र के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इससे घटनास्थल पर ही दिलीप कुमार की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मुरहू थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया।

हजारीबाग में डॉक्टर जमील के घर पर एनआईए की छापेमारी, कई सामान जब्त

हजारीबाग। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह हजारीबाग में मौजूद आतंकी नेटवर्क के लिंक्स और टेरर फंडिंग के एक व्यापक मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी की है। एनआईए ने फिलहाल डॉ. जमील को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

एनआईए ने हजारीबाग जिले के पेलावल थाना क्षेत्र के अंसार नगर इलाके में दांत के डॉक्टर जमील के घर पर छापेमारी की है, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। एनआईए की टीम सीआरपीएफ के जवानों के साथ पहुंची और तलाशी अभियान चला रही है। यह कार्रवाई घर में संदिग्ध गतिविधियों की जांच के संबंध में की गई है। सुरक्षा एजेंसी को पिछले कुछ समय से अंसार नगर क्षेत्र में संदिग्ध आवाजाही और कुछ डिजिटल संपर्कों के बारे में इनपुट मिल रहा था। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों ने इस इलाके में अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। प्राथमिक जानकारी से पता चलता है कि कुछ विशिष्ट संचार लिंक और स्थानीय लोगों से मिले इनपुट के आधार पर एनआईए ने यह कार्रवाई की है।

एनआईए की टीम को संदिग्धों के घर के अंदर से महत्वपूर्ण दस्तावेज, मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच टीम अब जब्त किए गए सबूतों के आधार पर संदिग्धों के संभावित नेटवर्क, उनके वित्तीय लेनदेन और किसी भी तरह के बाहरी या अंतरराष्ट्रीय लिंक की पड़ताल कर रही है।

निर्माणाधीन मकान से चोरी के मामले में चार आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जोजोबेड़ा शिव मंदिर के पास निर्माणाधीन मकान से बुधवार देर रात हुई गेट और ग्रिल एंगल की चोरी की घटना को पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में सुलझाकर अपनी तत्परता का परिचय दिया। गुरुवार सुबह तड़के छापेमारी कर पुलिस ने चार आरोपितों को चोरी किए गए सामान सहित गिरफ्तार कर लिया।

घटना उस समय उजागर हुई जब एक स्थानीय व्यक्ति ने चोरी के दौरान ऑटो पर लोड किए जा रहे गेट और ग्रिल की तस्वीर खींच ली। इस तस्वीर में आरोपित साफ-साफ दिख रहे थे, जो पुलिस के लिए बड़ा सुराग साबित हुआ। फोटो के आधार पर पहचान करते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और सुबह तक सभी आरोपितों को उनके ठिकानों से दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में बारीगोड़ा निवासी संजय गोप, जोजोबेड़ा निवासी निरज कुमार, अभिषेक कुमार उर्फ बिल्ला और प्रेम कुमार शामिल हैं। इनके पास से चोरी में प्रयुक्त डाला ऑटो, घर का गेट और ग्रिल एंगल बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपितों ने निर्माणाधीन मकान में घुसकर चोरी करने की बात स्वीकार की है।

बोकारो थर्मल में डीवीसी की 49वीं दो दिवसीय वार्षिक एथलीट प्रतियोगिता शुरू

शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रखता है खेल : परियोजना प्रधान

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान गुरुवार को डीवीसी की खेल भावना का साक्षी बना, जहां ऑल डीवीसी 49वां दो दिवसीय वार्षिक एथलीट प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन किया गया। ऊर्जा और उत्साह से भरे इस आयोजन का शुभारंभ डीवीसी के एचओपी सुशील कुमार अरजरिया, वरीय जीएम ओएंडएम मधुकर श्रीवास्तव, डीजीएम कालीचरण शर्मा और मैनेजर एचआर सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और राष्ट्रीय ध्वज का झंडोतोलन कर किया। इस अवसर पर, डीवीसी के एचओपी, वरीय प्रबंधक ओएंडएम और डीजीएम ने अपने प्रेरक संबोधन में इस प्रकार के खेल आयोजनों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे आयोजन न केवल कर्मचारियों में खेल के प्रति रुझान को प्रबलता से बढ़ावा देते हैं, बल्कि ये कामगारों को शारीरिक तथा मानसिक रूप से पूर्णतः फिट रखने में भी निर्णायक सहायक होते हैं।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में डीवीसी के सात प्रमुख प्रोजेक्टों - बोकारो थर्मल, चंद्रपुरा, कोडरमा, दुर्गापुर, रघुनाथपुर, मेजिया और मैथन - के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह के दौरान, सभी खिलाड़ियों को खेल की उच्चतम भावना और निष्ठा बनाए रखने की शपथ दिलवाई गई। प्रतियोगिता के पहले दिन कई महत्वपूर्ण और रोमांचक इवेंट्स सफलतापूर्वक संपन्न हुए, जिनमें दो सौ, चार सौ, आठ सौ और पंद्रह सौ मीटर की दौड़, साथ ही तकनीकी इवेंट्स जैसे डिस्कस थ्रो, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक और शॉट पुट शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। इस दो दिवसीय वार्षिक एथलीट प्रतियोगिता का भव्य समापन और पुरस्कार वितरण समारोह शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा, जहां विजेता एथलीटों को सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के संचालन की जिम्मेदारी आरती रानी और दीनानाथ शर्मा ने कुशलतापूर्वक निभाई।

महिला कॉलेज में छात्राओं का स्वागत समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम। महिला कॉलेज चाईबासा के राजनीति विज्ञान विभाग में गुरुवार को स्नातक सेमेस्टर वन (2025–29) की नई छात्राओं के लिए स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्या रूपकला माधुरी खालखो ने विभाग के अन्य शिक्षकों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

स्वागत समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ रूबी कुमारी ने छात्राओं को अनुशासित जीवन के महत्व के बारे में जानकारी दी और कहा कि कॉलेज जीवन सीखने और आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण समय होता है। विभाग के प्रोफेसर सोनामाई सुंडी ने छात्राओं को बड़े सपने देखने, अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने और प्रतिदिन नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मंच संचालन प्रियंका कुमारी और सुनीता सिंकु ने किया। समारोह में वरिष्ठ छात्राओं ने नवप्रवेशी छात्राओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

अमरदीप गोप हत्याकांड का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। तोरपा थाना क्षेत्र के बिलसिरिंग के पास जंगल में एक जून को बरामद शव, (जिसकी पहचान बाद में डूमरगड़ी निवासी अमरदीप गोप के रूप में हुई थी), उस हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी अर्जुन मुंडा उर्फ अर्जुन उर्फ 'बंबईया' (उम्र 49 वर्ष) को बुधवार को डूमरगड़ी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। तोरपा, बेड़ो, लापुंग और कर्रा थाने में उसके खिलाफ कुल आठ मामले लंबित हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी से हत्या में प्रयुक्त टीवीएस अपाचे बाइक (जेएच 01एफएक्स-5788), आरोपी का आधार कार्ड, पहचान पत्र, चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड तथा मृतक का एटीएम कार्ड बरामद किया है। गुरुवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) क्रिस्टोफर किड़ुर ने अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी।

क्या है पूरा मामला- एसडीपीओ ने बताया कि अमरदीप की चचेरी बहन की शादी आरोपित अर्जुन उर्फ बंबईया से हुई थी। इसी दौरान अमरदीप की सगी बहन से भी बंबईया के अवैध संबंध हो गए और वह दूसरी पत्नी के रूप में उसके घर पर रहने भी लगी। बाद में अमरदीप की बहन ने बंबईया को छोड़कर अलग रहने का निर्णय लिया। बंबईया को शक था कि अमरदीप उसके और उसकी दूसरी पत्नी के बीच बाधा बन रहा है। इसी खुन्नस और संदेह में उसने अमरदीप को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। 31 मई को बंबईया, अमरदीप को बहाने से बिलसिंग के पास जंगल में ले गया।

पशुधन विकास योजना के तहत 1603 में से 779 लाभुकों को दी गई राशि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम। समाहरणालय स्थित प्रकोष्ठ में गुरुवार को उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में गव्य विकास, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

मौके पर उपायुक्त को जानकारी दी गई कि वित्त वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत 1603 लाभुकों को लाभ देने का लक्ष्य तय है। अब तक चयन समिति के माध्यम से 779 लाभुकों को डीबीटी से राशि हस्तांतरित की गई है और 195 यूनिट का वितरण पूरा हुआ है। वहीं वर्ष 2024-25 में 2596 लाभुकों को डीबीटी से राशि दी गई और 2082 यूनिट का वितरण किया गया।

इस दौरान उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप सभी लाभुकों का चयन और उनके एस्क्रो बैंक खातों का समय पर संचालन सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राशि हस्तांतरण में देरी न हो। गव्य प्रक्षेत्र से संचालित योजनाओं पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। विभाग ने बताया कि 2 गाय, 5 गाय और 10 गाय वितरण योजना के अलावा चारा कटिंग मशीन, खोवा मेकिंग मशीन सब्सिडी दर पर लाभुकों को उपलब्ध कराई जा रही है। 2 गाय वितरण योजना में 150 लाभुकों के लक्ष्य के विरुद्ध 134 का चयन किया जा चुका है और लगभग 60 लाभुकों के एस्क्रो खाते खोले गए हैं।

मत्स्य विभाग की समीक्षा में बताया गया कि 498 तालाबों की बंदोबस्ती लक्ष्य के विरुद्ध 435 तालाबों का कार्य पूरा कर लिया गया है। जिले की तीन बंद खदानों में केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन किया जा रहा है और अन्य बंद खदानों का सर्वेक्षण भी जारी है। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

इंडियन ऑयल टर्मिनल में तेल उठाव ठप, हड़ताल पर गए टैंकर चालक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

खूंटी। इंडियन ऑयल टर्मिनल, खूंटी में गुरुवार से तेल का उठाव पूरी तरह ठप हो गया है। खूंटी टैंकर एसोसिएशन के आह्वान पर टैंकर चालक हड़ताल पर चले गए हैं। इसके कारण टर्मिनल के बाहर दर्जनों टैंकर खड़े हैं। टर्मिनल से रोजाना तीन से चार सौ टैंकरों में तेल लोड होकर झारखंड के विभिन्न जिलों में भेजा जाता था, लेकिन हड़ताल से सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

टैंकर एसोसिएशन के अध्यक्ष ग़ुलाम मुस्तफा खान उर्फ टीका खान और उमेश भगत ने टर्मिनल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि टैंकर चालकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। साथ ही चालकों के लिए मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन सैकड़ों टैंकर टर्मिनल में प्रवेश करते हैं, फिर भी यहां शौचालय, पेयजल और पार्किंग जैसी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। पार्किंग स्थल नहीं होने से चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का जोखिम बढ़ जाता है। आराम हेतु रेस्टरूम भी उपलब्ध नहीं है, जबकि इस संबंध में कई बार प्रबंधन से आग्रह किया जा चुका है।

एसोसिएशन का कहना है कि मंगलवार को जब वे अपनी समस्याएँ रखने के लिए टर्मिनल पहुँचे, तो उन्हें रोक दिया गया। उन्होंने अधिकारीके व्यवहार को लेकर नाराज़गी जताई और आरोप लगाया कि ट्रांसपोर्टरों के साथ भी सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता।

पत्रकारों से मिलने से अधिकारी ने किया इनकार-टैंकरों की हड़ताल के संबंध में इंडियन ऑयल टर्मिनल के प्रबंधन से उनका पक्ष लेने के लिए पत्रकार गुरुवार को जब, टर्मिनल गेट पहुंचे, तो उन्हें अन्दर जाने से रोक दिया गया। बताया गया कि खूंटी की अधिकारी मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हैं।

फिलहाल टर्मिनल में तेल उठाव कार्य पूरी तरह बंद है, जिससे राज्य में ईंधन की सप्लाई बाधित होने की संभावना बढ़ गई है।

मौके पर गुलाम मुस्तफा खान उर्फ टीका खान सुरेश यादव जीडी राम उमेश भगत चिराग जैन सादिक अली पंकज यादव दिलीप यादव फैजल रहमान अमरदीप सिंह नरेश कुमार आदि मौजूद थे।

हाथियों के हमले में युवक की मौत, ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ आक्रोश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव थाना क्षेत्र के आसनपाठ पंचायत में जंगली हाथियों के हमले से एक युवक की मौत हो गई। मृतक राजू पूर्ति (24) सादोमसाई गांव का रहने वाला था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। गुरुवार को वह अपने दोस्तों के साथ जोबासाई जंगल में हाथियों का झुंड देखने गया था। इसी दौरान हाथियों को भगाने की कोशिश में मची अफरातफरी में राजू जमीन पर गिर पड़ा, जिसके बाद हाथियों के झुंड ने उसे पटक-पटककर कुचल डाला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की लापरवाही पर कड़ा आक्रोश जताया है। उनका कहना है कि पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड इस क्षेत्र में घूम रहा था, लेकिन विभाग ने किसी तरह की कार्रवाई नहीं की। घटना के बाद से

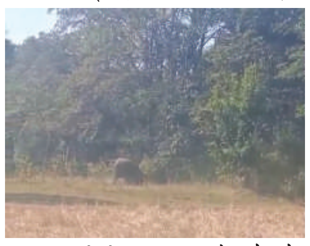

ग्रामीणों में भय का माहौल है और वे खेतों में जाने से भी डर रहे हैं, क्योंकि हाथियों का झुंड अभी भी आसपास मौजूद बताया जा रहा है। वहीं वन विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जा रही है और नियम के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

सोसायटी 15 तक करे लंबित मामलों का निपटारा नहीं तो होगा घेराव : दुबे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने टेल्को कोऑपरेटिव सोसायटी प्रबंधन को 17 मई 2018 से लंबित अनुमोदन-संबंधी मामला सहित कामगारों के हित से जुड़े सभी अधूरे अधिकारों का निपटारा 15 दिसंबर तक करने की चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में लगातार पत्राचार के बावजूद न तो कोई ठोस निर्णय सामने आया है और न ही महीने का वेतन भुगतान समय पर किया गया। इससे कर्मचारियों में गहरा असंतोष है। दुबे ने बातें गुरुवार को टेल्को कोऑपरेटिव सोसायटी के समक्ष आयोजित धरने को संबोधित करते हुए कही।

मौके पर दुबे ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रबंधन यदि तय समय-सीमा तक फाइलों का निपटारा, आदेशों की प्रतिलिपि उपलब्ध कराने और आवेदकों को सूचित करने की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है तो 16 दिसंबर को सोसायटी के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाधान नहीं मिलने की स्थिति में चरणबद्ध आंदोलन और अनिश्चितकालीन घेराव जैसे कठोर कदम भी उठाए जाएंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रबंधन की होगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से 16 दिसंबर को प्रस्तावित आंदोलन में अधिक संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि संयुक्त दबाव ही प्रबंधन को जवाबदेह बनाएगा और वर्षों से लंबित मामलों के समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा।

धरना में सामंतो कुमार, धीरज कुमार सिंह, त्रिनाथ, सुशील घोष, अभिनीत कुमार यादव, सन्नी कुमार सिंह, निखिल तिवारी, रोहन कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और सैकड़ों कामगार शामिल हुए।

ब्राउन शुगर तस्करी के आरोप में छह गिरफ्तार, 60 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पूर्वी सिंहभूम। शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सीतारामडेरा और मानगो क्षेत्र में अलग–अलग जगहों पर छापेमारी कर कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 60 पुड़िया ब्राउन शुगर, नकदी और मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए अधिकांश आरोपित पूर्व से ही आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं और कई बार जेल जा चुके हैं।

गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय-1 भोला प्रसाद ने बताया कि बीती रात करीब 7.40 बजे पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि सीतारामडेरा स्लैग रोड स्थित न्यू सीतारामडेरा पार्क में ब्राउन शुगर का सौदा किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और वहां से बादल बनिया (25) और गौरव राम (25) को मौके से दबोच लिया। तलाशी के दौरान इनके पास से 15 पुड़िया ब्राउन शुगर और नगद राशि बरामद की गई। दोनों पर हत्या, चोरी, लूट, मारपीट और आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। बादल बनिया हाल ही में चर्चित टकलू हत्याकांड में जेल से बाहर आया था।

इसी दौरान मानगो पुल के पास स्वर्णरिखा नदी किनारे भी पुलिस टीम ने अलग से छापेमारी अभियान चलाया। यहां भी अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद–फरोख्त की जा रही थी। वहीं पुलिस ने अन्य चारों आरोपित शिवाजी गोप उर्फ नाडू, सर्जन कुमार उर्फ साजन, अता मोहम्मद और टुनटुन यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इनके कब्जे से 45 पुड़िया ब्राउन शुगर, 6,650 रुपये नगद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार इन चार में से तीन आरोपित पहले भी नशा कारोबार, मारपीट, चोरी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामलों में जेल जा चुके हैं और लगातार अपराध में लिप्त रहे हैं।

राष्ट्रचिंतन से राष्ट्रनिर्माण तक +91 9288 319 159
मुखर राष्ट्रवाद
स्पष्ट, सजग और समर्पित
Mukhar Raashtrawaad : Think Bold. Speak Bold. Rise and Save the Nation

नामों से आगे बढ़कर व्यवस्था में राष्ट्रचेतना का संचार आवश्यक

रायसीना की पहाड़ियों पर चल रहा परिवर्तन किसी इमारत पर नया बोर्ड लगाने की औपचारिकता नहीं, बल्कि भारतीय प्रशासनिक चेतना के पुनर्जागरण का संकेत है। दशकों तक हमारे संस्थानों की भाषा और व्यवहार औपनिवेशिक ढाँचे की याद दिलाते रहे जहाँ शासन सेवा नहीं, दूरी बनाकर रखने का साधन था। आज जब सत्ता के गलियारों में सेवा-तीर्थ और लोक भवन जैसे शब्द गूंजते हैं, तो वे इस मानसिक बोझ को उतारने का साहसिक प्रयास हैं। भाषा केवल सूचना का माध्यम नहीं, राष्ट्र-मन का आकार देने वाली शक्ति है; जब शब्द बदलते हैं, तो सोच भी बदलनी शुरू होती है।

देश के प्रशासनिक ढाँचे में 'कलेक्टर' जैसे पदनाम इस बात की याद दिलाते हैं कि यह व्यवस्था मूलतः प्रजा से वसूली और नियंत्रण के लिए बनाई गई थी। भारतीय चिंतन का स्वरूप इससे बिल्कुल भिन्न रहा है। यहाँ सत्ता का अर्थ संरक्षण, पोषण और जवाबदेही है। इसलिए इन नामों का परिवर्तन केवल प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक स्मृति की वापसी है जिसमें अधिकारी 'माई-बाप' नहीं, समाज के सेवक माने जाते हैं। एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए यह आत्मसम्मान का अधिकार है, विलास नहीं।

फिर भी चुनौती यहीं खत्म नहीं होती। नाम बदलना सिर्फ पहला कदम है; व्यवस्था की आत्मा तभी बदलेगी जब दफ्तरों में बैठी मानसिकता बदलेगी। अगर नई इमारतें पुरानी सोच का आश्रय बनकर रह गईं, तो हर नाम परिवर्तन अधूरा साबित होगा। इसलिए यह जरूरी है कि यह प्रक्रिया सिर्फ तत्कालीन नीतिगत निर्णय न रहकर एक सुनियोजित सांस्कृतिक परियोजना बने। इसके लिए एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता है; जहाँ इतिहासकार, भाषाविद और सांस्कृतिक विशेषज्ञ तय करें कि प्रशासनिक शब्दावली का भारतीयकरण किस प्रकार, किस तर्क और किस ऐतिहासिक संदर्भ में होना चाहिए। यह विषय राजनीति का नहीं, भारत की सभ्यता-बोध का है।

संपूर्ण विश्व में उपनिवेशवादी प्रतीकों की पुनर्व्याख्या का दौर चल रहा है। दक्षिण अफ्रीका अपने मूल निवासियों की पहचान को पुनर्स्थापित कर रहा है, न्यूजीलैंड माओरी परंपरा को सम्मान दे रहा है, और अमेरिका भी अपने आदिवासी इतिहास को वापस जगह दे रहा है। भारत का यह कदम उसी वैश्विक धारा का हिस्सा है, पर हमारे लिए यह केवल इतिहास-सुधार नहीं अपितु राष्ट्र-आत्मा का पुनरुत्थान है। इसे संकीर्णता कहना भारत की अस्मिता की अनदेखी है।

यह भी आवश्यक है कि राज्यों की भाषाई परंपरा इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण आधार बने। विविधता भारत की शक्ति है, कमजोरी नहीं। तमिलनाडु की प्रशासनिक शब्दावली तमिल परंपरा से, महाराष्ट्र की मराठा विरासत से, और पूर्वोत्तर की आदिवासी पहचान से शक्ति पाती है जो भारत को टुकड़ों में नहीं बाँटती, बल्कि उसे अधिक जीवंत और स्वाभिमानी बनाती है।

सबसे बड़ी लड़ाई नामों की नहीं, मानसिकता की है। 'कर्तव्य पथ' तभी सार्थक होगा जब उस पर चलने वाली संवैधानिक मशीनरी स्वयं कर्तव्य को अपना धर्म माने। 'लोक भवन' तभी लोक का भवन बनेगा जब उसमें बैठा तंत्र जनता के प्रति संवेदनशील होगा। यह केवल संरचनात्मक नहीं, नैतिक बदलाव की मांग करता है जहाँ अधिकारी का कद पद से नहीं, जनता की सेवा से मापा जाए।

भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ वह अपनी प्रशासनिक रीढ़ से औपनिवेशिक जंग हटाकर उसे राष्ट्रचेतना की नई धार देना चाहता है। यह समय प्रतीकों को जीवंत मूल्यों में बदलने का है। यदि हम इस भावना को केवल शासन के नारे तक सीमित न रखकर अपने संस्थानों, व्यवहार और निर्णयों में उतार सकें, तो सेवा-तीर्थ केवल नाम नहीं रहेगा। वह भारतीय राज्य के हृदय का स्वर बन जाएगा। यह परिवर्तन इतिहास का बोझ उतारने भर का प्रयास नहीं, बल्कि भविष्य की ओर दृढ़ संकल्प के साथ बढ़ता हुआ स्वतंत्र भारत का आत्मविश्वास है।

इसी अभियान के निहितार्थ, राष्ट्रीय मुख्यधारा दैनिक 'मुखर राष्ट्रवाद' एक स्थाई स्तम्भ आरम्भ कर रहा है। प्रबुद्ध राष्ट्रवादियों से अनुरोध है कि आपके सम्बंधित आलेख, विचार और टिप्पणियां 'मुखर राष्ट्रवाद' में प्रकाशनार्थ भेजें।

मैकाले ने किस तरह ज़हरीली मानसिकता और अमानवीय रवैया दिखाया

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

मैकाले कोई इंडोलॉजिस्ट नहीं था। वह कोई शिक्षाविद् या जाने-माने बुद्धिजीवी नहीं थे। फिर भी, उन्होंने भारत के सामाजिक और शैक्षिक ढांचे को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाया। वह निःस्संदेह आत्महीनता की मानसिकता के सबसे बड़े दोषी थे, जो आज भी हिंदू समुदाय को परेशान करती है। उन्होंने हिंदू दिमाग में अपनी महान साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति नफरत सफलतापूर्वक भर दी। संस्कृत को पुराना बताकर और अंग्रेजी की तारीफ कर मैकाले का मकसद न सिर्फ पहली भाषा को बदलना था बल्कि उसके लिए नफरत के बीज भी बोना था। इससे एक तरह की सांस्कृतिक गुलामी पैदा हुई, जिसमें हिंदू समाज ने पश्चिमी मूल्यों को आँख बंद करके अपना लिया। संस्कृत के बाद में हुए पतन से सांस्कृतिक और बौद्धिक पूंजी का भारी नुकसान हुआ, जिससे भारत का सामाजिक माहौल अपरिवर्तनीय रूप से बदल गया। मैकाले की थोपी गई नीति ने भारत में एक तरह की अंग्रेजी भाषाई और सांस्कृतिक गुलामी को जन्म दिया। गुरुकुल प्रणाली, जो पीढ़ियों से भारतीय शिक्षा की नींव रही थी, धीरे-धीरे हाशिये पर चली गई। संस्कृत, दर्शन, आयुर्वेद और शास्त्रीय कला जैसे पारंपरिक विषयों, जो गुरुकुल पाठ्यक्रम के लिए ज़रूरी थे, उसे नज़रअंदाज़ कर दिया गया। इस नीति के कारण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का धीरे-धीरे पतन हुआ। गुरुकुल प्रणाली न सिर्फ अकादमिक शिक्षा देती थी बल्कि नैतिक आदर्श, सांस्कृतिक परंपराएं और आध्यात्मिक अभ्यास भी सिखाती थी। मैकाले की नीति, जिसने पश्चिमी सिद्धांतों पर ज़ोर दिया, उसने इन तत्वों को खत्म कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षित अभिजात वर्ग में सांस्कृतिक पहचान का नुकसान हुआ। कई स्थानीय शिक्षक और बुद्धिजीवी जो पारंपरिक ज्ञान के संरक्षक थे, उन्हें हटा दिया गया। उनके कौशल और प्रतिभा को कम आंका गया, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक शिक्षकों की स्थिति और संख्या में कमी आई। ध्यान समग्र शिक्षा से हटकर रटने और परीक्षा-उन्मुख पढ़ाई पर चला गया। गुरुकुल प्रणाली का छात्रों के पूर्ण विकास (लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए) पर ज़ोर शिक्षा के एक सीमित, उपयोगितावादी दृष्टिकोण में बदल गया। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा, खासकर उसका अभिजात वर्ग, बहुत ज़्यादा पश्चिमी हो गया। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी में शिक्षित लोगों और पारंपरिक तरीकों का पालन करने वालों के बीच एक सामाजिक-सांस्कृतिक विभाजन पैदा हुआ। यह विभाजन आज भी बना हुआ है, जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। अंग्रेजी पर ज़ोर देने से शैक्षिक और प्रशासनिक संदर्भों में स्वदेशी भाषाओं के उपयोग में गिरावट आई। इससे साहित्य और मौखिक परंपराओं के कई पारंपरिक रूपों का धीरे-धीरे विलुप्त होना शुरू हो गया। लगातार आने वाली पीढ़ियों में पहचान का संकट था, जो पश्चिमी प्रभावों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच बंटी हुई थीं। नतीजतन, बहुत से लोगों में अपनी जड़ों पर गर्व की कमी है और वे पश्चिमी जीवन शैली और आदर्शों को पसंद करते हैं। स्कूल सिस्टम का पश्चिमी तौर-तरीकों के साथ तालमेल होने से पश्चिमी ज्ञान प्रणालियों और तरीकों पर निर्भरता बढ़ गई। इससे क्रिएटिविटी और मौजूदा चिंताओं के लिए स्थानीय समाधानों के विकास में रुकावट आई। अंग्रेजी पढ़े-लिखे एलीट वर्ग को आर्थिक अवसरों तक ज़्यादा पहुंच मिली, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानता और बढ़ गई। जो लोग अंग्रेजी में माहिर नहीं थे, वे नुकसान में थे, जिससे गरीबी और हाशिए पर रहने का सिलसिला जारी रहा। भारतीय आंतरिक, अक्सर आसानी से उपलब्ध संसाधनों, जैसे पारंपरिक ज्ञान, समझ और प्राकृतिक संसाधनों से पूरी तरह अप्रभावित हैं, लेकिन वे बाहरी संसाधनों, जैसे पश्चिमी तरीकों, जानकारी और बाजारों के आदी हो गए हैं। ऐतिहासिक विवि और गुरुकुल संस्थानों का प्रसार एक अनुमान के अनुसार, प्राचीन भारत में एक समय 50 से ज़्यादा विश्वविद्यालय थे। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी विश्वविद्यालय, ओदंतपुरी, मिथिला विश्वविद्यालय, तेलहारा विश्वविद्यालय, शारदापीठ मंदिर विश्वविद्यालय, पुष्पगिरि विश्वविद्यालय, सोमपुरा विश्वविद्यालय और बिक्रमपुर विश्वविद्यालय कुछ जाने-माने संस्थान हैं। तक्षशिला के कुछ जाने-माने पूर्व छात्रों में व्याकरणविद् पाणिनी शामिल हैं, जिन्होंने क्लासिक पुस्तक अष्टाध्यायी लिखी थी और आचार्य चाणक्य, जिन्होंने अर्थशास्त्र की रचना की थी। इस पहले अध्ययन में, डब्ल्यू. एडम्स ने देखा कि 1830 के दशक के दौरान बंगाल और बिहार में लगभग 1,00,000 गाँव में स्कूल थे। मद्रास प्रेसीडेंसी के गवर्नर थॉमस मुनरो ने एडम्स से पहले देखा था कि "हर गाँव में एक स्कूल था।" प्रेंडरगास्ट ने देखा कि "हमारे पूरे क्षेत्रों में शायद ही कोई गाँव हो, बड़ा या छोटा, जिसमें कम से कम एक स्कूल न हो और बड़े गाँवों में ज़्यादा।" 1882 में डॉ. जी.डब्ल्यू. लीटनर के अवलोकन से पता चलता है कि पंजाब में लगभग साल 1850 में शिक्षा इसी स्तर तक फैली हुई थी। थॉमस मुनरो ने इन गुरुकुलों में पढ़ने वाले छात्रों के जातिगत डेटा भी एकत्र किए और उनमें से अधिकांश गैर-ब्राह्मण थे। कुछ इलाकों में, ब्राह्मणों की संख्या केवल 8% थी, जबकि सबसे ज़्यादा संख्या लगभग 37% थी। धर्मपाल की किताब "द ब्यूटीफुल ट्री" में यह सारी जानकारी है। गुरुकुल प्रणाली बच्चे की समग्र शिक्षा सुनिश्चित करती है। गुरुकुल प्रणाली द्वारा पढ़ाए जाने वाले मुख्य विषय इस प्रकार हैं: ये गुरुकुलों में पहले पढ़ाए जाने वाले कुछ ही पाठ्यक्रम हैं। संगीत और मिट्टी के बर्तन बनाने सहित और भी बहुत कुछ है। गुरुकुल प्रणाली के प्राथमिक लाभों में से एक कौशल का विकास है। गुरुकुल प्रणाली का लचीलापन इसे आज की तेज़ी से बदलती परिस्थितियों में एक व्यवहार्य विकल्प बनाता है। मैकाले ने भारतीय समाज को कैसे बर्बाद किया भारत में क्या हुआ? भारतीय शिक्षा के लिए रखे गए एक लाख रुपये की मामूली रकम से भी विदेशी ईसाई मिशनरी नाराज़ हो गए। जी.डी. ट्रेवेलियन के अनुसार "लाइफ ऑफ लॉर्ड मैकाले" (वॉल्यूम 1, पृष्ठ 164) में 1835 में एक नए भारत का जन्म हुआ। अंग्रेजों ने वित्तीय संसाधन कम कर दिए और कई नियम लागू किए, जैसे "पक्की इमारत होनी चाहिए वगैरह।" लेकिन, यह अंत नहीं था। उन्होंने टी.बी. मैकाले को बुलाया ताकि यह तय किया जा सके कि पैसे का इस्तेमाल कैसे किया जाए, शिक्षा का माध्यम क्या होना चाहिए और भारतीयों को शिक्षित करने का तरीका क्या होना चाहिए। मैकाले के शिक्षा संबंधी मिनट्स, जिसमें यह अनिवार्य किया गया था कि भारत पश्चिमी भाषा, अंग्रेजी के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करे, उसने वह कर दिखाया जो सिकंदर और पश्चिमी मिशनरी नहीं कर पाए थे।" जिससे प्राचीन सभ्यता की मूलभूत नींव हिलने लगी। मैकाले ने कुछ और भी ज़्यादा नुकसानदायक किया जिसे ज़्यादा लोग नहीं समझते। उसने भारतीयों को पढ़ाने के लिए "डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन मेथड" का इस्तेमाल किया। यह तकनीक क्या है? मैकाले की समस्या यह थी कि भारतीय बहुत ज़्यादा थे और अंग्रेज बहुत कम। वे भारतीयों को कैसे पढ़ाने वाले थे? इस देश को इस हद तक कैसे कमज़ोर किया जा सकता था कि वह अनजाने में ब्रिटिश राज का समर्थन करे? कहानी यह है कि एक बार जब वह ऊटी में अपने महल में थे, तो उन्होंने देखा कि एक भारतीय अधिकारी उनके घर के पास उनके ऑफिस के बाहर बैठे एक चपरासी के पैर छू रहा था और वह ज़ाहिर तौर पर हैरान रह गए। एक अधिकारी एक चपरासी के पैर क्यों छू रहा था? "आप नहीं जानते, यह भारतीय समाज एक अजीब समाज है। यहां ब्राह्मणों का सम्मान किया जाता है और चपरासी उसी जाति का है।"इसके बाद, मैकाले ने कुछ बदलाव किए जिन्हें पब्लिकेशन में अच्छी तरह से रिकॉर्ड और वेरिफाई किया गया है। हालांकि इसे बहुत बाद में डेवलप किया गया था लेकिन डाउनवर्ड फिल्ट्रेशन अप्रोच के तहत स्कूलों में ऊंची जाति को फायदा दिया गया। उन्होंने कहा, "लेकिन हमारे सीमित साधनों से सभी को अंग्रेजी में पढ़ाना हमारे लिए नामुमकिन है।" फिलहाल, हमें ऐसे लोगों का एक वर्ग बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए जो बुद्धि, नैतिकता, पसंद और विचारों में अंग्रेजी हों, लेकिन खून और रंग में भारतीय हों। हमें यह तय करने के लिए कि वह अपने मकसद में कितना सफल हुआ, बस तब से भारत में पढ़े-लिखे वर्गों के इतिहास की जांच करने की ज़रूरत है।

मैकाले की अमानवीय सोच912 अक्टूबर, 1836 को लिखे एक पत्र में, मैकाले ने अपने पिता को लिखा: "हमारे इंग्लिश स्कूल बहुत अच्छी तरह से फल-फूल रहे हैं; हमें सभी को शिक्षा देना मुश्किल हो रहा है।" इस शिक्षा का हिंदुओं पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। जिस भी हिंदू ने इंग्लिश शिक्षा प्राप्त की है, वह कभी भी अपने धर्म के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध नहीं रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि अगर हमारी शैक्षिक योजनाएँ पूरी हो गईं, तो 30 सालों में सम्मानित वर्गों में कोई मूर्तिपूजक नहीं रहेगा।

भारत–रूस संबंध और बदलता वैश्विक समीकरण

डॉ. प्रियंका सौरभ

रूस के साथ भारत के संबंध दशकों से सामरिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और राजनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर टिका रहा है। शीतयुद्ध के दौर से लेकर वर्तमान तक रूस उन कुछ देशों में रहा, जिसने कठिन समय में भी भारत के हितों का समर्थन किया। परंतु साल 2022 में शुरू हुए रूस–यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाज़ार, वित्तीय ढांचे और सामरिक गठबंधनों को जिस तरह बदल दिया है, उसने भारत–रूस संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था और उसकी रक्षा-उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है, बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के लिए भी अभूतपूर्व कूटनीतिक चुनौतियाँ पैदा की हैं। एक ओर अमेरिका, यूरोप और इंडो-पैसिफिक साझेदार भारत से पश्चिमी मानदंडों का पालन करने की उम्मीद करते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत रूस से ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय संतुलन की ज़रूरतों को अनदेखा नहीं कर सकता। इस दोराहे पर भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है कि कैसे रूस के साथ संबंधों को बनाए रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता को मजबूती से स्थापित किया जाए। आज की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि रूस धीरे-धीरे चीन के करीब जाता दिख रहा है और यह समीकरण भारत के हितों की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल नहीं कहा जा सकता। चीन के साथ रूस का बढ़ता आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सहयोग उस क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत अपनी सुरक्षा रणनीति का निर्माण करता है। भारत जानता है कि चीन की मंशा केवल एशिया प्रभुत्व तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने की है। ऐसे में रूस–चीन निकटता भारत की सामरिक गणना को कठिन बनाती है। पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी रक्षा उद्योग पर जो दबाव बढ़ा है, उसने भारत को कई सैन्य परियोजनाओं की समय-सीमा को लेकर चिंतित कर दिया है। कुछ हथियार प्रणालियों और मिसाइल डिलीवरी में देरी भी इसे दर्शाती है। यह स्थिति भारत को मजबूर करती है कि वह दीर्घकालिक रूप से अपने रक्षा स्रोतों को विविध बनाए और घरेलू उत्पादन पर अधिक ध्यान दे। इसी बीच व्यापारिक असंतुलन भी भारत–रूस संबंधों का एक गंभीर पहलू बनकर उभरा है। कच्चे तेल के आयात में भारी वृद्धि ने रूस के साथ भारत के व्यापार को एकतरफा बना दिया है। रूस को भारत से निर्यात बेहद कम है और भुगतान प्रणाली भी स्पष्ट ढंग से स्थिर नहीं हो पाई है। रुपया–रूबल व्यापार व्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियमों के कारण अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। इससे दोनों देशों के व्यापारिक ढांचों में अनिश्चितता और जोखिम बढ़ा है। दूसरी ओर पश्चिमी देश भी चाहते हैं कि भारत रूस को समर्थन कम करे और यूक्रेन मुद्दे पर एक "नैतिक" रुख अपनाए। लेकिन भारत की विदेश नीति का आधार साझा नैतिकता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कई बार मतदान से दूरी बनाकर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं करेगा। भारत का यह संतुलित रुख उसकी सामरिक स्वायत्तता का प्रतीक है। परन्तु पश्चिमी देशों में इसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। कुछ इसे भारत की 'प्रैगमैटिक डिप्लोमेसी' कहते हैं, तो कुछ इसे रूस के प्रति 'अतिरिक्त सहानुभूति' की तरह देखते हैं। भारत को इन दबावों के बीच अपनी विदेश नीति को चतुराई से साधना होगा। भारत के सामने एक चुनौती यह भी है कि रूस और अमेरिका दोनों उसके महत्वपूर्ण साझेदार हैं। अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा तकनीकी और आर्थिक भागीदार है, साथ ही क्वाड के माध्यम से एशिया–प्रशांत सुरक्षा ढांचे का अभिन्न हिस्सा भी। वहीं रूस पारंपरिक सहयोगी है और दशकों से भारत के रक्षा ढांचे का मुख्य स्तंभ बना हुआ है। इन दोनों स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखना भारत की कूटनीति के लिए अत्यंत जटिल किंतु आवश्यक कार्य है। भारत को यह दिखाना होगा कि दोनों साझेदारियों में विरोधाभास नहीं बल्कि परस्पर पूरक लाभ हैं। भारत इस मुश्किल संतुलन को बनाए रखने के लिए कई कूटनीतिक रणनीतियाँ अपना सकता है। सबसे पहले, उसे रक्षा आयात पर निर्भरता कम करके "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" को तेज़ी से आगे ले जाने की नीति अपनानी होगी। रूस के साथ संयुक्त उत्पादन और तकनीकी सहयोग को भारतीय भूमि पर बढ़ाया जा सकता है, जिससे सीधे आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रतिबंधों का प्रभाव न्यूनतम होगा। इसके साथ ही भारत को यूरोप, अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल जैसे देशों के साथ नई रक्षा साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आपके द्वारा की जाने वाली मेहनत का फल जल्दी ही आपको मिलेगा। आज आप अपने कार्यों पर ध्यान देंगे और सकारात्मक रहेंगे। आज दूसरों पर ज्यादा निर्भर रहने से बचेंगे तो अपने काम में बढ़िया परफॉर्म करेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज जीवन बहुत सहज और आसान लगेगा। दूसरों से आगे जाने की इच्छा आपके आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि करेगी। बच्चों के किसी काम से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। नया बिजनेस शुरू करना या बढ़ाना चाह रहे हैं, तो आज उससे संबंधित शुरुआत करना बहुत ही अनुकूल रहेगा। प्रॉपर्टी के बिजनेस के लिए लाभदायक स्थिति बनी हुई है। आज आपको ऑफिशियल कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिस्थितियों को देखने का नजरिया बदलने की जरूरत है। समस्याओं को सकारात्मकता के साथ हल करेंगे तो बेहतर रहेगा। आपके अंदर आ रहे सकारात्मक बदलाव से परिवार के लोग प्रसन्न होंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में मधुरता और आपसी सामंजस्य उचित बना रहेगा। युवा वर्ग व्यर्थ के कामों में अपना समय नष्ट न करें। कुछ समय अपने स्वास्थ्य और मनोबल को बेहतर बनाने में भी व्यतीत करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज जीवनसाथी व परिवारजनों का सहयोग आपके आत्म बल व आत्मविश्वास को बनाकर रखेगा। आज बेवजह की उलझनों से दूर होकर अपने काम पर ध्यान दे पाएंगे। आज आप कुछ समय मेडिटेशन और आराम के लिए जरूर निकालें।

तुला राशिः आज आपकी आर्थिक समस्या हल होने वाली है। कहीं रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है। आत्म चिंतन करने से आपके दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। रिश्तेदार से चल रही अनबन किसी की मध्यस्थता से हल होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यों पर आपका ध्यान केंद्रित रहेगा। अपने लक्ष्य के प्रति पूर्ण रूप से एकाग्र चित्त रहें, तो आपको सफलता प्राप्त होगी। युवाओं को किसी अनुभवी और प्रतिष्ठित व्यक्ति का आशीर्वाद और मार्गदर्शन मिलेगा।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थी और युवा अपनी सफलता को लेकर मन में किसी भी तरह का संशय न रखें। नया निवेश करने से पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। घर के बड़े बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज दूसरों से ज्यादा उम्मीदें करने की बजाय अपनी कार्य क्षमता व योग्यता पर ही विश्वास रखें। युवा वर्ग भावनाओं में आकर किसी प्रकार का निर्णय न लें।

कुम्भ राशिः आज नौकरी और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। आज आप उस कार्य को पूरा करने में सफल होंगे, जिसके लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस करना होगा, तभी सफलता मिलेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। किसी करीबी की सलाह आपके लिए फायदेमंद होगी। ये समय आपके लिए आगे बढ़ने का है, सही दिशा में प्रयास करेंगे तो जरूर सफलता मिलेगी। आज सामाजिक कार्यों में रुचि बनी रहेगी।

सनातन-सांस्कृतिक मूल्यों को गति देते मोहन यादव

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पद की शपथ लेने के बाद से ही सनातन-सांस्कृतिक मूल्यों को निरंतर गति दे रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार की कोई निंदा-आलोचना किए बिना, उनके द्वारा खींची गई लकीर को बड़ा करने का काम किया है। इस परिप्रेक्ष्य में हिंदुत्व की वैचारिकता को आगे बढ़ाने के साथ महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार, नगरीय विकास से लेकर ग्रामीण विकास और सुशासन को सशक्त बनाने के बाबत उनकी प्राथमिकताएं देखने में आई हैं। हिंदुत्व और सनातन संस्कृति उनके अजेंडे के प्रमुख आधार रहे हैं। अतएव उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों के कायाकल्प के साथ राम वन गमन और कृष्ण पाथेय परियोजना को जमीन पर उतारने का संकल्प लिया है। अब भगवान श्री कृष्ण से जुड़े मध्यप्रदेश के स्थलों को एक नवीन पहचान दी जाएगी। प्रदेश में बड़ा पूंजी निवेश कराकर उद्योगों की स्थापना हेतु कई इंवेस्टर मीट कराए गए हैं। इससे नए रोजगार व तकनीकी विकास के रास्ते जल्दी ही खुलेंगे। चीता पालन परियोजना श्योपुर के कूनो और मंदसौर के गांधी सागर में उन्हीं के कार्यकाल में भलीभूत हुई है। अब इसका विस्तार सागर जिले के वीरांगना दुर्गावती बाघ आरक्षित क्षेत्र में भी होगा। मोहन यादव मंत्रिमंडल की पहली बार बैठक बुंदेलखंड के खजुराहो में संपन्न हुई है। इसके दूरगामी परिणाम निकलने की उम्मीद की जा रही हैं। अतएव इस अंचल में पर्यटन और औद्योगिक विकास के नए रास्ते जल्द खुलेंगे। प्रदेश में धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के संगम की त्रिवेणी बह रही है। दुनिया के सामने 'श्री कृष्ण पाथेय' योजना के अंतर्गत सांदीपनि आश्रम उज्जैन, पीवड़िया-खातेगांव देवास, एरण सागर, चंदेरी, अशोकनगर जामगढ़ रायसेन, सागर, जनापाव इंदौर और अमझेरा धार सहित आठ जिलों में उन पुरातन स्थलों को धार्मिक पहचान दी जाएगी, जो भगवान कृश्ण से जुड़े रहे हैं। इन स्थलों पर कृश्ण के श्रीचरण विद्यार्जन, यात्रा के समय विश्राम और विवाह के लिए रुक्मणी हरण से जुड़े हैं। इन यात्राओं में कृश्ण के साथ उनके बड़े भाई बलराम अर्थात बलदाऊ भी साथ रहे हैं। कृश्ण और बलराम ने एक साथ उज्जैन के सांदीपनि आश्रम के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की थी। दोनों भ्राताओं में यहां 64 कलाएं और 14 विद्याएं गुरु सांदीपनि से प्राप्त की थीं। मित्र सुदामा भी उनके साथ रहे थे। भागवत पुराण के अनुसार गुरु सांदीपनि के पास जितनी भी शिक्षाएं थीं, सब सिखा दी थीं। शिक्षा प्राप्ति के बाद कृष्ण ने गुरु से गुरु दक्षिणा लेने को कहा, लेकिन उन्होंने कुछ भी लेने से मना कर दिया। तब कृष्ण और बलराम गुरु माता के पास पहुंचे। उन्होंने रोते-रोते अपने पुत्र के अपहरण की कहानी कह दी। पुत्र का अपहरण समुद्र के किनारे से हुआ था। कृष्ण और बलराम समुद्र किनारे पहुंचे और उन्होंने समुद्र का आवाहन किया। समुद्र ने सामने आकर बताया कि पंचजन्य नाम के असुर ने गुरु सांदीपनि के पुत्र का अपहरण किया है। कृष्ण ने अंततः पंचजन्य राक्षस को खोज लिया और उसको दंडित करते हुए गुरु पुत्र को वापस मांगा। पंचजन्य ने जब कृष्ण के पुरुषार्थ और उनकी दैवीय शक्तियों को जाना तो तुरंत गुरु पुत्र को लौटा दिया। कृष्ण और बलराम ने इस पुत्र को उज्जैन जाकर गुरु माता को दक्षिणा के रूप में सौंप दिया। इस यात्रा के दौरान कृष्ण और बलराम धार जिले के अमझेरा होते हुए समुद्र तक पहुंचे थे। कृष्ण को जब विवाह प्रस्ताव के रूप में रुक्मणी का पत्र मिला तो वह द्वारका से नारायण, पीवाड़िया-खातेगांव एरन, चंदेरी होते हुए विदर्भ की राजधानी कुंडनपुर पहुंचे थे। रुक्मणी स्वयंवर यहीं चल रहा था। इसी स्वयंवर स्थल से कृश्ण ने रुक्मणी का हरण किया था। अब उन्हीं स्थलों को एक न्यास बनाकर संवारा जाएगा। इन स्थलों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना है। इस योजना को क्रियान्वित करने से पहले स्थलों का शोधवृत्ति के जरिए शोध कराया जाएगा। विक्रमादित्य शोधपीठ इसे क्रियांन्वित करेगी। मोहन यादव गीता और गो-माता की महिमा को बढ़ाने का काम भी प्राथमिकता से कर रहे हैं। गीता और गो-माता हमारी सनातन संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं। गाय की महिमा का गान ऋग्वैदिक युग से ही हो गया था। वैदिक ऋषियों ने जान लिया था कि गाय एक ऐसा पशुधन हैं, जो दूध और दूध से बनने वाले दही, मट्ठा, घी, मक्खन तो देती ही है, खेती के लिए बैल भी देती है। अतएव ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था हेतु गाय के संरक्षण का उपाय करते हुए, उसे गौ माता का दर्जा ऋषियों ने दिया। अक्सर हमारे राजनेता या प्रदेश प्रमुख हिंदु एवं मुस्लिम संप्रदायों से जुड़े मंदिर एवं मस्जिदों के अतिक्रमण हटाने से भयभीत दिखाई देते हैं। इनके पीछे उनकी स्वयं की धार्मिक भावना एवं आस्था तो होती ही है, कहीं सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ न जाए, इसका डर भी मन में रहता है। अतएव ज्यादातर मुख्यमंत्री ऐसे अतिक्रमणों को हटाने से बचते हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने अनेक धार्मिक स्थलों एवं भू-माफियाओं के अतिक्रमण हटाकर एक मिसाल पेश की है। अब ऐसा ही उदाहरण मोहन यादव ने उज्जैन में पेश कर दिया है। उन्होंने उज्जैन के केडी मार्ग चौड़ीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करने में दृढ निर्णय के साथ सभी धर्मावलंबियों और षासन के बीच सामंजस्य बिठाकर इन अतिक्रमणों को हटाने का अनूठा उदाहरण पेश किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव पूरी तरह धार्मिक हैं लेकिन उनमें धर्मजन्य मिथकीय जड़ता नहीं है। जब वे मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने इस पद पर आसीन होने के बाद पहली बार उज्जैन में रात बिताने का निश्चय किया था।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो 827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013, झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusspesh'*; प्रबंध संपादक: राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफ: राजीव रंजन। बिहार प्रभारी: संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com

*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। • यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त मत, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

घर लौटते वक्त मुखिया पति को मारी गोली

इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में बुधवार की शाम मुखिया पति को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र के चेरो गांव का है। गोली चेरो पंचायत के मुखिया पति दीनानाथ प्रसाद के जांघ में लगी है। परिजन जख्मी दीनानाथ प्रसाद को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल लेकर आए। फिलहाल इस मामले में परिजन कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। इस कारण वारदात के कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। जांघ में गोली लगने के बाद दीनानाथ प्रसाद को सरमेरा पीएचसी परिजन के द्वारा ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर के द्वारा बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल बिहार शरीफ से भी डॉक्टर के द्वारा हायर सेंटर मुखिया पति को रेफर कर दिया गया है। सदर डीएसपी वन नुरुल हक ने बताया कि पुलिस को यह सूचना प्राप्त हुई की चेरो पंचायत के मुखिया पति के पैर में गोली लगी है। सूचना मिलने के बाद थाना अध्यक्ष को चेरो गांव भेजा गया। जहां कुछ पता नहीं चल सका। थोड़े समय बाद मालूम चला कि सदर अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के द्वारा इलाज किया जा रहा था। जहां मालूम चला कि उनकी जांघ में जख्म है। जब वह घर लौट रहे थे। तभी गांव में ही खटाल के पास गोली चलने और उनके पैर में गोली लगने का एहसास हुआ। उनके साथ मौजूद उनके कुत्ते ने हमला भी किया। फिलहाल पूछताछ जारी और घटनास्थल पर सरमेरा थाना अध्यक्ष के द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। जांच के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा।

सड़क हादसे में साइकिल सवार अधेड़ की मौत

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम; मजदूरी करने निकला था

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में गुरुवार की सुबह अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गई। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र के यमुनापुर गांव के पास की है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बिहार शरीफ पटना मुख्य मार्ग पर शव को रखकर जाम कर दिया। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के सिरसिया बीघा गांव के रहने वाले स्वर्गीय नगन यादव के बेटे (45) दिलीप यादव के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि साइकिल पर सवार होकर दिलीप यादव मजदूरी करने के लिए घर से बिहार शरीफ जा रहे थे। तभी बिहार शरीफ-पटना मुख्य मार्ग के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत यमुनापुर गांव के पास अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिसके कारण घटनास्थल पर ही दिलीप यादव की मौत हो गई। घर से करीब 7 किलोमीटर दूर घटना हुई है। करीब 1 घंटे तक सड़क जाम की स्थिति बनी रही। जिसके कारण सड़क के दोनों छोर पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। इधर हादसे की सूचना मिलने के बाद जब परिजन घटनास्थल पर पहुंचे तो शव को देख चीख पुकार मच गई। सड़क हादसे में मौत और जाम की सूचना मिलने के बाद नूरसराय के प्रखंड विकास पदाधिकारी जियाउल हक, अंचलाधिकारी दीपक कुमार, नूरसराय थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार, एसआई रमेश पासवान दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क जाम कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर मामले को शांत कराया। परिजनों को पारिवारिक लाभ के तहत 20 हजार की आर्थिक मदद दी गई। जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दी। थाना अध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान में पुलिस जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एसटीईटी अभ्यर्थियों का बिहार बोर्ड ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

रिवाइज्ड आंसर की और नोटिफिकेशन की मांग कर रहे, गेट के बाहर लगा रहे नारे

पटना, एजेंसी। बिहार में एसटीईटी अभ्यर्थियों ने आज बिहार बोर्ड ऑफिस का घेराव किया है। 20-25 कैंडिडेट्स बोर्ड ऑफिस गेट के बाहर नारे लगा रहे हैं। उनका कहना है कि रिवाइज्ड आंसर की तत्काल जारी हो और नोटिफिकेशन की तुरंत घोषणा की जाए। गेट के बाहर सभी कैंडिडेट्स हमारी मांगें पूरी करो के नारे लगा रहे हैं। **आंसर की में त्रुटियों का आरोप, अभ्यर्थियों में बढ़ी नाराजगी-** अभ्यर्थियों का कहना है कि बिहार बोर्ड द्वारा जारी उत्तर कुंजी (आंसर की) में कई गलतियां हैं, जिसके कारण हजारों परीक्षार्थियों के अंक प्रभावित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि कई सवालों के उत्तर गलत दिए गए हैं। अभ्यर्थियों ने पहले भी आंसर की पर आपत्ति दर्ज कराई थी और विरोध प्रदर्शन किया था, लेकिन अब तक रिवाइज्ड आंसर की जारी नहीं की गई है। उनका कहना है कि बोर्ड ने आपत्तियों पर अभ्यर्थियों की बात नहीं सुनी। सत्यापन प्रक्रिया में देरी से नियुक्ति प्रक्रिया अटक गई है। **बड़े स्तर पर धरने की तैयारी-** प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने बताया कि आज का विरोध पहले के मुकाबले ज्यादा बड़ा होगा। विभिन्न जिलों से अभ्यर्थी पटना पहुंच रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक रिवाइज्ड आंसर की जारी नहीं की जाती और नोटिफिकेशन की स्पष्ट टाइमलाइन नहीं दी जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

बिहार के रेलवे स्टेशनों पर बहाल होंगे टिकट बुकिंग एजेंट

पटना, एजेंसी। सोनपुर रेल मंडल को 24 से अधिक रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग एजेंटों की जरूरत है। इसके लिए रेल मंडल की ओर से बहाली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दसवीं पास युवा ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। पास करने वालों को निर्धारित कमीशन पर टिकट जारी करने की सुविधा दी जाएगी। सोनपुर रेल मंडल की ओर से बताया गया कि गरौल, हाजीपुर, महनार रोड, खगड़िया, सेमापुर, सोनपुर, बेगूसराय, मानसी, नवगछिया, महेशखूंट, कढ़ागोला रोड, कुर्सेला, नारायणपुर, लाखो, तेघड़ा, भगवानपुर, अक्षयवट राय नगर, उजियारपुर, दलसिंहसराय, विद्यापतिनगर, शाहपुर पटोरी, मोहिउद्दीननगर, देसरी, बछवाड़ा, दिघवारा समेत कुछ स्टेशन पर टिकट बुकिंग एजेंटों की नियुक्ति की जाएगी। रेल मंडल की ओर बताया गया कि इस बहाली से लोकल युवाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही टिकट वितरण प्रणाली और अधिक व्यवस्थित एवं तेज होगी। स्टेशनों पर यात्रियों को टिकट खरीदने में अतिरिक्त सहूलियत मिलेगी। चयन प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी तरीके से संपन्न की जाएगी तथा योग्य उम्मीदवारों को ही मौका दिया जाएगा। स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट की बहाली तीन साल के लिए होगी। उम्मीदवारों के लिए 31 दिसंबर तक अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उम्मीदवार के नाम से बनाया गया डिमांड ड्राफ्ट अनिवार्य है। आवेदक अपना फॉर्म डाक, कूरियर या हाथों-हाथ कार्यालय में जमा कर सकते हैं। "क्या-क्या अनिवार्य है शैक्षणिक योग्यता- मैट्रिक पास जरूरी कागजात- चरित्र प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र समेत सभी आवश्यक दस्तावेज कागजात न्यूनतम आयु- 18 वर्ष"।

22 महिलाओं का ऑपरेशन, ठंड में फर्श पर सुलाया गया

खुले बरामदे में सोईं, न कंबल-न मच्छरदानी, परिजन बोले-सरकार की हकीकत देखिए

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। बुधवार को फैमिली प्लानिंग ऑपरेशन के बाद 22 महिलाओं को अस्पताल में फर्श पर ही लिटा दिया गया। बुधवार रात दरभंगा का तापमान 10 डिग्री से नीचे था। ऑपरेशन के बाद न बेड मिला, न कंबल। अस्पताल की तरफ से मरीजों के लिए कड़ाके की ठंड में खुले बरामदे में फर्श पर सिर्फ गद्दे की व्यवस्था थी। मामला सदर पीएचसी का है। परिजन बताते हैं कि ऑपरेशन के बाद महिलाओं को विशेष देखभाल, साफ वार्ड, गर्माहट और मच्छरदानी जैसी अनिवार्य सुविधाओं की जरूरत होती है। लेकिन अस्पताल में न तो वार्ड उपलब्ध था और न जरूरी इंतजाम। चाय-पानी जैसी साधारण सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई गई। कई महिलाएं रातभर ठंड और दर्द से कराहती रहीं और परिजन असहाय होकर यह सब देखते रहे।

सरकार कुछ नहीं करती है सिर्फ बोलती है- परिजन मीना देवी ने बताया कि, कंबल, मच्छरदानी भी नहीं मिली। अब किसको क्या बोलेंगे। जैसे रहना है रहेंगे। इन्फेक्शन होगा तो क्या करेंगे। अब सरकार जानें, क्या करना है। वहीं परिजन पूनम देवी ने कहा कि, सरकार कहती है कि सब कुछ दिया है, अब आप ही देख लीजिए। क्या खुले आसमान में ओस में मरीज को रखेंगे। मोदी सरकार कहती है कि ये करते हैं, वो करते हैं, आप लोग ही हाल देख लीजिए। क्या कुछ हो रहा है। सिर्फ बाहर-बाहर ही काम करते हैं। दरभंगा के लिए कुछ नहीं करते हैं। कहते हैं बिल्डिंग बना दिए हैं, कुछ नहीं होता है। बाहर से 1300 रुपए का दवा लेना होगा। यहां सिर्फ 2 दिन का ही मिलेगा।

ऑपरेशन के बाद कचरे के पास सुला दिया- ललिता देवी ने कहा कि बेटी के साथ आई हूं, उसका ऑपरेशन हुआ है। ऑपरेशन के बाद कोई सुविधा नहीं मिला है। पास में ही कचरा फैला है, वहीं पर सोने दे दिया है। सब सामान घर से लाई हूं। ठंड लग रहा है। मच्छर काट रहे हैं। बदबू के बीच सोने के लिए सब मजबूर हैं।

प्रभारी बोले- ज्यादा तंग कीजिएगा तो ऑपरेशन बंद करना पड़ेगा- पीएचसी प्रभारी डॉक्टर उमाशंकर प्रसाद ने इंस्पेक्शन फैलने के सवाल पर डॉक्टरों की टीम निगरानी रख रही है, लेकिन वहां कोई महिला चिकित्सक मौजूद नही थीं। मरीजों को फर्श पर लिटाने के सवाल पर भड़क गए। तो कहा कि तंग कीजिएगा तो ऑपरेशन बंद करना पड़ेगा। वहीं, ड्यूटी पर तैनात डॉ. दीपक कुमार ने बताया, 'कुल 22 महिलाओं का ऑपरेशन किया गया। जगह की कमी के कारण सभी को बेड उपलब्ध नहीं हो पाया। मरीजों को गद्दे उपलब्ध कराए गए। ठंड के मौसम में ऑपरेशन की संख्या बढ़ जाती है, जिससे केंद्र कंजस्टेड हो जाता है। अगर बेड उपलब्ध होते, तो बेहतर सुविधा दी जा सकती थी। फिलहाल उपलब्ध संसाधनों में ही मरीजों को रखकर देखभाल की जा रही है।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बेड की कमी बड़ी समस्या है, लेकिन किसी बड़ी गड़बड़ी से इनकार किया। साथ ही तत्काल सुधार के आश्वासन भी दिए।

मामले की जांच की मांग- स्थानीय लोगों में भी इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि अगर सरकार परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफल बनाना चाहती है, तो महिलाओं को सम्मानजनक माहौल और बुनियादी सुविधाएं देना आवश्यक है।????? स्वास्थ्य विभाग से इस मामले में उच्चस्तरीय जांच, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और अस्पताल में तत्काल बुनियादी सुविधाओं में सुधार की मांग की है।

युवक की पोल से बांधकर पिटाई, भीड़ ने बाइक भी तोड़ी

पटना, एजेंसी। पटना के अगवानपुर गांव में दबंगों की गुंडागर्दी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कुछ असामाजिक तत्वों ने आकाश कुमार नामक युवक को पकड़कर न सिर्फ बिजली के खंभे से बांध दिया, बल्कि उसकी बेरहमी से पिटाई भी की। भीड़ ने युवक की बाइक को भी तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित आकाश कुमार ने बताया कि वह स्टेशन से नाश्ता कर घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव में पहले से मौजूद 10-20 युवक उसे जबरन खींचकर ले गए और खंभे से बांध दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसे घसीटकर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी आकाश के साथ मारपीट की घटना हो चुकी है।

ग्रामीणों और हमलावरों का आरोप था कि आकाश ने गांव में गोली चलाई थी, इसी शक में उसे पकड़कर पीटा गया। लेकिन पुलिस ने जांच के बाद इस दावे को खारिज कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और भीड़ के चंगुल से युवक को मुक्त कर उसे इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि घटनास्थल से फायरिंग का कोई सबूत या खोखा नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कानून हाथ में लेने वालों की पहचान की जा रही है।

छह विधायकों वाली कांग्रेस नहीं चुन पाई नेता, अब आलाकमान लेंगे फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव में हारकर महज छह विधायक पर सिमटी कांग्रेस की चुनौतियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। 18वीं विधानसभा का पहला सत्र बीत जाने के बावजूद पार्टी अपना विधायक दल का नेता भी नहीं चुन पाई है। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक सरकार को घेर नहीं पाए। चुनाव में करारी हार के कारण ऐसे चेहरे की कमी हो गई है, जिसे सभी विधायक अपना समर्थन दे सके। पिछली बार विधायक दल के नेता रहे शकील अहमद खान इस बार चुनाव हार चुके हैं। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम चुनाव हार चुके है। इनके खिलाफ पहले से ही पार्टी के नेताओं ने मोर्चा खोल रखा है।

छह में से तीन पहली बार विधायक बने- इधर, छह में तीन विधायक (वाल्मीकिनगर से सुरेंद्र प्रसाद, चनपटिया से अभिषेक रंजन और फारबिसगंज से मनोज विश्वास) पहली बार चुनाव जीते बने हैं। इनके पास विधायी प्रक्रिया के अनुभव की कमी है। बाकी बचे किशनगंज के विधायक कमरुल होदा अनुभवी नेता तो हैं लेकिन, यह एआईएमआईएम से आए हैं। इस कारण इन्हें विधायक दल नेता बनाने में कांग्रेस को काफी विचार करना पड़ रहा है। वहीं अबिदुर्र रहमान तीसरी बार विधायक बने हैं। इनके पास भी काफी अनुभव है लेकिन स्वास्थ्य कारणों से विधायी प्रक्रिया में सक्रिय होने में उनके साथ समस्या है। सबसे अनुभवी और पूर्व आईपीएस मनोहर प्रसाद सिंह चौथी बार विधानसभा पहुंचे हैं। लेकिन यह आदिवासी समुदाय से आते हैं, समीकरण में पूरी तरह फिट नहीं बैठ पा रहे हैं। इसलिए पार्टी के कुछ अधिकारी इन्हें विधायक दल का नेता बनाने के पक्ष में नहीं है।

दिल्ली भेजी गई विधायक दल के नेता की फाइल- एक दिसंबर को पटना पहुंचे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने विधायकों के साथ बैठक भी की थी। प्रदेश अध्यक्ष समेत कई लोग शामिल भी हुए थे लेकिन वरिष्ठ नेता मिलकर भी विधायक दल का नेता नहीं चुन पाए। अब बात सामने आ रही है कि बिहार प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष ने विधायकों को आलाकमान के पास विधायक दल के नेता की फाइल भेजने की सलाह दी है। विधायकों ने आपस में बात कर फाइल दिल्ली भेज दी है। अब राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से इस पर फैसला लिया जाएगा। इसके बाद बिहार कांग्रेस इसकी घोषणा कर पाएगी।

पटना में हॉस्पिटल से 10 मिनट में बच्ची चोरी, 12 घंटे बाद मिली

चॉकलेट का लालच देकर ले गया युवक, महिला गार्ड ने दिया साथ

बिहटा, पटना, एजेंसी। बिहटा के ईएसआईसी अस्पताल से एक पांच साल की बच्ची चोरी हो गई। घटना बुधवार सुबह की है, बच्ची की मां अस्पताल में भर्ती है। वो मां-पिता के साथ आई थी। उसके पिता बच्ची को मां के बेड के पास छोड़कर 10 मिनट के लिए टेस्ट के लिए बाहर गए थे, लौटे तो बेटी गायब थी। काफी खोजबीन की, नहीं मिली। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने अस्पताल के वार्ड से लेकर मेन गेट तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तो मासूम एक युवक के साथ जाती दिखी।

सीसीटीवी में दिख रहे युवक ने गमछे से चेहरा ढंक रखा था। उसे महिला गार्ड निशा भारती के साथ देखा गया। पुलिस ने जब निशा भारती से सख्ती से पूछताछ की तो पूरा मामला खुला और बच्ची को 12 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया गया।

बच्ची की पहचान घनेश्वरी कुमारी (5) के रूप में हुई है, जो बिक्रम थाना क्षेत्र के मनेर तेलपा गांव निवासी अजय कुमार की बेटी है। उसकी मां सपना कुमारी 6 दिसंबर से हॉस्पिटल में एडमिट है। पिता ने कहा- मैं ब्लड टेस्ट के लिए बाहर गया था, वापस आया तो बेटी गायब थी। 10 मिनट में वो लापता हो गई। पुलिस ने आरोपी सुरेश कुमार (28) और महिला गार्ड निशा भारती (35) को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला गार्ड की मिलीभगत से हुई चोरी- कैमरे में महिला गार्ड निशा भारती और सुरेश की हरकत संदिग्ध दिखी। जिसपर पुलिस ने एक्शन लेते हुए मामले का पर्दाफाश किया। आरोपी सुरेश और महिला गार्ड आपस में रिश्तेदार हैं। दोनों ने मिलकर बच्ची चोरी की और उसे फुलवारीशरीफ इलाके में रखा था।

ब्लड टेस्ट कराकर आए तो बेटी गायब थी- बच्ची के पिता अजय कुमार ने बताया, उनकी पत्नी सपना कुमारी को पेट में कुछ प्रॉब्लम हुई थी। वह इलाज के लिए 6 दिसंबर को ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती हुई थी। तब से बच्ची भी अपनी मां के साथ अस्पताल में ही थी। कहा कि बुधवार सुबह करीब 11 बजे वह खून की जांच कराने के लिए अस्पताल से बाहर गए थे। उस समय बच्ची अपनी मां के साथ वार्ड में थी। जब वह लौटे तो बच्ची वहां नहीं मिली।

गिरोह का हिस्सा होने का शक- पुलिस को शक है कि पकड़े गए दोनों लोग किसी गिरोह के काम करते हैं लेकिन अभी तक यह इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस दोनों गिरफ्तार से पूछताछ कर रही है।

समस्तीपुर में अज्ञात वाहन ने राजमिस्त्री को रौंदा

इलाज के दौरान पटना में तोड़ा दम, खत्म होने के बाद घर लौटते समय हुआ हादसा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में अज्ञात वाहन ने राजमिस्त्री को रौंद दिया। इलाज के दौरान पटना में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक मदन राम(48) मिर्जापुर गांव के वार्ड नंबर-9 के रहने वाले थे। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र की है। चचेरे भाई उमाशंकर राम ने बताया कि मदन राजमिस्त्री का काम करता था। बुधवार को काम खत्म करने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में पेट्रोल पंप के पास रूका। इस दौरान अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। गंभीर हालत में स्थानीय लोगों ने रेफरल अस्पताल पहुंचाया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल भेज दिया। यहां से पटना रेफर कर दिया। इलाज के दौरान पटना में जान चली गई। इसके बाद वापस समस्तीपुर लौट आए। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव सौंप दिया।

केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस- वहीं, इस संबंध में एएसपी संजय पांडे ने बताया कि सड़क हादसे में युवक की मौत हुई है। हादसा किस वाहन से हुआ है, इसके बारे में अभी पता लगाया जा रहा है। पेट्रोल पंप के पास लगाए गए सीसीटीवी कैमरे को भी खंगाला जा रहा है। प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, छानबीन की जा रही है।

मुजफ्फरपुर में सभी 46 थानों में अपर थाना प्रभारी की नियुक्ति, एसएसपी ने दिए ज्वाइनिंग के निर्देश

मुज्जफरपुर एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले के सभी 46 थाना क्षेत्रों और ओपी में अपर थाना प्रभारी की नियुक्ति कर दी गई है। इस संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार ने बुधवार देर शाम आधिकारिक आदेश जारी किया। अपर थाना प्रभारी की नई तैनाती से जिले में बढ़ते अपराध पर नियंत्रण, केस के अनुसंधान में तेजी और लंबित मामलों के निष्पादन में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

अब तक केस लोड और क्राइम कंट्रोल को लेकर थाना प्रभारी पर अतिरिक्त दबाव था, लेकिन नई नियुक्तियों से अनुसंधान और सुपरविजन प्रक्रिया सुचारू होगी। एसएसपी ने निर्देश दिया है कि आदेश प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर सभी पदाधिकारी अपने-अपने थाना में फिजिकल रूप से कागजी प्रक्रिया पूरी कर पदभार ग्रहण करें और इसकी सूचना संबंधित वरीय अधिकारी को दें।

पटना में दौड़ा-दौड़ाकर पुलिस ने अपराधी को मारी गोली

- बिहार में 34 दिन में चौथा एनकाउंटर
- एसएसपी बोले- रुकने को कहा गया तो फायरिंग करने लगा

फुलवारीशरीफ, पटना, एजेंसी। बिहार में 34 दिन के अंदर पुलिस ने चौथा एनकाउंटर किया है। पटना पुलिस ने रंगदारी मांगने के आरोपी को दौड़ा कर गोली मारी है। गोली पैर में लगी है। जबकि उसका एक साथी फरार हो गया। पटना के जानीपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि अपराधी ने बैंक कर्मी से रंगदारी मांगी। वो डराने की नीयत से फायरिंग करने पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस ने रुकने का इशारा किया। इस पर युवकों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक अपराधी को गोली लगी। इससे पहले 2 दिसंबर को छपरा में शराब माफिया, 21 नवंबर को बेगूसराय में कुख्यात शिवदत्त राय और 7 नवंबर को छपरा में कुख्यात शिकारी राय का हाफ एनकाउंटर हुआ था।

मौके से देसी कट्टा, कारतूस और एक बाइक बरामद- घायल अपराधी की पहचान पिपरा निवासी राकेश कुमार (36) के रूप में हुई है। गोली लगने के बाद वह मौके पर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे तुरंत पकड़कर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि राकेश ने बैंक कर्मी से रंगदारी मांगी थी। फुलवारी शरीफ के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी कट्टा, कारतूस और एक बाइक बरामद की है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि राकेश कुमार कई आपराधिक मामलों में वांछित था और पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। इससे पहले 34 दिन में 3 और एनकाउंटर हो चुके हैं

8 दिन पहले छपरा में शराब माफिया का हाफ एनकाउंटर- इससे पहले 2 दिसंबर को छपरा में मांझी में पुलिस ने शराब माफिया का हाफ एनकाउंटर किया। शराब माफिया अजय राय पुलिस की गोली से घायल हुआ। वो मांझी इलाके में शराब की खेप उतरवा रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की। अजय राय भागने लगा। पुलिस ने उसे दौड़ाकर गोली मारी। अजय राय के पैर में गोली लगी थी। दुर्गा घाट पर हुई इस मुठभेड़ में पुलिस की फायरिंग की आवाज सुनकर एक तस्कर सुकेश कुमार ने सरेंडर कर दिया था।

पवन सिंह के गाने पर थिरके बिहार सरकार के मंत्री

पटना, एजेंसी। बिहार के कृषि मंत्री रामकृपाल यादव का एक वीडियो सामने आया है। वह कार्यकर्ता सम्मान समारोह में अपने समर्थकों को धन्यवाद देते हुए पवन सिंह के गानों पर जमकर थिरकते हुए दिखाई दे रहे हैं। रामकृपाल यादव हाथ में तौलिया लहराते हुए नाचते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह आयोजन दानापुर में कार्यकर्ताओं को सम्मान देने और आभार जताने के लिए किया गया था।

लालू नीतीश को लेकर पवन सिंह का गाना चुनाव में हुआ था हिट- आज जिस गाने पर रामकृपाल यादव थिरकते हुए दिखाई दिए, वो पवन सिंह द्वारा गाया हुआ गाना था। चुनाव के दौरान पवन सिंह ने जोड़ी मोदी और नीतीश जी के हिट होई गाय था। यह गाना प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी के तमाम मंचों पर खब बजाया गया था। चनाव के दौरान

- मोदी और नीतीश जी के हिट होई जोड़ी सॉन्ग पर डांस
- दानापुर विधायक रामकृपाल यादव ने लहराया तौलिया

जनसभाओं में कार्यकर्ताओं को जुटाने और उन्हें उत्साहित रखने के लिए इस गाने ने खूब धूम मचाई। आज जब रामकृपाल यादव ने कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया तो उस समय भी यह गाना बजाया गया जिसमें रामकृपाल यादव के साथ सभी कार्यकर्ता हाथ में गमछा लेकर झूमते नजर आए।

रामकृपाल ने रीतलाल को हराया था- दानापुर सीट पर राजद के निवर्तमान विधायक रीतलाल यादव को भाजपा के रामकृपाल यादव ने 29,133 वोटों से हराया था। रामकृपाल यादव को 1,19,877 वोट मिले। रीतलाल यादव साल 2020 में राजद के टिकट पर चुनाव जीते थे। उनके खिलाफ 11 आपराधिक मामले लंबित हैं। वहीं रामकृपाल के खिलाफ 2 आपराधिक मामले लबित हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगों को बांटी ट्राई साइकिल

मलिहाबाद, एजेंसी। विधायक जय देवी कौशल ने बुधवार को ब्लॉक सभागार में दिव्यांगजनों को 60 ट्राई साइकिलें वितरित कीं। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की उन्हें जानकारी दी। पुरवा, महमूदनगर सहित कई गांवों से आए दिव्यांगजनों ने खुशी जाहिर करते हुए सरकार का धन्यवाद किया। इस मौके ब्लॉक प्रमुख निर्मल वर्मा, अखिलेश सिंह, ग्राम प्रधान सर्वेश रावत आदि मौजूद रहे।

सांड़ के हमले में शटरिंग मिस्त्री घायल

सरोजनीनगर, एजेंसी। क्षेत्र के चिल्लावां गांव में लोग सांड़ के हमलों से काफी परेशान हैं। मंगलवार को सांड़ ने शटरिंग मिस्त्री लक्ष्मण लोधी (45) पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आनन–फानन उन्हें लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। मंगलवार शाम वह चिल्लावां बाजार से सब्जी खरीद कर घर जा रहे थे। रास्ते में दो सांड़ लड़ रहे थे। लक्ष्मण ने उनसे बच के निकलने की कोशिश की तो एक सांड़ ने दौड़ाकर उन पर हमला कर दिया। सांड़ की सींग लगने से उनके पेट में गहरा घाव हो गया और वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गए।

मौत की डोर बना चाइनीज मांझा, बेटी को स्कूल से छोड़कर लौट रहे शिक्षक का कटा गला, तड़प- तड़पकर हुई मौत

जौनपुर, एजेंसी। जौनपुर शहर के सद्भावना पुल पर चाइनीज मांझा से शिक्षक का गला कट गया। सड़क पर तड़पता हुआ देख स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वह बृहस्पतिवार की सुबह अपनी बेटी को स्कूटी से छोड़कर लौट रहे थे। अंबेडकर नगर निवासी विष्णु दत्त तिवारी उप निरीक्षक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद उमरपुर सरस्वती नगर में आवास बनाकर रहते हैं। उनके बेटे संदीप त्रिपाठी (45) फतेहगंज स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाते थे। बृहस्पतिवार की सुबह अपनी बेटी मन्नत (05) को छोड़ने के लिए स्कूटी से स्कूल गए। बेटी को स्कूल छोड़ने के बाद वह वापस घर आ रहे थे। इसी दौरान सद्भावना पुल के पास चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मांझे से उनका गला रेत गया। आसपास के लोग एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

खाद्य निरीक्षक निलंबित, फिर भी व्यापारियों में आक्रोश; मानव श्रृंखला बनाकर थाने जाएंगे व्यापारी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के सरसौल कस्बे में तीन दिसंबर को आयुष जनरल स्टोर संचालक राजेश गुप्ता से खाद्य निरीक्षक अनिल पाल द्वारा जांच और सैंपलिंग के नाम पर बीस हजार रुपये की मांग किए जाने और बाद में 10 हजार पांच सौ रुपये की उगाही किए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। व्यापारी ने बताया कि छह हजार नगद, चार हजार ऑनलाइन और पांच सौ रुपये निरीक्षक के साथ आए चालक को दिए गए थे। घटना के बाद उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष महेश वर्मा की अगुवाई में व्यापारियों ने महाराजपुर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी थाना स्तर से कोई कदम न उठाए जाने पर व्यापारियों ने गुरुवार दोपहर बारह बजे मानव श्रृंखला बनाकर थाने के बाहर एकत्रित होने का आह्वान किया था। इसी बीच बीती रात उच्च अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए खाद्य निरीक्षक अनिल पाल को निलंबित कर दिया है। व्यापारी नेता महेश वर्मा ने निलंबन की कार्रवाई पर संतोष जताया, लेकिन साथ ही महाराजपुर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इतने दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने व्यापारी के रुपये वापस कराने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया है। महेश वर्मा ने स्पष्ट किया कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार दोपहर बारह बजे सभी व्यापारी महाराजपुर अंडरपास पर एकत्रित होकर मानव श्रृंखला बनाएंगे और इसके बाद थाने पहुंचकर अपनी बात मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सिर पर लटक रही मौत, फिर भी नीचे बना दिया आशियाना...

10 हजार परिवार मौत के साये में जीने को मजबूर

लखनऊ, एजेंसी। फैजुल्लागंज द्वितीय के शिवनगर में रविवार को 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन से पतंग छुड़ाते वक्त 12 वर्षीय आर्यन के झुलसने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी में हाईटेंशन लाइन के नीचे ऐसी कई बस्तियां बसी हैं। ये बस्तियां अचानक नहीं बसीं। दो दशकों में प्रॉपर्टी डीलरों और बिजली इंजीनियरों की सांठगांठ से 11 और 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइनों के नीचे प्लॉट काटकर अनुमानित 10 हजार परिवारों को रोज मौत के साये में जीने के लिए मजबूर कर दिया गया है।

अमर उजाला की पड़ताल में भरत नगर के निलेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलरों ने घर खरीदते समय भरोसा दिलाया था कि ओवरहेड बिजली की लाइनों को जल्द हटवा दिया जाएगा। इसके लिए एक लाख रुपये तक जमा कराए गए, लेकिन 15 वर्ष बीतने के बावजूद लाइन एक इंच भी नहीं हिली। फैजुल्लागंज निवासी सतीश भी बताते हैं कि जब हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान बन रहे थे, उस वक्त बिजली इंजीनियरों ने आंखें मूंद रखी थीं। जब हादसा हुआ तो नोटिस उसी परिवार के घर पहुंचा, जिसे शुरुआत से प्रॉपर्टी डीलरों ने झांसा देकर ठगा था।

अहिबरनपुर लाइन: 8 किमी में 700 मकान खतरे के नीचे

मंगलवार को 12 वर्षीय आर्यन नबीकोटनंदना ट्रांसमिशन उपकेंद्र से निकलने वाली 33 केवी अहिबरनपुर लाइन से झुलसा था। इस लाइन के नीचे 700 से अधिक मकान बने हुए हैं। करीब आठ किमी के दायरे में हाईटेंशन लाइन इन घरों से सिर्फ एक-दो मीटर ऊपर गुजर रही है। इससे छत पर बैठना तो दूर, कपड़े तक नहीं सुखाए जा सकते। जरा सी चूक पर जान जाने का खतरा बना रहता है।

ये इलाके मौत के साये में

चिनहट, भरवारा, गोमतीनगर विस्तार, निलमथा, तेलीबाग, साउथ सिटी, बिजनौर, नादरगंज, सरोजनीनगर, बंथरा, गेहरू, पारा, मोहान रोड, राजाजीपुरम, हरदोई रिंग रोड, बालागंज, आजादनगर, यासीनगंज, दुबग्गा, अंधे की चौकी हरदोई रोड, जेहटा, बरावन कला, आईआईएम रोड, फैजुल्लागंज, दाउदनगर, भरतनगर, श्रीनगर, मड़ियांव, नबीकोटनंदना, कुर्सी रोड, बेहटा, तकरोही सहित कई इलाकों में हाईटेंशन लाइनों के नीचे बड़ी बस्तियां मौजूद हैं।

विद्युत सुरक्षा निदेशालय को कार्रवाई की जिम्मेदारी

जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह का कहना है कि हाईटेंशन लाइन के नीचे मकान बनाने पर धारा-79 एवं धारा-80 के तहत प्रॉपर्टी डीलरों एवं निर्माणकर्ता को नोटिस जारी होता है। लगभग हर जेई ने अपने इलाके में 40 से ज्यादा नोटिस जारी कर चुके हैं। नोटिस की प्रतिलिपि विद्युत सुरक्षा निदेशालय को भेजी जाती है। निदेशालय को कार्रवाई का जिम्मा सौंपा गया है, यहां इन नोटिसों को नजरअंदाज किया गया। इसी वजह से हाईटेंशन लाइन के नीचे अवैध निर्माण बढ़े हैं।

बच्ची से गलत हरकत करता नशेड़ी ई रिक्शा चालक हुआ बेहोश, गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। गुडंबा इलाके में रविवार शाम छह वर्ष की बच्ची को ई रिक्शा चालक रमेश वेज रोल खिलाने के बहाने साथ ले गया। रास्ते में उसने शराब पी और कुकरैल जंगल ले जाकर गलत इरादे से बच्ची से छेड़छाड़ करने लगा। अधिक शराब पीने की वजह से आरोपी बेहोश हो गया। बच्ची रोते हुए वहां से भाग निकली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का केस दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर लिया है।

इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बच्ची मूलरूप से सीतापुर की रहने वाली है और परिवार के साथ इलाके में रहती है। बच्ची के पिता मजदूरी करते हैं। रविवार शाम बच्ची घर के बाहर खेल रही थी, तभी रमेश ई रिक्शा लेकर वहां पहुंचा और उसे वेज रोल खिलाने व घुमाने के बहाने साथ लेकर चला गया।

बच्ची के लापता होने पर परिजनों ने उसे तलाशना शुरू किया पर कुछ पता नहीं चल सका। घरवाले शिकायत लेकर गुडंबा पुलिस के पास पहुंचे और गुमशुदगी दर्ज करवाई।

एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह ने बताया कि बच्ची की तलाश में पुलिस की कई टीमों को लगाया गया। स्थानीय लोग भी उसकी तलाश में जुट गए। रात करीब साढ़े तीन बजे कुकरैल जंगल के पास बच्ची रोते हुए एक युवक को मिली। युवक की सूचना पर पुलिस टीम भी वहां पहुंच गई।

बच्ची ने आरोपी रमेश का नाम बताया। पुलिस ने जंगल के पास से नशे में धुत आरोपी रमेश को पकड़ लिया। इस मामले में सोमवार को गुमशुदगी के साथ बच्ची से दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धारा बढ़ाते हुए आरोपी सीतापुर निवासी रमेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

खुर्रमनगर से खरीदी थी शराब

इंस्पेक्टर गुडंबा ने बताया कि पुलिस ने जब बच्ची की तलाश की तो लोगों से आरोपी रमेश का नाम पता चल गया था। पूछताछ में पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। आरोपी ने बताया कि वह बच्ची को गलत इरादे से अपने साथ ले गया था। रास्ते में खुर्रमनगर में उसे वेज रोल खिलाया और वहीं से शराब भी खरीदी थी। रास्ते में उसने चलते ई रिक्शा में शराब भी पी थी।

काफी डरी-सहमी है बच्ची

अपने साथ हुई घिनौनी हरकत के बाद बच्ची काफी डरी व सहमी हुई है। परिजनों को भी आरोपी रमेश की हरकत पर यकीन नहीं हो रहा। घरवालों का कहना है कि आरोपी अक्सर बच्ची को खिलाता था, कभी ऐसा कुछ भी नहीं लगा कि वह ऐसी हरकत कर सकता है। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

किसानों की समस्याएं दूर न होने पर जताई नाराजगी

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) गुट की मासिक बैठक हरदोईया स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हुई। इसमें किसानों की समस्याओं का निराकरण न होने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की गई। बैठक में किसानों ने नहरों में पानी न आने, गंदे पानी की निकासी व अन्य समस्याओं की शिकायत की। संगठन के जिला संरक्षक रज्जन लाल वर्मा ने कहा कि गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार तमाम योजनाएं चला रही हैं, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता से पात्रों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए राजेश्वरी व भुल्लर को सदस्य और रामबली को दोरिया गांव के संगठन सचिव पद पर मनोनीत किया गया।

संगम का आगाज... 24, 25 दिसंबर को गोमती रिवरफ्रंट पर संस्कृतियों का महाकुंभ

लखनऊ, एजेंसी। गंगा-जमुनी तहजीब की संस्कृति पर बसी लखनऊ नगरी एक बार फिर संस्कृतियों के संगम की साक्षी बनने जा रही है। गोमती रिवरफ्रंट पर 24 और 25 दिसंबर को विभिन्न समाज के लोग अपनी विशेषताओं के साथ रूबरू होंगे। आयोजन की तैयारियों के लिए बुधवार को डालीबाग स्थित अमर उजाला कार्यालय में बैठक हुई।

संस्कृति विभाग के साझा आयोजन के तहत गोमती रिवरफ्रंट स्थित चटोरी गली में संगम-2025 कार्यक्रम होगा। इसका उद्देश्य लखनऊ में बसे देशभर के राज्यों व संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिकों को एक मंच पर लाना है। इसमें बंगाल, महाराष्ट्र, उड़ीसा, केरल, राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब जैसे राज्यों का प्रतिनिधित्व रहेगा।

आयोजन में हर समाज के लोग अपने खान-पान के स्टॉल लगाएंगे। वे परंपरागत वेशभूषा में भी नजर आएंगे। समारोह का उद्घाटन पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। समारोह में विभिन्न विभागों के मंत्री नजर आएंगे। विभिन्न समाजों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए जाएंगे।

संगम से जुड़ने के लिए व्हाट्सएप करें : यह कार्यक्रम सभी के लिए है। विभिन्न समुदाय या फिर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आयोजन से जुड़ने के लिए मोबाइल नंबर 7617566164 पर व्हाट्सएप से संपर्क किया जा सकता है।

अरुंधती राय और हिमांशु महापात्र- उड़िया समाज, सुरेश छबलानी- सिंधी समाज, मनमोहन सिंह हैप्पी- पंजाबी समाज, ऋषभ कुमार जैन- जैन समाज, देवेंद्र कुमार मिश्रा- इस्कॉन मंदिर, कौस्तुभ आनंद चंदोला- पर्वतीय महापरिषद, गणेश चंद्र जोशी- पर्वतीय महापरिषद, महेंद्र सिंह रावत- पर्वतीय महापरिषद, गजानन पाटिल- मराठी समाज, सागर जाधव- मराठी समाज, विनोद माहेश्वरी- राजस्थानी समाज, मीठू राय- बंगाली समाज, वेद प्रकाश राय- भोजपुरी समाज, जेंसन जेम्स- केरल समाज।

जरूरतमंदों की सेवा पूजा करने के समान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषि सेवा समिति की ओर से चिनहट के मटियारी स्थित होटल में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बुधवार को कथावाचक राघव ऋषि ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा पूजा करने के समान है। सौरभ ऋषि ने खूबसूरत भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा के तीसरे दिन का शुभारंभ सति चरित्र के प्रसंग से हुआ। इसके बाद प्रहलाद की भक्ति का गुणगान हुआ। कथावाचक राघव ऋषि ने कहा कि हिरण्यकश्यप को अपने बल पर बहुत अहंकार था, लेकिन प्रहलाद की भक्ति के आगे उसकी हार हुई। अहंकार व्यक्ति को पतन की ओर ले जाता है। सच्चे मन से पूजा करने वालों की भगवान हमेशा सुनते हैं, लेकिन इसके साथ अच्छे कर्मों का होना भी जरूरी है। रावण भोलेनाथ का बहुत बड़ा भक्त था, लेकिन उसके कार्य अच्छे नहीं थे। समिति के कुलदीप मिश्र, राधाकृष्ण यादव, उदयभान चौबे, अविनाश टिक्का, दीप अरोड़ा, आनंद सैनी, विवेकानंद पांडेय, सच्चिदानंद पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

20 साल पहले लूट के मामले में कोर्ट पहुंची तीन कट्टों में भरकर 12 किलो चांदी, हाजिर नहीं हुए गवाह

हाथरस, एजेंसी। 20 साल पहले हुई चांदी लूट मामले में बरामद माल में से केवल 12 किलो धातु ही 10 दिसंबर को कोर्ट में पहुंच सकी। विवेचक व गवाह के हाजिर नहीं होने के कारण कट्टे खुल नहीं सके, जिससे माल की तस्दीक नहीं की जा सकी। अब केस में दो जनवरी की तारीख लगी है, जिसमें विवेचक के उपस्थित होने की उम्मीद है।

बता दें कि सादाबाद क्षेत्र में 24 जनवरी 2006 को सात कारोबारियों से 48 किलो चांदी की लूट हुई थी। पुलिस ने 15 फरवरी 2006 को घटना का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था और 12 किलो चांदी भी बरामद कर ली थी। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता के अनुसार पुलिस ने 23 किलो चांदी बाद में बरामद की थी। कुल 35 किलो चांदी की बरामदगी हो गई थी।

यह मामला अब एडीजे एफटीसी कोर्ट द्वितीय में चल रहा है। छह साल से बरामद माल व गवाहों को प्रस्तुत न कर पाने पर पिछली तारीख पर कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लिया था तथा विवेचक अनिल शर्मा के हाजिर न होने पर साक्ष्य का अंतिम अवसर समाप्त कर दिया था। चांदी कोर्ट में पेश न कर पाने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे थे।

10 दिसंबर को तारीख पर छह साल बाद सादाबाद पुलिस तीन कट्टों में 12 किलो धातु लेकर पहुंची, लेकिन यह वही बरामद माल है या नहीं, इसकी तस्दीक नहीं हो सकी। विवेचक अनिल शर्मा बुधवार को भी हाजिर नहीं हो सके। विवेचक को हाजिर कराने के लिए पत्र लिखा गया है। एडीजी शिवेंद्र ने बताया कि केवल 12 किलो धातु ही लाई गई है, लेकिन उसे खोला नहीं जा सका।

जालसाजों ने बसा दिया 400 घुसपैठियों का परिवार, एनआईए के हस्तक्षेप से खुली फर्जीवाड़े की पोल

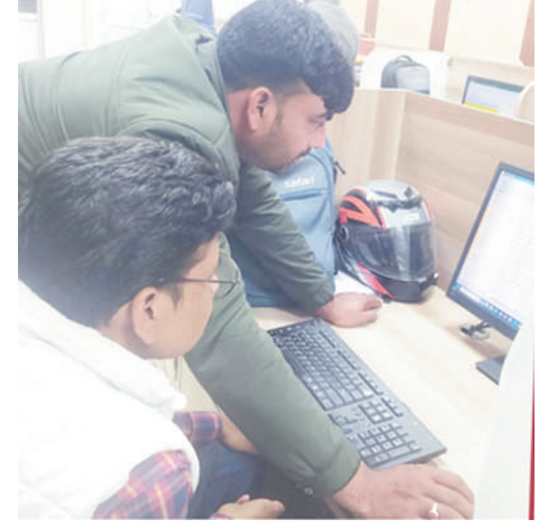

रायबरेली, एजेंसी। जन्म प्रमाणपत्रों के फर्जीवाड़े में शामिल जालसाजों ने बांग्लादेशी, रोहिंग्या व पाकिस्तानी संदिग्ध घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिले के सलोन ब्लॉक के नुरुद्दीनपुर, लहुरेपुर, गढ़ी इस्लामनगर गांव में कागजों पर ही 400 से अधिक परिवार बसा दिए। किसी परिवार के 25 तो किसी में 15 से 11 बच्चों के जन्म प्रमाणपत्र बनाए गए। जांच में गांवों में संबंधित परिवार नहीं मिले। बुधवार को यहां के 250 से अधिक फर्जी प्रमाणपत्रों को निरस्त किया गया।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के हस्तक्षेप के बाद जांच हुई तो फर्जीवाड़े की पोल खुलनी शुरू हो गई। नुरुद्दीनपुर गांव के आरिफ मलिक के 15 बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनाया गया, लेकिन जांच में गांव में परिवार नहीं मिला। अजमत अली के 13, इमरान खान के नौ बच्चों के साथ ही ऐश मोहम्मद, अब्दुल अजीज, अब्दुल अली व अकबर अली का भी गलत तरीके से गांव में पता दिखा कर प्रमाणपत्र बनाए गए। इनमें से चार बांग्लादेशी व दो रोहिंग्या मिले।

रायबरेली के जिला पंचायतराज अधिकारी सौम्यशील सिंह का कहना है कि फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों को निरस्त कराया जा रहा है। बार-बार सर्वर के प्रभावित होने से समस्या हो रही है। अब तक 1046 प्रमाणपत्र निरस्त किए जा चुके हैं। एसआईआर का काम पूरा होने के बाद कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर इसमें तेजी लाई जाएगी।

लखनऊ सहित कई जिलों में कोहरे की चादर, तापमान गिरने से बढ़ी ठिठुरन; जारी हुए पूर्वानुमान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। कोहरा एक के बाद एक कई जिलों को अपने प्रकोप में ले रहा है। गुरुवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में घना कोहरा देखने को मिला। उत्तर प्रदेश में बढ़ती ठंड के साथ ही सुबह और रात के समय घना कोहरा लोगों को प्रभावित कर रहा है। विशेषकर तराई इलाकों में सुबह के समय घने कोहरे की चादर देखने को मिल रही है। लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए उत्तर प्रदेश के तराई जिलों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर और बहराइच में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी और सीतापुर में कोहरे का येलो अलर्ट है। बुधवार को कुशीनगर में दृश्यता शून्य तक जा पहुंची। वहीं बहराइच में दृश्यता 25 मीटर दर्ज हुई। इधर मौसम को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर प्रदेश में 12 दिसंबर से एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यूपी के मौसम में एक बार फिर उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश में दो दिन बाद एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके असर से यहां तीन चार दिनों तक पूर्वा हवाएं चलेंगी। कहीं कहीं छिटपुट बादल दिखाई दे सकते हैं। साथ ही दिन व रात के पारे में फिर से हल्की बढ़त देखने को मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

5 राज्य, 1 यूटी में SIR की समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरुवार को 5 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (UT) में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR यानी वोटर वेरिफिकेशन) की समयसीमा बढ़ा दी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान-निकोबार में 18 दिसंबर तक फॉर्म भर सकेंगे। उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, गुजरात और तमिलनाडु में 14 दिसंबर तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। पहले फॉर्म भरने की आखिरी तारीख 11 दिसंबर थी। आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी।

केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा। चुनाव आयोग ने 30 नवंबर को SIR की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया था। आयोग ने कहा था कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। पॉलिटिकल पार्टियों को मिलेगी मृत मतदाताओं की सूची निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही SIR प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने से पहले मृत, स्थानांतरित और अनुपस्थित वोटरों की सूची दी जाएगी। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 16 दिसंबर को जारी की जाएगी। इससे पहले आयोग ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को हर बूथ के हिसाब से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट वोटरों की सूची तैयार कर बूथ एजेंटों को देने का निर्देश दिया है।

इंडिगो मुआवजे में 10 हजार का ट्रैवल वाउचर देगा

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी इंडिगो फ्लाइट कैंसिल से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा मुआवजे में ट्रैवल वाउचर भी देगी। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि 3-5 दिसंबर के बीच फ्लाइट कैंसिल से ज्यादा परेशान हुए पैसेंजर्स को 10000 का ट्रैवल वाउचर मिलेगा। हालांकि इंडिगो ने यह साफ नहीं किया है कि ज्यादा परेशान का मतलब क्या है और किन यात्रियों को यह मुआवजा मिलेगा। एयरलाइन ने बताया कि ट्रैवल वाउचर अगले 12 महीने तक किसी भी इंडिगो फ्लाइट की बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार यह मुआवजा उन 5000-10,000 रुपए के अलावा होगा, जो फ्लाइट उड़ाने के 24 घंटे के अंदर कैंसिल होने पर मिलता है।

इधर इंडिगो के CEO पीटर एल्बर्स गुरुवार को DGCA (नागरिक उड्डयन नियामक) के सामने पेश हुए। करीब 2 घंटे की पूछताछ में CEO से ऑपरेशंस, क्रू मैनेजमेंट, रिफंड, मुआवजे से जुड़े सवाल किए गए। नया नियमः फ्लाइट उड़ने में 15 मिनट की देरी की जांच होगी इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशंस में आई दिक्कतों के बाद तकनीकी खामियों की निगरानी का पूरा ढांचा तत्काल प्रभाव से बदल दिया गया है। उड़ानों में लगातार देरी, कैंसिलेशन और हालिया सुरक्षा घटनाओं ने डीजीसीए को डिफेक्ट रिपोर्टिंग सिस्टम को जड़ से सख्त करने के लिए मजबूर किया है। 12 पेज के नए आदेश के मुताबिक अब किसी भी निर्धारित उड़ान में तकनीकी कारण से 15 मिनट या उससे ज्यादा की देरी होती है तो उसकी जांच अनिवार्य होगी। कंपनी को बताना होगा कि देरी क्यों हुई? उसे कैसे ठीक किया गया? दोबारा न होने के लिए क्या उपाय किए? ये ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले लागू नहीं थे। कंपनी को किसी भी 'मेजर डिफेक्ट' की सूचना तुरंत डीजीसीए को फोन पर देनी होगी। 72 घंटे में विस्तार से रिपोर्ट भेजनी होगी। डिफेक्ट तीन बार दोहराए जाने पर उसे 'रिपीटेटिव डिफेक्ट' माना जाएगा और उस पर अलग से विशेष जांच शुरू होगी।

वेनेजुएला पर अमेरिका का मिलिट्री एक्शन

वॉशिंगटन डी सी/कराकस। अमेरिका ने बुधवार को वेनेजुएला के तट के पास एक क्रूड ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया। अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास बीच समंदर में एक बहुत बड़े क्रूड ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया। बुधवार को अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का 45 सेकेंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में दो सैन्य हेलिकॉप्टर समुद्र के ऊपर से तेजी से उड़ते हुए एक टैंकर को घेरते हैं।

उनसे कई कमांडो रस्सियों के सहारे टैंकर के डेक पर उतरते हैं और कुछ ही मिनटों में टैंकर को अपने कब्जे में ले लेते हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस जब्ती की पुष्टि की। दूसरी ओर, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इस कार्रवाई को समुद्री डकैती और खुलेआम चोरी करार देते हुए कड़ी निंदा की है।

अमेरिकी संसद में मोदी-पुतिन की कार वाली तस्वीर दिखाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की संसद में बुधवार को पुतिन-मोदी की कार वाली तस्वीर की चर्चा हुई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका में भी चर्चा में बना हुआ है। एक अमेरिकी सांसद ने पीएम मोदी और पुतिन की सेल्फी वाली तस्वीर दिखाकर राष्ट्रपति ट्रम्प की विदेश नीति की आलोचना की। अमेरिकी प्रतिनिधि सिडनी कैमलेगर-डव ने मोदी-पुतिन की तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह पोस्टर हजार शब्दों के बराबर है। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत नीति की कड़ी आलोचना की। डव ने कहा, "ट्रम्प की भारत को लेकर नीतियां ऐसी हैं जैसे हम खुद को ही नुकसान पहुंचा रहे हों। दबाव डालकर साझेदारी करना महंगा साबित होता है। और यह पोस्टर इसका सबसे बड़ा सबूत है। अमेरिका की दबाव वाली नीति भारत को रूस के करीब धकेल रही है।"

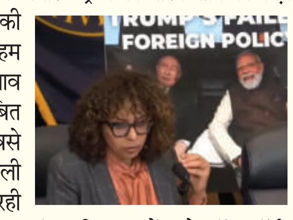

दूसरी ओर ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद बिल हुइजेंगा ने क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भारत के इस दावे का खुलकर समर्थन किया है कि पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा (LeT) और उसका संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF) पहलगाम हमले के पीछे थे। सांसद डव ने ट्रम्प के उस दावे पर भी तंज कसा जिसमें ट्रम्प खुद को नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार बताते रहे हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध रुकवाए हैं, जिनमें भारत-पाकिस्तान भी शामिल है।

पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई चीफ हमीद को 14 साल कैद

इस्लामाबाद। हमीद 2019 से लेकर 2021 तक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के डायरेक्टर जनरल थे। पाकिस्तान की एक मिलिट्री कोर्ट ने पूर्व ISI चीफ फैज हमीद को 14 साल कैद की सजा सुनाई है। उनके खिलाफ करीब 15 महीने तक कोर्ट मार्शल की कार्रवाई चली। फौज की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, फैज पर चार गंभीर आरोपों में मुकदमा चलाया गया। उन पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट का उल्लंघन कर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने, सरकारी अधिकार और संसाधनों का दुरुपयोग करने और लोगों को नुकसान पहुंचाने के आरोप थे। सेना ने कहा कि कोर्ट ने सभी आरोपों में फैज को दोषी पाया है, हालांकि उन्हें फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार भी दिया गया है। फैज को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का करीबी माना जाता है। फैज हमीद को पिछले साल 12 अगस्त को हाउसिंग घोटाला केस में आर्मी ने अरेस्ट किया था। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने कार्रवाई का आदेश दिया था।

अरुणाचल में ट्रक खाई में गिरा, 21 की मौत

एजेंसी, अरुणाचल प्रदेश

- जिंदा बचा एक मजदूर 2 दिनों तक पैदल चलकर आर्मी कैंप पहुंचा, तब हादसे की जानकारी मिली

अरुणाचल प्रदेश के अनजॉ जिले के हयुलियांग इलाके में एक ट्रक 1000 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में ड्राइवर और क्लीनर समेत 21 की मौत हो गई। बचाव दल को 18 शव मिल चुके हैं। यह हादसा 8 दिसंबर का है। जानकारी गुरुवार को सामने आई। दरअसल, हादसे में एक व्यक्ति जीवित बचा था, जो दो दिन तक पैदल चलकर किसी तरह आर्मी कैंप पहुंचा। इसके बाद आज सुबह आर्मी के बचाव दल की टीमें मौके पर पहुंचीं। टीम को घटनास्थल पर पहुंचने में 10 से ज्यादा घंटे लगे।

हादसा 8 दिसंबर की रात हुआ था: हादसे में घायल व्यक्ति खाई से मुश्किल से बाहर निकला और हयुलियांग-चगलगाम रोड पर पहुंचा। दो दिन तक पैदल चलकर दिसंबर की रात चिपरा GREF कैंप तक पहुंचा। यहां उसने जवानों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद गुरुवार सुबह आर्मी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हादसे वाली जगह चगलगाम से लगभग 12 किलोमीटर आगे पहाड़ी और घने जंगल वाला इलाका है। यहां बहुत ही कम आवाजाही होती है।

हादसे को तस्वीरों से समझिए: घनी झाड़ियों में फंसा था ट्रक, आर्मी को खोजने में लगे 4 घंटे आर्मी की रेस्क्यू टीमें रस्सी से खाई में उतरीं और करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद ट्रक तक पहुंचीं। दरअसल ट्रक खाई में घनी झाड़ियों में फंसा हुआ था, जिससे यह दूर से नजर नहीं आ रहा था। बचाव टीमों को 18 शव मिल चुके हैं, जिन्हें बेले रोप्स की मदद से ऊपर लाया जा रहा है। मौके पर बचाव टीमें, मेडिकल टीमें, GREF प्रतिनिधि, स्थानीय पुलिस और NDRF की टीमें मौजूद हैं। अनजॉ के ADC हायुलियांग ने बताया कि जिला परिषद सदस्य और चगलगाम के ठेकेदारों से भी पूछताछ की जा रही है, जिससे कि मजूदरों की पहचान की जा सके।

अमेरिका के बाद मेक्सिको भी भारत पर 50% टैरिफ लगाएगा

- 2026 से लागू होगा, एक्सपर्ट्स बोले- ट्रम्प को खुश करने की कोशिश

एजेंसी, मेक्सिको सिटी

अमेरिका के बाद अब मेक्सिको भी भारत पर हाई टैरिफ लगाने जा रहा है। मेक्सिको की संसद ने बुधवार को भारत समेत 5 एशियाई देशों पर 50% तक का भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया। यह टैरिफ ऐसे देशों पर लगाया जाएगा जिनके साथ मेक्सिको का कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं है। यह साल 2026 से लागू होगा। जिन देशों पर मेक्सिको टैरिफ लगाएगा उनमें भारत के अलावा चीन, भारत, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। मेक्सिको इन देशों से बहुत ज्यादा सामान खरीदता है। 2024 में इन देशों से 253.7 अरब डॉलर का सामान आया। इतने ज्यादा आयात की वजह से मेक्सिको को करीब 223 अरब डॉलर का घाटा हुआ। अब नए कानून के अनुसार कारें, ऑटो पार्ट्स, कपड़े-टेक्सटाइल, प्लास्टिक के उत्पाद, स्टील और जूते-चप्पल जैसे लगभग 1,400 तरह के सामान महंगे होंगे। ज्यादातर पर 35 प्रतिशत तक और कुछ पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह कदम 2026 में होने वाली USMCA (अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा व्यापार समझौता) की समीक्षा से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को खुश करने की कोशिश है। क्योंकि अमेरिका लंबे समय से चीन से मेक्सिको के रास्ते आने वाले सस्ते सामान पर चिंता जता रहा है।

मेक्सिको कारोबारी बोले- इससे महंगाई बढ़ेगी: चीन सरकार, मेक्सिको के बड़े कारोबारी संगठन और विपक्षी दल टैरिफ लगाने को गलत कदम बता रहे हैं। उनका कहना है कि टैरिफ दरअसल आम उपभोक्ताओं पर एक्स्ट्रा टैक्स है, जिससे रोजमर्रा का सामान महंगा हो जाएगा और महंगाई बढ़ेगी। पहले प्रस्तावित बिल इससे भी सख्त था, लेकिन विरोध के बाद करीब दो-तिहाई सामान पर टैरिफ को कम कर दिया गया।

ममता बोलीं- शाह खतरनाक वे दुर्योधन-दुशासन जैसे

- महिलाओं से कहा- SIR में नाम कटे तो आपके खाना बनाने के बर्तन हैं, उनसे लड़ो

एजेंसी, ढाका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खतरनाक करार दिया है। ममता ने गुरुवार को कृष्णानगर की रैली में कहा कि शाह की आंखों में दहशत है। उनकी एक आंख में आपको दुर्योधन तो दूसरी आंख में दुशासन दिखाई देगा। ममता ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR यानी वोटर वेरिफिकेशन) को लेकर महिलाओं से कहा- वे (केंद्र सरकार) SIR के नाम पर मांओं-बहनों के अधिकार छीन लेंगे। वे चुनाव के दौरान दिल्ली से पुलिस बुलाएंगे। ममता ने महिलाओं से ये भी कहा- अगर आपके नाम काटे गए तो आपके पास किचन के बर्तन हैं, इनसे लड़िए। अपने नाम को लिस्ट से कटने मत देना। महिलाएं आगे आकर लड़ेंगी, पुरुष इनके पीछे रहेंगे। ममता ने आरोप लगाया कि 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले SIR को राजनीतिक हथियार बनाया जा रहा है। अमित शाह वोटों के इतने भूखे हैं कि चुनाव से दो महीने पहले ही यह प्रक्रिया चला रहे हैं।

SIR बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा: ममता ने रैली में ये भी कहा कि अक्टूबर से 12 राज्यों में SIR चल रहा है। इस प्रक्रिया का मकसद गलत मतदाता का नाम हटाना और नए मतदाता जोड़ना है। यह बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए हो रहा है।

बांग्लादेश में तख्तापलट के डेढ़ साल बाद चुनाव, 12 फरवरी को वोटिंग

एजेंसी, ढाका

क्या शेख हसीना की पार्टी चुनाव लड़ पाएगी

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इसका ऐलान किया। यह चुनाव पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के बाद हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद से वहां पर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चल रही है। अगले साल होने वाले चुनाव में हसीना की पार्टी हिस्सा नहीं ले पाएगी। बांग्लादेश की सबसे बड़ी पार्टी अवामी लीग का पंजीकरण चुनाव आयोग ने मई 2025 में निलंबित कर दिया था। पार्टी के बड़े नेताओं को अंतरिम सरकार गिरफ्तार कर चुकी है। अवामी लीग चुनाव लड़ने और राजनीतिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह भी होगा: मुख्य चुनाव आयुक्त ने बताया कि उसी दिन जुलाई चार्टर को लेकर जनमत संग्रह किया जाएगा। जुलाई चार्टर संवैधानिक और राजनीतिक सुधार का एक दस्तावेज है। इसमें 26 पाइंट हैं, जिसका मकसद देश की राजनीति और शासन व्यवस्था में बदलाव लाना है। इसमें प्रधानमंत्री की सत्ता सीमित करने की बात है, ताकि कोई अनिश्चित समय तक सत्ता में न रह सके। इस चार्टर में पीएम का कार्यकाल 8 या 10 साल करने की बात कही गई है। जुलाई 2025 में, देश के राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों के बीच एक "जुलाई चार्टर" नाम का संविधान सुधार प्रस्ताव बना था। इसमें 4 अहम चीजें तय करने की कोशिश हुई थी।

भविष्य में चुनाव कैसे होंगे

सेना या न्यायपालिका की क्या भूमिका रहेगी

भ्रष्टाचार और मानवाधिकार से जुड़ी नई नीतियां कैसी होंगी

शेख हसीना पर लगे प्रतिबंध जारी रहेंगे या नहीं

जनमत संग्रह में जनता से जुलाई चार्टर को लागू करने के आदेश पर राय मांगी जाएगी। इसमें प्रावधान है कि राजनीतिक दलों की अलग-अलग मांगों के बीच संतुलन बनाने के लिए 100 सदस्यीय ऊपरी सदन का गठन प्रतिनिधित्व के आधार पर किया जाएगा। यानी जिस पार्टी को जितने वोट मिलेंगे, उसी अनुपात में उसे सीटें दी जाएंगी।

बांग्लादेश में भारत जैसी ही चुनावी प्रक्रिया: बांग्लादेश में भी भारत के लोकसभा चुनाव जैसी ही चुनावी प्रक्रिया है। यहां संसद सदस्यों का चुनाव भारत की तरह ही फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली के जरिए होता है। यानी जिस उम्मीदवार को एक वोट भी ज्यादा मिलेगा, उसी की जीत होगी। चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे बड़ी पार्टी या गठबंधन के सांसद अपने नेता का चुनाव करते हैं और वही प्रधानमंत्री बनता है।

नेपाल में चीन के लोन से बना पोखरा एयरपोर्ट फेल, जमकर भ्रष्टाचार हुआ, टूरिस्ट भी नहीं आए

चीनी कंपनी समेत 55 लोगों पर केस

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। 2012 में 620 करोड़ रुपए अनुमानित लागत वाला यह प्रोजेक्ट 892 करोड़ तक पहुंच गया। जांच के बाद नेपाल की कमिशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथॉरिटी (CIAA) ने 5 पूर्व मंत्रियों, 10 पूर्व सचिवों सहित कुल 55 लोगों और चीनी कंपनी चाइना CAMC इंजीनियरिंग पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। एयरपोर्ट 2023 में शुरू हुआ, लेकिन ढाई साल में यहां सिर्फ 45 इंटरनेशनल फ्लाइट्स आईं और करीब 3,000 यात्री पहुंचे, जबकि इसे पश्चिमी नेपाल का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब घोषित किया गया था।।

'गेटवे ऑफ वर्ल्ड' का सपना, लेकिन ढाई साल में सिर्फ 45 इंटरनेशनल फ्लाइटः पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को कभी नेपाल के "गेटवे ऑफ वर्ल्ड" के रूप में पेश किया गया था। दावा किया गया था कि यह पश्चिमी नेपाल का अंतरराष्ट्रीय पर्यटन हब बनेगा और टूरिस्ट बढ़ेंगें। संचालन के ढाई साल बाद यहां सिर्फ 45 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें दर्ज की गईं। यात्रियों की संख्या सिर्फ 3,000 रही। हिमालयन एयरलाइंस और सिचुआन एयरलाइंस ने कुछ टेस्ट फ्लाइट्स चलाईं, लेकिन नियमित सेवा नहीं चल सकीं। पोखरा एयरपोर्ट प्रोजेक्ट चीन के एग्जिम बैंक से लोन लेकर बनाई गई थी और इसे नेपाल की पर्यटन क्षमता दोगुनी करने वाला प्रोजेक्ट बताया गया था।

चीन के बैंक ने दिया था लोन, टूरिस्ट दोगुने होने का दावा थाः नेपाल की कमिशन फॉर इंवेस्टिगेशन ऑफ एब्यूज ऑफ अथोरिटी (सीआईएए) ने पोखरा एयरपोर्ट के निर्माण में भारी अनियमितताओं का खुलासा करते हुए 5 पूर्व मंत्रियों, 10 पूर्व सचिवों और कुल 55 व्यक्तियों तथा चीनी कंपनी चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। यह नेपाल के इतिहास के सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक माना जा रहा है। 2012 में पोखरा एयरपोर्ट के निर्माण अनुबंध की मूल लागत लगभग 620 करोड़ भारतीय रु थी। बाद में यह लागत बढ़ाकर 892 करोड़ कर दी गई। यानी करीब 272 करोड़ की संदिग्ध बढ़ोतरी लागत में जोड़ दी गई।

चीनी कंपनी के साथ मिलकर जालसाजी हुईः जांच एजेंसी के अनुसार, नेपाल के कुछ अधिकारियों ने चीनी कंपनी सीएएमसी के साथ मिलकर रकम में अनैतिक फेरबदल किया। एयरपोर्ट का निर्माण 2016 में शुरू हुआ था।

अनुराग ठाकुर बोले- टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे

- सौगत रॉय ने कहा- केंद्रीय मंत्री की बात छोड़िए, हम पी सकते हैं, स्पीकर बोले- कार्रवाई होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के नौवें दिन लोकसभा सदन में ई-सिगरेट पीने का विवाद चर्चा में रहा। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने स्पीकर ओम बिरला को शिकायत करते हुए कहा- TMC सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे हैं। इस पर स्पीकर ने कहा कि एक्शन लिया जाएगा। इसके बाद संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में TMC सांसद सौगत रॉय ने कहा- केंद्रीय मंत्री की बात छोड़िए, हम सदन परिसर में ई-सिगरेट पी सकते हैं। बिल्डिंग के अंदर सिगरेट नहीं पी सकते, लेकिन बाहर पी सकते हैं। इधर विपक्ष के सवाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी पेंट की जेब हाथ डाले हुए ही जबाव दे रहे थे। इस पर स्पीकर बिरला ने उन्हें टोका और कहा कि माननीय सांसद जेब से हाथ निकालकर जबाव दें। इस पर हरदीप सिंह पुरी ने तत्काल हाथ बाहर निकाले।

जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को किताब दीः इधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सुबह लोकसभा पहुंचे। जैसे ही वे कार उतरे तो कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने उनसे मुलाकात की। रमेश ने 'सरदार पटेल की इनसाइड स्टोरीः मणिबेन पटेल की डायरी' नाम की किताब सौंपी। कहा- ये गुजराती में है, इसे पढ़िएगा।

रेलूराम पूनिया फैमिली हत्याकांड बेटी-दामाद जेल से बाहर आएंगे

हाईकोर्ट ने दी अंतरिम जमानत, 24 साल पहले की थी 8 लोगों की निर्मम हत्या

एजेंसी, हिसार

सोनिया और संजीव। 2001 में हुए हत्याकांड के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था। हरियाणा में बरवाला से पूर्व विधायक रेलूराम पूनिया और उनके परिवार की सामूहिक हत्या में गुरुवार को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने अपने अहम फैसले में हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रही उनकी बेटी सोनिया और दामाद संजीव की समयपूर्व रिहाई से जुड़े विवादित सरकारी आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही दोनों को अंतिम निर्णय होने तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने दोनों के मामले को दोबारा स्टेट लेवल कमेटी के समक्ष भेजा है और इसकी दोबारा समीक्षा करने को कहा है। इससे पहले स्टेट लेवल कमेटी ने दोनों की रिहाई न करने की सिफारिश की थी। इस स्टेट लेवल कमेटी में जेल मंत्री, फाइनेंस कमिशनर, प्रिसिंपल सेक्रेटरी सहित 5 अफसर होते हैं। कमेटी ने फैसला किया था कि दोनों को प्री-मिच्योर रिलीज नहीं किया जा सकता क्योंकि सोनिया पर 17 जेल अपराध और 4 केस दर्ज हैं वहीं संजीव पर 5 जेल अपराध और 2 केस दर्ज हैं।

गोवा अग्निकांड, लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

एजेंसी, नई दिल्ली

हाथों में हथकड़ी, पासपोर्ट पकड़े तस्वीर आई, घटना के समय टिकट बुक करके भागे थे

गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में ले लिया गया। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी। बिर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे। दोनों पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

गोवा अग्निकांड मामले में आज के अपडेट्स- नॉर्थ गोवा जिला प्रशासन ने नाइट क्लबों, होटलों और उन जगहों पर आतिशबाजी पर बैन लगा दिया है, जहां पर पर्यटकों का आना-जाना हो। नाइट क्लब में इलेक्ट्रिक पटाखों से ही आग लगी थी। दिल्ली के रोहिणी कोर्ट ने लूथरा ब्रदर्स की जमानत याचिका खारिज कर दी।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

एजेंसी, मुम्बई

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं। ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है। सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है। गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं। वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये। गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, ओलिवर पीक होंगे कप्तान

एजेंसी, मेलबर्न

विक्टोरिया के युवा बल्लेबाज़ ओलिवर पीक अगले महीने होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगे। बाएं हाथ के इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने शैफील्ड शील्ड में अपने प्रदर्शन से पहले ही पहचान बना ली है। 19 वर्षीय पीक दूसरी बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं। वे 2024 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली टीम के सबसे युवा सदस्य थे, जब उन्हें पहले मैच के बाद चोटिल कोरी वास्ली की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया था। इस बार अंडर-19 विश्व कप अफ्रीकी महाद्वीप में नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती चरण में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ समूहबद्ध किया गया है। टूर्नामेंट में 16 टीमें भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक समूह की शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

तीन नए खिलाड़ियों को जगह- ऑस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में सितंबर-अक्टूबर में खेले गए भारत के खिलाफ तीन युवा वनडे और दो युवा टेस्ट मैचों की टीम का अधिकांश हिस्सा बरकरार रखा गया है। नितेश सैमुअल, नादेन कुरे और विलियम टेलर—ये तीन नए चेहरे हाल ही में पर्थ में आयोजित अंडर-19 मेन्स नेशनल चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन के कारण चुने गए। सैमुअल ने इस आठ दिवसीय टूर्नामेंट में 364 रन बनाकर 91 की औसत से सर्वाधिक रन जुटाए और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्हें और कुरे को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में भी शामिल किया गया। टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन होंगे, जबकि ल्यूक बटरवर्थ और ट्रैविस डीन सहायक कोच की भूमिका निभाएंगे। नीलसन ने कहा, "हमने एक संतुलित और मजबूत टीम चुनी है जिसमें सभी खिलाड़ियों की कौशल क्षमता एक-दूसरे को पूरा करती है। यह टीम भारत दौरे और हालिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर चुनी गई है।" कप्तान ओलिवर पीक पिछले सीजन बिग बैश में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए डेब्यू कर चुके हैं और विक्टोरिया के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। वे इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया ए और प्राइम मिनिस्टर इलेवन के लिए भी शानदार पारियां खेल चुके हैं। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के विल मलाज़्चुक भी सीनियर टीम के करीब हैं और एशेज के पहले टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ समय बिताने का मौका पा चुके हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन ने कहा कि यह टीम अनुभव और नई ऊर्जा का मिश्रण है और तीन नए खिलाड़ी दल में गहराई जोड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम- ओलिवर पीक (कप्तान), केसी बार्टन, नादेन कुरे, जेयडेन ड्रेपर, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, बेन गॉर्डन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लैकमुंड, एलेक्स ली-यंग, विल मलाज़्चुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम फाइनल में कार्लसन और अरोनियन के बीच खिताबी मुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को हराते हुए फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम फाइनल के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है, जहां उनका सामना अमेरिका के लेवोन अरोनियन से होगा। सिंदारोव ने कार्लसन को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने दूसरा रैपिड गेम जीतकर मुकाबले को ब्लिट्ज टाईब्रेकर तक पहुंचाया। ब्लिट्ज मुकाबलों में तेज समय दबाव के बीच कार्लसन ने पहला 5+2 गेम जीता और दूसरा ड्रॉ कराते हुए फाइनल का टिकट पक्का किया। ब्लिट्ज मुकाबलों पर कार्लसन ने कहा, "यह दोनों खिलाड़ियों की पूरी तरह से गड़बड़ी थी। क्या कहूं, यह बस खेल ही था। मैं बस उनसे थोड़ा अधिक टिक पाया और फाइनल में पहुंचकर अच्छा लग रहा है।" दूसरे सेमीफाइनल में, लेवोन अरोनियन ने जर्मनी के जीएम विन्सेंट केमर को ब्लिट्ज टाईब्रेकर में 2-0 से मात दी। इससे पहले दोनों रैपिड गेम ड्रॉ रहे थे। अब अरोनियन और कार्लसन के बीच शीर्ष स्थान की भिड़ंत होगी, जिसके विजेता को 2 लाख डॉलर की इनामी राशि मिलेगी। लोअर ब्रैकेट सेमीफाइनल में भारत के अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के जीएम हांस नीमन को हराया। एरिगैसी अब पांचवें स्थान के लिए अमेरिका के फाबियानो कारुआना से भिड़ेंगे।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट

विराट और रोहित होंगे डिमोट

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है। इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है। इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनो ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास ले

लिया था। रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है। अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलाव जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं। ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं। बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों।

मेसी 13 दिसंबर को आएंगे भारत, कोलकाता से शुरू होगा 'गोट टूर 2025'

एजेंसी, नई दिल्ली

फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी 13 से 15 दिसंबर तक होने वाले बहुप्रतीक्षित 'गोट टूर 2025' के लिए 13 दिसंबर को भारत पहुंचेंगे। तीन दिनों तक चलने वाला यह आयोजन देश के चार बड़े शहरों—कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा। मेसी मियामी से यात्रा कर रहे हैं और 13 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे कोलकाता पहुंचने का कार्यक्रम है। कोलकाता में उनका दिनभर व्यस्त शेड्यूल रहेगा, जिसकी शुरुआत सुबह 9:30 बजे से होने वाली बैठकों से होगी। इसके बाद वह कई कार्यक्रमों और इंटरैक्शन में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2 बजे वह हैदराबाद रवाना होंगे। कोलकाता दौरे के दौरान मेसी की मुलाकात पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी तय है। हैदराबाद में मेसी का मुख्य कार्यक्रम राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाला 7v7 एग्ज़िबिशन फुटबॉल मैच होगा। इस आयोजन में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे। शाम को मेसी के शानदार करियर का जश्न मनाने के लिए एक भव्य संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। 'गोट टूर हैदराबाद' की मुख्य संरक्षक और सलाहकार, पार्वती रेड्डी ने एक बयान में कहा कि हैदराबाद चरण का मुख्य आकर्षण युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष फुटबॉल

क्लिनिक होगा। उन्होंने कहा, "यह मुख्य रूप से फुटबॉल क्लिनिक पर केंद्रित है, जिसे मेसी खुद लीड करेंगे।" उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मेसी के साथ इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल और लुइस सुआरेज़ भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा, "रोड्रिगो (डी पॉल) और लुइस सुआरेज़ भी क्लिनिक का हिस्सा होंगे। वे बच्चों को ट्रेनिंग देंगे, प्रेरित करेंगे और फुटबॉल के टिप्स साझा करेंगे।" हैदराबाद के कार्यक्रमों के बाद मेसी मुंबई और फिर दिल्ली जाएंगे।' गोट इंडिया टूर 2025' एक पैन-इंडिया उत्सव के रूप में बनाया गया है, जिसकी शुरुआत 13 दिसंबर को पूर्व (कोलकाता) और दक्षिण (हैदराबाद) से होगी, 14 दिसंबर को पश्चिम (मुंबई) में पहुंचेगी और 15 दिसंबर को उत्तर (दिल्ली) में सम्पन्न होगी।

संक्षिप्त

अफरीदी ने रोहित-विराट की सराहना की , गंभीर पर निशाना साधा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि भारतीय टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत है। इसलिए इन दोनो को टीम में बनाये रखना चाहिये। अफरीदी ने कहा कि ये दोनो अनुभवी बल्लेबाज भारतीय टीम की रीड़ की हड्डी की तरह है। इसके साथ ही अफरीदी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह हमेशा जो सोचते हैं जरुरी नहीं कि वह सही हो। अफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अनुभवी होने के कारण भारत की एकदिवसीय टीम के लिए फायदेमंद रहेंगे। ऐसे में भारतीय टीम को इन स्टार खिलाड़ियों का सही उपयोग करना चाहिये। अफरीदी ने कहा, "ये सही है कि विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ हैं। जिस प्रकार उन्होंने वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज खेली है। उससे ये तय है कि उनमें 2027 विश्वकप तक खेलने की क्षमता हैं। टीम प्रबंधन को इन दोनों खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए संभालकर रखना चाहिये।"अफरीदी ने रोहित की तारीफ भी की, जिन्होंने एकदिवसयी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का उनका रिकॉर्ड तोड़ा है। अफरीदी ने कहा, "रिकॉड्र्स टूटने के लिए ही होते हैं और अब ये रिकॉर्ड भी टूट गया है। मुझे खुशी है कि जिस खिलाड़ी को मैं हमेशा पसंद करता था, उसने ये रिकॉर्ड तोड़ा है।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है। जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है। मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं। जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है।' सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे हैं। सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। उनमें उनके नाम 995 रन है। उनका औसत 25।51 और स्ट्राइक रेट 147।4 का है। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्री में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। सैमसन ओपनर

के तौर पर ही सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। 2022 में उन्हें पहली बार ओपनिंग का मौका मिला। अब तक बतौर ओपनर उन्होंने 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 512 रन हैं। औसत भी 39।38 का है और स्ट्राइक रेट 182।2 का। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने तीनों शतक बतौर ओपनर जड़े हैं। इसके अलावा ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक भी जड़ा है।

लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग में खेलेंगे रॉबिन उथप्पा, क्रिस गेल और जैक कैलिस

एजेंसी, नई दिल्ली

लेजेंड्स प्रो टी-20 लीग ने अपने डेब्यू सीज़न के लिए खिलाड़ियों की सूची जारी की है, जिसमें क्रिस गेल, जैक कैलिस, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और स्टुअर्ट बिन्नी की भागीदारी की पुष्टि की गई है। क्रिस गेल आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में ने कहा, "मेरी कई बेहतरीन क्रिकेट यादें उन खिलाड़ियों से जुड़ी हैं जो इस लीग में खेलेंगे। मैंने कैलिस के खिलाफ खेला है, जब उन्हें पार करना लगभग नामुमकिन लगता था। उथप्पा के साथ बल्लेबाजी की लय पर बात की है, और रायुडू के मज़ाक इतने सुने हैं कि अब गिन नहीं सकता और जब धवन या वॉटसन जैसे नाम फिर सामने आते हैं, तो वो एहसास और बढ़ जाता है। दोबारा साथ आना—वही

मज़ाक, वही प्रतिस्पर्धा, वही सम्मान—सब वापस ले आता है। लेजेंड्स प्रो टी20 लीग हमें यही मौका दे रही है।" जैक कैलिस ने कहा, "जब आप खेल से थोड़ा दूर रहते हैं तो एहसास होता है कि हाथ में बल्ला पकड़ने का एहसास कितना मिस होता है, मैं सच में उत्साहित हूँ—फिर से गेंद मारने की वह आसान-सी लय, टाइमिंग ढूँढना, एक खिलाड़ी जैसा महसूस होना और माइकल क्लार्क का लीग कमिश्नर के रूप में आना एक नई ऊर्जा जोड़ता है। उनका क्रिकेटिंग दिमाग हमेशा तेज़ रहा है, और उनकी नई भूमिका पूरे सेटअप में नई पेशेवरियत और विज़न लाती है। इससे मैदान पर लौटने और परिचित चेहरों के साथ खेल का आनंद लेने की उत्सुकता और बढ़ जाती है।" रॉबिन उथप्पा ने कहा, "मैंने रायुडू का पहले प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामना किया और बाद में ड्रेसिंग रूम भी साझा किया—उनकी तीव्रता हमेशा अलग दिखती है,दिनेश कार्तिक के साथ मैंने फिनिशिंग पर अनगिनत चर्चाएँ की हैं, और अंडर-19 के दिनों से साथ खेलने की वजह से हमारे बीच एक स्वाभाविक तालमेल है। शॉन मार्श उन बल्लेबाज़ों में से थे जो बल्लेबाजी को बेहद आसान दिखाते थे। इसे फिर से जीना—और वो भी बिना फ्रेंचाइज़ी दबाव के—वास्तव में मैं इसका इंतज़ार कर रहा हूँ। यह बिल्कुल वैसा है जैसे पुराने क्रिकेटिंग रिश्तों को फिर वहीं से आगे बढ़ा देना।" अंबाती रायुडू ने उन रिश्तों की बात की जो फॉर्मेट और सीज़न से परे भी बने रहते हैं। उन्होंने कहा, "जब आप अपने आसपास उन खिलाड़ियों को देखते हैं जिनके खिलाफ खेला है और जिनके साथ खिताब जीते हैं, तो आपको याद आता है कि आप इस खेल से इतना प्यार क्यों करते हैं,मैंने बिन्नी के साथ कड़े मुकाबले खेले हैं, उथप्पा के साथ लंबे नेट सेशन किए हैं, गेल के साथ अविस्मरणीय लड़ाइयाँ लड़ी हैं, और शेन वॉटसन के साथ कुछ बेहतरीन पल बिताए हैं। और जब अमित मिश्रा या विनय कुमार जैसे खिलाड़ी आते हैं, तो तुरंत वही पुराने दिन याद आ जाते हैं। उस दुनिया का थोड़ा-सा हिस्सा भी फिर से जीना—इसे मैं छोड़ नहीं सकता था।"

एशियन यूथ पैरा गेम्स दुबईः भारत के अब्दुल कादिर इंदौरी ने तैराकी में जीते दो स्वर्ण पदक

एजेंसी, दुबई

एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 में भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इंदौरी ने 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। पैरा ओलंपिक समिति ऑफ इंडिया ने एक्स पर उनकी सफलता की सराहना करते हुए लिखा, "भारत के लिए स्वर्णिम उपलब्धि! यह उनकी मेहनत, अनुशासन और भारत के युवा पैरा खिलाड़ियों की बढ़ती क्षमता का प्रतिबिंब है। बधाई हो, अब्दुल!" इसी बीच, बुधवार को दुबई में एशियन यूथ पैरा गेम्स 2025 का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एशिया के विभिन्न देशों से आए युवा पैरा खिलाड़ियों ने भाग लिया। पिछले संस्करण (बहरीन 2021) में 51 स्वर्ण पदक जीतकर तालिका में शीर्ष पर रहने वाला ईरान इस बार भी सबसे बड़ा दल उतार रहा

है। कुल 195 खिलाड़ी भेजकर ईरान ने युवाओं के विकास और पैरा खेलों के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। एशियन पैरा ओलंपिक कमेटी की जानकारी के अनुसार, उजबेकिस्तान (124), थाईलैंड (122) और भारत (122) क्रमशः दूसरे और तीसरे सबसे बड़े दल लेकर प्रतियोगिता में उतरे हैं। मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 55 खिलाड़ियों के साथ हिस्सा ले रहा है, जो देश में पैरा खेलों के विकास और क्षेत्र में समावेशन को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों को दर्शाता है। दुबई 2017 के बाद दूसरी बार इन खेलों की मेजबानी कर रहा है, जिससे एशिया में पैरा खेलों के प्रमुख केंद्र के रूप में उसकी पहचान और मजबूत हुई है। पिछले संस्करण में शीर्ष पर रहने वाला ईरान इस बार भी अपने खिताब बरकरार रखने की तैयारी के साथ उतरा है। इन खेलों में एशिया के कई शीर्ष पैरा खिलाड़ी भी शामिल होंगे, जिनमें ईरान की पैरा ताइक्वांडो खिलाड़ी ज़हरा रहीमी पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे के चेन पो-येन आईटीटीएफ विश्व नंबर 1 और पेरिस 2024 के क्लास 11 रजत पदक विजेता प्रमुख नाम हैं।

बीसीसीआई ने पहले ही ले लिया था शुभमन को कप्तान बनाने का फैसला : अंकोला

एजेंसी,नई दिल्ली

पूर्व चयनकर्ता सलील अंकोला ने कहा है कि शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आने वाले समय में तीनों प्रारुपों के कप्तान के तौर पर देखता है। इसी कारण उन्हें टी20 में उप्तान बनाया गया है। अंकोला के अनुसार शुभमन को अचानक ही टेस्ट और एकदिवसीय कप्तानी नहीं दी गयी थी। बीसीसीसी ने इसकी योजना पहले ही बना ली थी। साथ ही कहा कि जब एशिया कप 2025 से पहले उन्हें टी20 टीम का उपकप्तान घोषित किया गया था तभी ये तय हो गया था कि बीसीसीआई उनको तीनों प्रारुपों की कमान देना चाहता है। वहीं जब विराट कोहली के बाद रोहित शर्मा कप्तान बने तो वह 30 की उम्र को

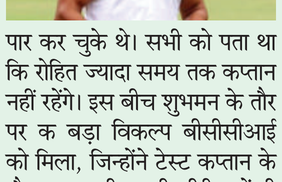

पार कर चुके थे। सभी को पता था कि रोहित ज्यादा समय तक कप्तान नहीं रहेंगे। इस बीच शुभमन के तौर पर क बड़ा विकल्प बीसीसीआई को मिला, जिन्होंने टेस्ट कप्तान के तौर पर अपनी पहली सीरीज में ही शानदार प्रदर्शन कर प्रभावित किया था। इसी को देखते हुए चयनसमिति ने रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में शुभमन को रखा। शुभमन ने वैसे भी साल 2023 में काफी रन बनाये थे। अंकोला ने कहा, हमने हमेशा सोचा था कि शुभमन कप्तान बनेंगे। हमने 2023 में ही उन्हें इस भूमिका के लिए सोचा था, हमें विश्वास था कि वह कमान संभाल लेंगे। चयनकर्ता केवल कोच और कप्तान से ही नहीं, बल्कि दूसरे सीनियर खिलाड़ियों से भी सुझाव लेते हैं। उन्हें भी लगा कि वह सही व्यक्ति हैं। ऐसे में जैसे ही रोहित ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा तो शुभमन को तत्काल ही और कप्तान घोषित कर दिया गया। अगली एकदिवसीय सीरीज आई तो उसमें भी कप्तान शुभमन ही थे। इसके पीछे का कारण ये था कि बोर्ड को 2027 एकदिवीसय कप के लिए कप्तान चुनना था, क्योंकि रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप में सक्रिय थे, लेकिन उनकी उम्र 38 के पार हो चुकी थी। वहीं शुभमन ने इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में कप्तानी करते हुए 756 रन बनाकर उन्होंने दिखा दिया कि कप्तानी से उनपर दबाव नहीं आता।

सेहत पर भी भारी पड़ सकता है रात में हाई प्रोटीन डाइट लेना

कुछ लोग रात को हाई प्रोटीन डाइट या प्रोटीन शेक लेते हैं। ऐसा करना कभी-कभी उनकी सेहत पर भी भारी पड़ सकता है। प्रोटीन वेट लॉस से लेकर अच्छी सेहत तक के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। प्रोटीन का शरीर के लिए कई फायदे हैं, जैसे कि यह आपकी क्रेविंग को कंट्रोल करता है, हेल्दी वेट लॉस करता है, शरीर को एनर्जी देता है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है आदि। लेकिन इसके ये सब फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप प्रोटीन का सेवन सही ढंग से करें।

कुछ लोग प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो कुछ लोग, जो लोग जिम जाते हैं, वो हाई प्रोटीन डाइट में प्रोटीन सप्लीमेंट भी लेते हैं, जैसे कि प्रोटीन पाउडर। लेकिन तब भी कुछ लोगों को प्रोटीन का लाभ नहीं मिल पाता हैं, क्योंकि वो प्रोटीन गलत समय पर लेते हैं। रात को हाई प्रोटीन डाइट लेना या प्रोटीन पाउडर लेना पाचन और सेहत को कई बार नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए रात लाइट और बैलेंस डाइट लेने की सलाह दी जाती है। आइए जानते है कि रात को हाई प्रोटीन डाइट लेने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

पेट में भारीपन

रात के समय प्रोटीन युक्त लेना डाइट लेना पाचन पर भारी हो सकता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

एसिडिटी की समस्या

हाई प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को पचाने में अधिक समय लगता है और रात को कोई शारीरिक एक्टिविटी होती नहीं है। जिससे रात में एसिडिटी की समस्याएं हो सकती हैं।

नींद प्रभावित होती है

प्रोटीन युक्त खाने को पचाने में अधिक ऊर्जा भी लगती है, जिससे शरीर को आराम करने में कठिनाई हो सकती है और नींद प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा पेट में भारीपन महसूस होने पर आपको नींद नहीं आएगी।

वजन बढ़ना

रात के समय प्रोटीन युक्त डाइट लेने से अतिरिक्त कैलोरी का सेवन हो सकता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ सकती है।

किडनी पर प्रभाव

अत्यधिक प्रोटीन का सेवन किडनी पर अतिरिक्त प्रेशर डाल सकता है, खासकर जब किसी को पहले से किडनी संबंधित समस्याएं हों।

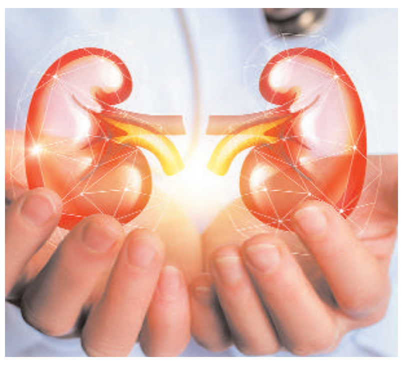

नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण महिलाओं में ज्यादा गंभीर!

एक शोध में यह बात सामने आई है कि किसी व्यक्ति के नी कैप का बिगड़ता आकार ऑस्टियोआर्थराइटिस बीमारी का संकेत हो सकता है। ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी (एएनयू) के शोधकर्ताओं ने महिलाओं और पुरुषों के नी कैप आकार के अंतर को लेकर एक अध्ययन किया। पाया कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में नी ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षण ज्यादा गंभीर होते हैं। टीम ने स्वस्थ व्यक्तियों और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी का इंतजार कर रहे मरीजों के घुटनों का विश्लेषण करने के लिए सीटी स्कैन का उपयोग किया। उन्होंने घुटनों के 3डी मॉडल बनाने और सतहों के आकार को मापने के लिए उन्नत छवि विश्लेषण तकनीकों का उपयोग किया।

शोध में लैंगिक आधार पर घुटने की सतह के आकार में कोई स्पष्ट अंतर नहीं पाया गया, लेकिन यह जरूर पता चला कि ऑस्टियोआर्थराइटिस पीड़ितों के नीकैप सतह का आकार भिन्न था। एएनयू की एसोसिएट प्रोफेसर लॉरा विल्सन के नेतृत्व वाली टीम ने ये भी बताया कि रोग की गंभीरता बढ़ने के साथ ये अंतर और अधिक स्पष्ट होने लगे। उन्होंने निष्कर्षों की अप्रत्याशित प्रकृति पर ध्यान दिया, जिसमें बताया गया कि ऑस्टियोआर्थराइटिस जैसे-जैसे बढ़ता है वैसे-वैसे नीकैप बदलाव अन्य जोड़ों की सतह पर अलग-अलग देखने को मिलता है। अध्ययन ऑस्टियोआर्थराइटिस और कार्टिलेज पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता अब यह जांचने पर विचार कर रहे हैं कि क्या ये आकार में अंतर बीमारी के शुरुआती दौर में दिखने शुरू हो जाते हैं। यदि इन परिवर्तनों की प्रारंभिक शुरुआत की पुष्टि की जा सके, तो घुटने की आकृति को संभावित रूप से रोग निवारण मॉडल में एकीकृत किया जा सकता है, जिससे घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की प्रारंभिक पहचान में सहायता मिलेगी।

दिमागी विकास संबंधी गड़बड़ी है ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर

ऑटिज़्म को मेडिकल भाषा में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसॉर्डर कहते हैं। यह एक विकास संबंधी गड़बड़ी है जिससे पीड़ित व्यक्ति को बातचीत करने में, पढ़ने-लिखने में और समाज में मेलजोल बनाने में परेशानियां आती हैं। ऑटिज़्म एक ऐसी स्थिति है जिससे पीड़ित व्यक्ति का दिमाग अन्य लोगों के दिमाग की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। वहीं, ऑटिज्म से पीड़ित लोग भी एक-दूसरे से अलग होते हैं। यानि कि आटिज्म के अलग-अलग मरीजों को अलग-अलग लक्षण महसूस हो सकते हैं। हालांकि इस बीमारी के बारे में अभी तक बहुत ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है और न ही वर्तमान में इसका कोई कम्प्लीट इलाज है। वैसे तो इस बीमारी से पीड़ित लोग नौकरी करने, परिवार और दोस्तों के साथ मेल-मिलाप करने में सक्षम होते हैं, लेकिन कई बार उन्हें इसके लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ती है। जहां कुछ ऑटिस्टिक लोगों को पढ़ने-लिखने में परेशानी होती है तो वहीं ऑटिज्म के कुछ मरीज या तो पढ़ने लिखने में बहुत तेज होते हैं या सामान्य होते हैं। परिवार, टीचर्स या दोस्तों के सहयोग से ये लोग नई स्किल्स सीखने में भी सक्षम होते हैं और बिना किसी सहारे के काम कर पाते हैं। कुछ स्टडीज़ में ऐसा देखा गया है कि डायग्नोसिस और इंटरवेंशन ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की जल्द मदद से ऑटिस्टिक लोगों को सामाजिक व्यवहार और नयी स्किल्स सीखने में मदद मिलती है जिससे, वे अपना जीवन बेहतर तरीके से जी पाते हैं।

ऑटिज़्म के लक्षण

इस बीमारी के लक्षण आमतौर पर 12-18 महीनों की आयु में (या इससे पहले भी) दिखते हैं जो सामान्य से लेकर गम्भीर हो सकते हैं। ये समस्याएं पूरे जीवनकाल तक रह सकती हैं। नवजात शिशु जब ऑटिज्म का शिकार होते हैं उनमें विकास के निम्न संकेत दिखाई नहीं देते हैं-

- इक्का-दुक्का शब्द बार-बार बोलना या बड़बड़ाना
- किसी चीज़ की तरफ इशारा करना
- मां की आवाज़ सुनकर मुस्कुराना या उसे प्रतिक्रिया देना
- हाथों के बल चलकर दूसरों के पास जाना
- आंखों में आंखें मिलाकर ना देखना या आई-कॉन्टैक्ट ना बनाना

ऑटिज़्म के कारण और कारक

ऑटिज्म के सही कारणों का पता नहीं चल सका है। हालांकि, विभिन्न स्टडीज़ में कहा गया गया है कि यह डिसऑर्डर कुछ अनुवांशिक और पर्यावरणीय कारणों से होता है। जो कि गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के विकास को बाधित करते हैं। जैसे-

- दिमाग के विकास को नियंत्रित करने वाले जीन में कोई गड़बड़ी होना
- सेल्स और दिमाग के बीच सम्पर्क बनाने वाले जीन में गड़बड़ी होना
- गर्भावस्था में वायरल इंफेक्शन या हवा में फैले प्रदूषण कणों के सम्पर्क में आना
- जोखिम कारक इन बच्चों में ऑटिज़्म का खतरा सबसे अधिक होता है-

ऑटिज़्म से प्रभावित बच्चों में लक्षण

- दूसरे बच्चों से घुलने-मिलने से बचना
- अकेले रहना
- खेल-कूद में हिस्सा ना लेना या रूचि ना दिखाना
- किसी एक जगह पर घंटों अकेले या चुपचाप बैठना, किसी एक ही वस्तु पर ध्यान देना या कोई एक ही काम को बार-बार करना
- दूसरों से सम्पर्क ना करना
- अलग तरीके से बात करना जैसे प्यास लगने पर मुझे पानी पीना है' कहने की बजाय क्या तुम पानी पीओगे' कहना
- बातचीत के दौरान दूसरे व्यक्ति के हर शब्द को दोहराना
- सनकी व्यवहार करना
- किसी भी एक काम या सामान के साथ पूरी तरह व्यस्त रहना
- खुद को चोट लगाना या नुकसान पहुंचाने के प्रयास करना
- गुस्सैल, बदहवास, बेचैन, अशांत और तोड़-फोड़ मचाने जैसा व्यवहार करना
- किसी काम को लगातार करते रहना जैसे, झूमना या ताली बजाना
- एक ही वाक्य लगातार दोहराते रहना
- दूसरे व्यक्तियों की भावनाओं को ना समझ पाना
- दूसरों की पसंद-नापसंद को ना समझ पाना
- किसी विशेष प्रकार की आवाज़, स्वाद और गंध के प्रति अजीब प्रतिक्रिया देना
- पुरानी स्किल्स को भूल जाना

- ऐसे माता-पिता के बच्चे जिनका पहले से कोई बच्चा ऑटिज्म का शिकार हो
- समय से पहले पैदा होने वाले यानि प्रीमैच्योर बच्चे
- कम बर्थ वेट यानि जन्म के समय कम वजन के साथ पैदा होने वाले बच्चे
- उम्रदराज़ माता-पिता के बच्चे
- जेनेटिक/ क्रोमोसोमल कंडीशन जैसे, ट्यूबरस स्केलेरोसिस या फ्रेज़ाइल एक्स सिंड्रोम
- प्रेगनेंसी के दौरान खायी गयीं कुछ दवाइयों का साइड-इफेक्ट

ऑटिज़्म से बचाव

चूंकि अध्ययनों में अभी तक ऑटिज़्म के कारणों का सही तरीके से पता नहीं चल सका है, इसीलिए वर्तमान में इस डिसऑर्डर से बचाव के कोई कारगर उपाय भी उपलब्ध नहीं है। फिलहाल, ऑटिज्म के डायग्नोसिस या निदान के लिए कोई विशिष्ट टेस्ट नहीं है। आमतौर पर, अभिभावकों को बच्चे के व्यवहार और उनके विकास पर ध्यान देने के लिए कहा जाता है। ताकि, डिसऑर्डर का पता लगाने में मदद हो। विशेषज्ञों द्वारा मरीज की देखने, सुनने, बोलने और मोटर कॉर्डिनेशन की क्षमता का आंकलन किया जाता है। आमतौर पर 2 साल की उम्र के आसपास बच्चों में ऑटिज़्म होने का पता चल जाता है। लेकिन, कुछ बच्चों में ये लक्षण जल्दी नहीं दिखते हैं। इसीलिए जब बच्चा स्कूल जाने लगता है या जब वह टीनेजर हो जाता है तब उसके ऑटिस्टिक होने का पता चलता है।

ऑटिज़्म का उपचार

वर्तमान में ऑटिज़्म के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है। हालांकि, स्टडीज़ में ऐसे संकेत दिए गए हैं जिसमें बचपन में ही इंटरवेंशनल ट्रीटमेंट सर्विसेज़ की मदद से ऑटिस्टिक बच्चों को पढ़ने-लिखने जैसी ज़रूरी स्किल्स सीखने में सहायता मिल सके। इसमें एजुकेशनल प्रोग्राम और बिहेवियरल थेरेपी ,एक्यूप्रेशर, योग के साथ-साथ ऐसे स्किल्स ओरिएंटेड ट्रेनिंग सेशन्स भी कराए जाते हैं जो बच्चों को बोलना, सामाजिक व्यवहार और सकारात्मक व्यवहार सीखने में मदद करते हैं। चूंकि, हर व्यक्ति में ऑटिज़्म के लक्षण अलग अलग होते हैं, इसलिए हर व्यक्ति को विशेष उपचार देने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। ऑटिज़्म के मुख्य लक्षणों का इलाज करने में दवाइयां कारगर नहीं होती हैं।

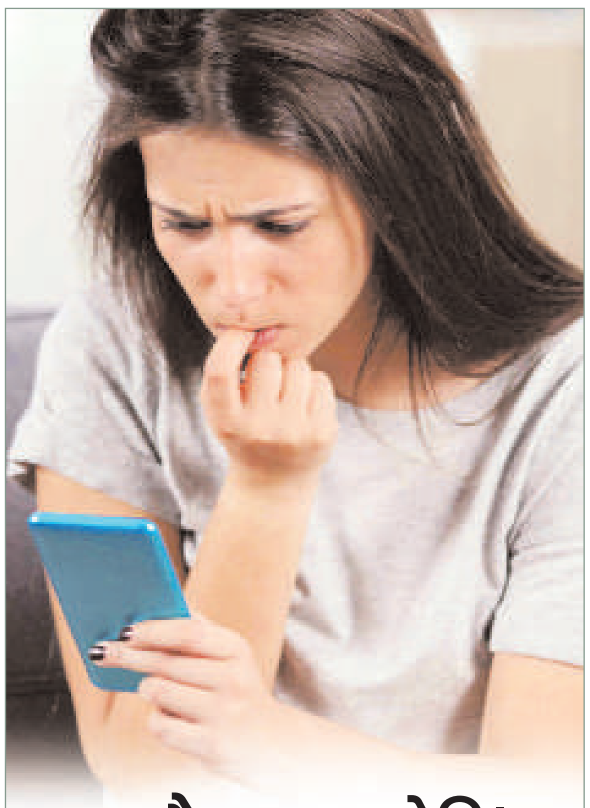

क्या है डूम स्क्रोलिंग जिससे मेंटल हेल्थ हो रही है खराब?

डूम स्क्रोलिंग से मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। लगातार नेगिटिव खबरें देखने से खुशी में कमी आती है। यह चिंता, तनाव और अनिद्रा को बढ़ा सकता है।

सोशल मीडिया का जमाना है। जिधर नजर डालो उधर हर व्यक्ति अपने फोन के स्क्रीन को स्क्रॉल ही करता रहता है। सोशल मीडिया स्क्रोल करने के दौरान कुछ अच्छी खबरें भी आती है तो कुछ निगेटिव खबर भी देखने को मिलता है। वहीं जो लोग बहुत ज्यादा ऑनलाइन नेगिटिव समाचारों को देखने में वक्त बताते हैं उसे हम डूम स्क्रोलिंग के नाम से जानते हैं। यह शब्द डूम और स्क्रोलिंग से मिलकर बना है। डूम का मतलब होता है विनाश और स्क्रोलिंग का मतलब होता है मोबाइल की स्क्रीन पर स्क्रॉल करते रहना। आइए जानते हैं यह कैसे आपकी मेंटल हेल्थ पर खराब असर डालता है।

डूम स्क्रोलिंग के नेगिटिव प्रभाव

साल 2020 यानी कोविड महामारी के दौरान यह शब्द प्रचालित हुआ था। जब आप सोशल मीडिया स्क्रोल करते हैं तो इस दौरान आपको कई तरह की बुरी खबरें मिलती हैं, जिन्हें आप जानकारी के लिए लेना चाहते हैं। यह सब देखकर आपको बुरा भी महसूस होता है लेकिन आप फिर भी स्क्रोल करते रहते हैं। इससे मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इससे तनाव, डर और उदासी की भावनाओं में बढ़ोतरी होती है। कई बार चो चीजें हम देखते हैं उसे घंटो सोचते रहते हैं।

वहीं इसके कारण आनिद्रा की समस्या भी हो सकती है। जब आप चिंतित होते हैं तो आपका दिमाग एक्टिव हो जाता है और ऐसे आपको नींद नहीं आता है। यह अकेलापन और पैनिक अटैक के खतरे को भी बढ़ा सकता है।

कई बार आप जब तनाव में होते हैं और चिंतित होते हैं तो सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें देखते हैं जो आपके सोच की पुष्टि करता है, जैसे कोई व्यक्ति दुखी है किसी का दिल टूटा है तो आपको ऐसे पोस्ट नजर आते हैं जिसे आप देखकर कहते हैं कि अच्छा हां सच में ऐसा होता है इससे आपके अंदर नेगेटिव भवनाएं और भी ज्यादा बढ़ जाती है। यह तनाव हार्मोन कोर्टिसोल को सक्रिया कर देता है जो कई तरह की मानसिक समस्याओं में योगादन दे सकता है।

डूम स्क्रोलिंग से कैसे बचें?

- स्क्रीन टाइम कम करें
- पॉजिटिव कंटेंट को तरजीह दें।
- खाली टाइम में मोटिवेशनल मूवी देखें।
- रात को सोने से पहले मोबाइल फोन को बंद कर दें।
- एक्सरसाइज करें।
- पसंदीदा किताबें पढ़ें।
- दोस्तों के साथ वक्त बिताएं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025

रणवीर सिंह को लेकर सारा अर्जुन ने लिखा... एक फरिश्ता ऐसा ही करता है

अभिनेत्री सारा अर्जुन ने रणवीर सिंह के साथ फिल्म धुरंधर में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया है। उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया पर अभिनेता के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एक शानदार पोस्ट लिखी है। सारा ने रणवीर की न सिर्फ उनके काम के लिए तारीफ की, बल्कि फिल्म के पूरे सफर में उनके सपोर्ट के लिए भी उनकी सराहना की।

रणवीर ने ईमानदारी से लीड किया

रणवीर की तारीफ करते हुए सारा ने लिखा कहते हैं कि एक सच्चा एक्टर लगभग सुपर ह्यूमन होता है। आप बिल्कुल वैसे ही हैं। जहां दुनिया आपकी काबिलियत देखती है, वहीं मुझे हर दिन आपकी दरियादिली देखने का मौका मिला। आपने ईमानदारी से लीड किया।

सारा ने रणवीर को बताया फरिश्ता

आपके बारे में सबसे खूबसूरत बात यह है कि आप हर किसी के लिए वह इंसान बनने को तैयार रहते हैं, जो उनका साथ देता है। सबसे मुश्किल दिनों में भी रोशनी लाता है। एक फरिश्ता यही करता है। आप उन बहुत कम लोगों में से हैं जो दूसरों को खुश देखकर सच में खुश होते हैं। आपकी एक बात मैं हमेशा अपने करीब रखूंगी, वह यह है कि आप मेरे लिए हर वक्त मौजूद रहे। आपने ऐसा सपोर्ट दिया जो काम से कहीं ज्यादा था। हमेशा आपके लिए प्रार्थना करूंगी।

रणवीर सिंह ने किया रिप्लाई

इस पोस्ट पर रणवीर सिंह ने रिप्लाई करते हुए लिखा है बस कर पगली रुलाएगी। मजे करो। दुनिया तुम्हारी है। कोई तुम्हें नहीं रोक सकता। तुम पर आशीर्वाद है। जब तुम जीतोगी तो मैं जीतूंगा।

धुरंधर के बारे में

फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल हैं। इसके निर्देशक आदित्य धर हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म अच्छी कमाई कर रही है।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से 20 साल बाद मेरी बॉलीवुड में वापसी हुई है

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार रजत बेदी को हाल ही में आर्यन खान की ऑरिजनल सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया था। एक्टर को उनके किरदार के लिए खूब सराहा भी गया है और उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल) के अवॉर्ड से नवाजा गया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उनके पूरे परिवार पर रब की महर हुई है। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में रजत बेदी ने कॉमेडियन का रोल प्ले किया था और इसी फिल्म से उनके बेटे ने अपना करियर बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर शुरू किया है। उन्होंने पूरी सीरीज में आर्यन खान को असिस्ट किया है। ये सीरीज पिता और बेटे दोनों के करियर के लिए हिट साबित हुई। फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए शानदार वापसी करने वाले रजत बेदी इन दिनों उन्हें मिले अवॉर्ड को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा कि इस परफॉर्मेंस ने उन्हें नई ऊर्जा दी है और अब वह दोबारा दमदार एक्शन रोल करने की इच्छा रखते हैं। साथ ही उन्होंने इस बात पर मलाल भी जताया कि वह अब तक आमिर खान और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए हैं। उन्होंने कहा कि अवॉर्ड मिलने के बाद कई ऑफर आ रहे हैं और मैं अभी देख रहा हूं कि किसके लिए हां करनी है।

उन्होंने आगे कहा कि एक ही शो ने उनके पूरे परिवार को सेलिब्रिटी बना दिया। एक्टर ने कहा कि मैं अपने करियर में 40 से 50 फिल्में कर चुका हूं और कई पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है, लेकिन अब 20 साल बाद बॉलीवुड में मेरी शानदार वापसी हुई है।

अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म लॉकडाउन की रिलीज डेट से उठा पर्दा

तमिल सिनेमा के दर्शक इन दिनों एक नई फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह डायरेक्टर एआर. जीवा की नई ड्रामा फिल्म लॉकडाउन है, जिसमें अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। निर्माता लाइका प्रोडक्शंस ने सोमवार को घोषणा की कि अब यह फिल्म दुनिया भर के सिनेमाघरों में 12 दिसंबर को रिलीज होगी। इससे पहले फिल्म को 5 दिसंबर को रिलीज किया जाना था, लेकिन चेन्नई और तमिलनाडु में लगातार हुई बारिश के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था। बारिश के चलते सिनेमाघरों की स्थिति ठीक नहीं थी, और दर्शकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्माता ने यह निर्णय लिया। लाइका प्रोडक्शंस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब जिंदगी उलझ जाती है, तब फैसले लेना मुश्किल हो जाता है। लॉकडाउन 12 दिसंबर को थिएटर्स में आएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि दर्शकों और थिएटर स्टाफ की सुरक्षा उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए उन्होंने दर्शकों से सावधानी बरतने और सुरक्षित रहने की अपील भी की।

कुली के डायरेक्टर संग आमिर खान करेंगे सुपरहीरो फिल्म, स्क्रिप्ट पर चल रहा काम

तमिल सिनेमा के दिग्गज डायरेक्टर लोकेश कनगराज अपनी एक्शन-थ्रिलर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। रजनीकांत संग कुली, कमल हासन संग विक्रम और थलपति विजय के साथ लियो और मास्टर जैसी जबरदस्त फिल्में बनाने के बाद अब वह आमिर खान के साथ एक सुपरहीरो फिल्म ला रहे हैं। इसी साल जून में सितारे जमीन पर के प्रमोशन के दौरान, मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने खुले तौर पर माना था कि वह लोकेश के साथ एक फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, बाद में कुछ रिपोर्ट्स आईं कि फिल्म डिब्बाबंद हो गई है। लेकिन अब खुद आमिर ने इन खबरों को खारिज किया है।

आमिर खान ने बातचीत में कहा, यह फिल्म पाइपलाइन में है। लोकेश और मैं मिलने वाले हैं... मुझे लगता है कि पिछले महीने हमने बात की थी और उसने कहा था कि वह किसी समय मुंबई आ रहा है... हम नरेशन देखेंगे.. तो हां... अभी के लिए, यह तय है।

हर साल एक फिल्म लाने के वादे पर अब ये बोल आमिर

इसके अलावा, जब आमिर से पूछा गया कि क्या वह साल में एक फिल्म करने का अपना वादा निभाएंगे, तो आमिर ने मुस्कुराते हुए कहा, देखो, मेरा इरादा साल में एक फिल्म करने का है। लेकिन वो होती नहीं है यार। मुझे नहीं पता, अभी क्या करना है। ये पता है कि जब तक कुछ पसंद आता है, और तभी हम उस पर काम करते हैं... तो हां... मैंने कहा था कि मैं साल में एक फिल्म करने की कोशिश करूंगा... मैं कोशिश करूंगा, मैं जरूर कोशिश करूंगा।

स्क्रिप्ट पसंद आई, तभी शुरू होगी फिल्म

आमिर खान ने अपनी यह बात यह कहकर बात खत्म की कि अगर उन्हें स्क्रिप्ट पसंद नहीं है, तो वह कोई फिल्म नहीं कर सकते। लेकिन हां, यह वादा भी जरूर किया कि उनकी पूरी कोशिश रहेगी कि साल में एक फिल्म तो करें।

कुली में कैमियो, चर्चा उड़ी कि फिल्म डिब्बाबंद

जानकारी के लिए बता दें कि आमिर खान को पिछली बार, रजनीकांत स्टारर कुली में कैमियो करते देखा गया था। यह फिल्म लोकेशन कनगराज ने ही डायरेक्ट की है। हालांकि, बाद में यह चर्चा चली कि फिल्म में आमिर के किरदार को लोकेश कनगराज की उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला, इसलिए उनकी सुपरहीरो फिल्म कैंसिल हो गई है। लेकिन अब यह साफ है कि फिल्म डिब्बाबंद नहीं हुई है।

साउथ फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे ऐश्वर्य ठाकरे, साथ में दिखेंगी उपासना शेट्टी

साउथ फिल्म बेबी के हिंदी रीमेक को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। ओरिजनल फिल्म को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद इसके हिंदी वर्जन पर तेजी से काम चल रहा है। शुरुआत में इरफान खान के बेटे बाबिल खान को लीड रोल के लिए साइन किया गया था और उन्होंने कुछ शूटिंग भी कर ली थी लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वास्थ्य कारणों से उन्हें प्रोजेक्ट से बाहर होना पड़ा है। अब उनकी जगह बालासाहेब ठाकरे के पोते और उभरते एक्टर ऐश्वर्य ठाकरे इस रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। यह वही किरदार है जिसे तेलुगु वर्जन में आनंद देवरकोंडा ने निभाया था। ऐश्वर्य के साथ तेलुगु एक्ट्रेस उपासना शेट्टी को कास्ट किया गया है, जो हिंदी में अपना डेब्यू कर रही हैं। फिल्म का निर्देशन मूल फिल्म के डायरेक्टर साई राजेश ही कर रहे हैं। शूटिंग 2025 की शुरुआत में शुरू हो चुकी है और मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं। रिलीज डेट की घोषणा अभी बाकी है। ऐश्वर्य के साथ तेलुगु एक्ट्रेस उपासना शेट्टी दिखेंगी, जो हिंदी में अपना डेब्यू कर रही हैं।

बिना नेगेटिविटी के भी आप बिग बॉस जैसा शो जीत सकते हैं

टीवी अभिनेता गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी अपने नाम की। इस सीजन में फरहाना भट्ट फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणित मोरे ने तीसरा स्थान हासिल किया। जीत के बाद बातचीत में गौरव खन्ना ने अपनी जीत, सलमान खान से मिले सपोर्ट, शो के सफर, दोस्ती, नर्वसनेस और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

बिना गाली-गलौज के भी ट्रॉफी जीती जा सकती है

मैं बस यही कहना चाहूंगा कि आखिर में जीत हमेशा सच्चाई और अच्छाई की ही होती है। कई बार अच्छे इंसान को भी ताने सुनने पड़ते हैं, उसे नीचा दिखाने की कोशिश होती है, लेकिन हिंदुस्तान की जनता दिल से फैसला करती है। वो कहीं न कहीं अच्छाई को ही चुनती है। मेरी ये जीत इस बात का सबूत है कि बिग बॉस जैसे शो में बिना गाली-गलौज, बिना तोड़फोड़ और बिना नेगेटिविटी के भी आप ट्रॉफी तक पहुंच सकते हैं। आप अपने मुद्दे शांत तरीके से भी रख सकते हैं और अगर आप सही हैं तो जनता आपके साथ खड़ी रहती है।

मेरा मकसद बस लाइन क्रॉस किए बिना फिनिश करना था

ये कोई बनाई हुई स्ट्रैटेजी नहीं थी। मैं जैसा हूं, वैसा ही शो में गया था। मैं हमेशा यही मानता रहा कि ये कोई मैराथन रेस नहीं थी, जहां शुरुआत से ही आपको पूरी रफ्तार से दौड़ना होता है। मैंने शो की शुरुआत से ही भागने की कोशिश नहीं की। मेरा बस एक ही मकसद था कि मैं अपनी ईमानदारी के साथ, अपनी लिमिट में रहते हुए फिनिश लाइन तक पहुंचूं। फिर चाहे मैं कहीं भी आऊं - मेरे लिए सबसे जरूरी था कि मैं किसी भी हाल में अपनी लाइन क्रॉस न करूं और खुद से समझौता न करूं। कई लोग शो को गलत तरीके से समझ लेते हैं और वहीं गड़बड़ कर बैठते हैं।

सलमान सर का हाथ पकड़कर खड़ा होना असली जीत थी

जब सलमान सर मेरे बाजू में खड़े थे, तो मैंने उनसे बिल्कुल दिल से कहा कि ट्रॉफी अपनी जगह है, लेकिन उससे कहीं ज़्यादा बड़ी बात ये है कि आप मेरा हाथ पकड़कर मेरे साथ खड़े हैं। क्योंकि सच कहूं तो बिग बॉस को हां कहने की सबसे बड़ी वजह सलमान खान सर ही थे। मैं बचपन से उनका फैन रहा हूं। भले ही मैं टीवी इंडस्ट्री में करीब 20 साल से काम कर रहा हूं, अच्छा नाम और पहचान बनाई है, लेकिन कभी उनसे मिलने का मौका नहीं मिला। हमारी इंडस्ट्री अलग है, रास्ते अलग हैं। इसलिए उस वक्त मैं वहां एक कलाकार नहीं, बल्कि सिर्फ एक फैन बॉय बनकर आया था।

जब सलमान सर ने कहा कि वो मेरे साथ काम करेंगे, मेरी आंखों में आंसू आ गए

जब सलमान सर ने कहा कि वो जल्द मेरे साथ काम करना चाहते हैं, उस पल मेरी आंखों में आंसू आ गए थे। मैं दिल से बहुत खुश था। मुझे लगा कि अगर 15 लोगों के बीच उन्हें मेरा काम अच्छा लगा है, तो कहीं न कहीं पूरे हिंदुस्तान के लोगों तक भी मेरी सच्चाई पहुंची होगी। इतने बड़े सुपरस्टार के मुंह से ऐसा सुनना मेरे लिए किसी अवॉर्ड से कम नहीं था और जब फरहाना का एपिसोड आया था, तब सलमान सर ने ये भी कहा था कि उनकी मम्मी मेरे शो देखती हैं और वो खुद भी मेरा काम देखते हैं। उस पल मुझे सच में महसूस हुआ कि मेरी मेहनत कहीं न कहीं सही जगह तक पहुंची है। मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी अचीवमेंट थी, जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगा।

मैं सुपर कॉन्फिडेंट नहीं था, मुझे भी नर्वसनेस हुई, दिल की धड़कनें तेज़ थी

सच कहूं तो मुझे भी नहीं पता था कि मैं ही जीतूंगा। अंदर रहते हुए हमें बाहर की कोई खबर नहीं होती, इसलिए मेरे मन में भी पूरी तरह से कोई भरोसा नहीं था। ये कहना गलत होगा कि मैं सुपर कॉन्फिडेंट था - मुझे भी नर्वसनेस हो रही थी, दिल की धड़कनें तेज़ थी, जैसे हर इंसान को उस वक्त होता हैं।